

# The Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORIT

सं० 21]

नई बिल्ली, शनिवार, मई 23, 1987 (ज्येष्ठ 2, 1909)

No. 21]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 23, 1987 (JYAISTHA 2, 1909)

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संस्था थी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग Ш—खण्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

अण्य न्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई विल्ली-110011, दिनांक 1 श्रप्रैल 1987

सं० ए० 38013/1/87-प्रणा० 3—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा भ्रायोग के के० स० से० संवर्ग के स्थायी सहायक भ्रौर स्थानापक रूप से तदर्थ भ्राधार पर श्रनुभाग श्रधिकारी के पद पर कार्य कर रहे श्री वाई० श्रार० जुनेजा को, कार्मिक भ्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय ज्ञापन संख्या 33/12/73-स्था० (ए०) दिनांक 24 तवस्वर 1973 के श्रनुसार, 31 मार्च 1987 के श्रपराह्म से निवर्तन श्रायु प्राप्त होने पर, सरकारी सेवा से निवृत होने की श्रनुमति प्रधान करते हैं।

एम० पी० जैन म्रवर सचिव (का० प्रशा०) संघ लोक सेवा म्रायोग

कार्मिक श्रौर प्रशिक्षण विभाग केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्युरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक श्रप्रैल 1987

सं० ए-20023/8/79-प्रणा०--5-प्रत्यावर्तन होने पर, प्रतिनियुक्ति आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, बंगलौर में लोक 1--76GI/87 भ्रभियोजक के रूप में कार्यरत, श्री बी० शंकर भट्ट, सहायक लो क भ्रभियोजक की येवाएं दिनांक 7 भ्रभैल 1987 (भ्रपराह्न) में कर्नाटक सरकार को सौंप दी गयी हैं।

> धर्मपाल भल्ला प्रशासन श्रधिकारी (स्था०)

गृह मंत्रालय

राष्ट्रीय प्रपराध रिकार्ड ब्यूरो

नई दिल्ली-110066, दिनांक 27 श्रप्रैल 1987

सं० 35/4/84-प्रणा०/डी० सी० पी० सी०--राष्ट्रपति, मंत्रिमण्डल सचिवालय के वरिष्ठ क्षेत्राधिकारी श्री के० रामन कृट्टी को 14 श्रप्रैल 1987 (पूर्वाह्म) से तीन वर्ष की श्रवधि के लिए प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर, समन्वय निदेशालय पुलिस कम्प्यूटर, राष्ट्रीय श्रपराध रिकार्ड ब्यूरो (गृह मंत्रालय) नई दिल्ली में 2200-4000 ६० के वेतनमान में कनिष्ठ स्टाफ श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

समन्वय निवेशालय पुलिस कम्प्यूटर, राष्ट्रीय **भपराध** रिकार्ड ब्यूरो में श्री रमन कुट्टी की कनिष्ठ स्टाफ **श्रीकारी** 

[4089)

के रूप में नियुक्ति, समय-समय पर संशोधित बिक्त मंत्रालय के कार्यालय जापन संख्या एफ० 1  $(I_I)$ ई-III (बी)/75 दिनांक 7 नवम्बर 1975 में दी गयी प्रतिनियुनित सम्बन्धी शर्तों, नियमों के प्रनुसार शासित होगी ।

सं० 105/22/86-रा० झ० रि० ब्यूरो--निवेशक, राष्ट्रीय झपराध रिकार्ड ब्यूरो 15-3-1983 से केन्द्रीय झपुली छाप ब्यूरो, कलकत्ता के स्थानापन्न उप-ध्रधीक्षक (ग्रंगुली छाप) श्री एन० के० लहिरी को उस कार्यालय में स्थायी उप-भ्रंधीक्षक (श्रंगुली छामप) नियुक्त करते हैं।

एस० के० शर्मा, निदेशक, रा० घ्र० रि० ब्युरो

# महानिवेशालय

# केम्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली--110 003, दिनांक 28 ग्रप्रैल 1987

सं० ई०-16014(6)/1/85/कार्मिक-1/51-भासूचना स्पूरो को प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप श्री यू०एम० कुमार मे 17 प्रक्तूबर 1986 के पूर्वाह्न से के० भी० सु० ब० यूनिट, बी० एस० एल० बोकारो के सहायक कमाईट के प्रका कार्यमार छोड़ विया।

सुनील कृष्ण, सहायक महानिरीक्षक/कार्मिक

# भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1987

सं० 11/98/79—प्रशा०—I—राष्ट्रपति, ग्रण्डमान श्रीर निकोबार द्वीपसमूह के मुख्य सिचव श्री एस० ग्रार० शर्मा को भ्रण्डमान श्रीर निकोबार द्वीपसमूह में स्थित जनगणना निदे-शालय में तारीख 1—4—87 से भ्रगले ग्रावेशों तक पदेन अक्षमता में निवेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री एस० ग्रार० शर्मा का मुख्यालय पोर्ट-ब्लेयर में होगा ।

सं० 10/5/87-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय प्राधिक सेवा के ग्रेड-III के प्रधिकारी श्री एस० के० धोरे को भारत के महार्राजस्ट्रार के कार्यालय, नई दिल्ली में तारीख 13-3-87 के पूर्वाह्म से 25-3-87 के प्रपराह्म तक रु० 3000-100-3500-125-4500 के वेतनमान में वरिष्ठ प्रमु-संधान प्रधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करने हैं।

सं० 13/6/87-प्रणा०-I---राष्ट्रपति, भारत के महा-रिजस्ट्रार के कार्यालय, नई दिल्ली में उप महारिजस्ट्रार (सामा-जिक श्रध्ययन) के पद पर कार्यरत डा० एन० जी० नाग का, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंगन) ियम, 1972 के नियम 48 (1) (क) के भ्रधीन 3० जून, 1987 के भ्रपराह्म से सरकारी सेवा में स्वैच्छिक सेवा निवृति के लिए<u>के</u> 3 महीने का नोटिस सहर्ष स्वीकार करते हैं।

> वी० एस० वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार

#### वित्त मंत्रालय

#### राजस्व विभाग

सीमा मुल्क एषं केन्द्रीय उत्पादन मुल्क

समाहर्ता का कार्यालय

मदुराई, दिनांक 04 फरवरी 1987

सं० 1/87—समाहर्ता ने केन्द्रीय उत्पादन शुरूक के निरी-अक ग्रेड के निम्नलिखित ग्रधिकारियों को २० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (पुराना वेतनमान)/२० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500-(नया वेतनमान) के वेतनमान में स्थानापन्न ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुरूक के ग्रेड में नियुक्त किया है ।

निम्नलिखित प्रधिकारियों ने प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन गृहक के ग्रुप 'ख का पद उनके नाम के साममे उहिलिखित तारीख में संभाल लिया है ।

ऋ० नाम	मधीक्षक पदपर
सं०	नियुक्तिकी सारीख
सर्वेश्री	
1. एन० बीरय्या	17-01-1986
2. <b>गार</b> ० करणाकरन	27-02-1986
3. के०  राजगोपाल	09-04-1986
4. बी० गांधी	16-04-1986
5. डी० राम सिंह	28-04-1986
<ol> <li>एम० हाजा मोहदीन</li> </ol>	04-06-1986
7. वी० माणि <del>का</del> म	04-06-1986
8. सी० एम० भ्र <del>ोज्ब</del> प्पन	05-06-1986
9. एम० कादर बाट्चा	11-06-1986
10. सी० वी० रामस्यामी	11-06-1986
(	कोयम्धतूर में धदली
	हुई है ।)
11. पी० म्नारुमुखम	13-06-1986
12. के० एम० भ्रुरुणाचलम	12-06-1986
13. जै० एल० चन्द्रशेखरण	18-06-1986
14. ए० रामन	16-06-1986
(कोयम	बत्तूर में बदली हुई है)
15. एन० सुन्नह्मण्यम	01-07-1986
16. ए० एस० मोहम्मद इन्नाहीम	02-07-1986
17. एस०  चिदम्बरम	03-07-1986
18 मार० न(रायणन	11-08-1986
19. के ब्रिजिली सिंह	29-09-1986

(3)
22-10-1986
21-11-1986
14-11-1986
05-12-1986
30-12-1986

राम प्रकाश उप समाहता (कार्मिक एव स्थापना)

# भ्राधिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्दणालय, देवास, दिनांक 26 भ्रप्रैल 1987

सं कि बी ए एन ० पी ० /सी ० / 5 / 87 - - विभागीय पदोन्नति सिमिति (समूह "ख") की सिफारिश पर श्री ए ० एन ० दातार, ग्रीभयन्ता (सिविल) को सहायक ग्रीभयन्ता (सिविल) के पद पर दिनांक 29-4-84 से स्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

मु०वै० चार महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षा का कार्यालय नई दिल्ली-110002, दिनांक 27 अप्रैल 1987

सं० 15-धा० ले० प० 1/27-77-- उदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक विणिज्यक लेखा परीक्षा (द्वितीय) कलकत्ता के कार्यालय में कार्यरत श्री एस० एन० बोत लेखा परीक्षा ग्रधिकारी (बा०) ग्रपनी प्रधिविष्ता ग्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31-3-87 ग्रपराह्म से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

सं० 14-बा० ले० प० 1/5-72--सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा-1, नई दिल्ली के कार्यालय में कार्यरत श्री घो० पी० मल्होत्रा, लेखा परीक्षा ग्राधकारी (वा०) ग्रपनी ग्राधिवार्षिता ग्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31-3-1987 (ग्रपराह्म) से सेशा निशृ ल हो गए हैं।

> डी० एन० भ्रानन्द सहायक नियंत्रक-महालेखा परीक्षक (वा०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम म० प्र० ग्वालियर, दिनांक 8 भप्रैल 1987 क्रमांक/प्रशासन II/समूह-ए/पदी०/ले० प० भ्र०/४---महा-लेखाकार (ले० प०) प्रथम ने निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा भिधकारी के पद पर वेतनमान ६० 2375-75-3200 द० रो०-100-3500 में उनके नाम के भागे दर्शाए गए कार्यभार ग्रहण करने की दिनांक से आगामी आदेश तक पदोन्नत किया है ।

कमांक नाम स्थायी कमांक कार्यभार ग्रहण करने की विनाक/पदोक्सति की दिनांक

सर्वश्री	01/		
1. बाई ० एन ० सिङ्गा	355	1-1-87	पूर्वाह्न
2. घार० के० गर्ग	443	1-1-87	"
<ol> <li>गोविन्दनरायण</li> </ol>	381	1-1-87	"
4. यू०स <i>ं</i> ० गुप्ता	383	1-1-87	"
5. जे०पी० सक्सेना (III)	406	5-1-87	1)
<ol> <li>एन० एल० चौघरी</li> </ol>	402	2-1-87	,,
7. <b>के० सी० व्रिपा</b> टी	407	5-1-87	11
8. जी <b>० जे० भा</b> ला	403	2-2-87	"
9. टी० के० एन० नेम्बिलन	411	13-2-87	"
10. एच० एन० सक्सेना	404	13-2-87	1)
11. के० जयरामन	412	16-2-87	"
12. ए ३० एन० िह	414	23-3-87	"
13. डी० वी० िंह	415	23-3-87	"
		्प्रोफार्मा पदोन्न(	स
(बेतवा रिवर बोर्ड झां	सी में प्रतिनि	नयुक्ति पर)	
14 प्रमुख सीव श्रीसास्त्रस	416	23-3-87	"

14. एम० बी० श्रीवास्तव 416 23-3-87 "

(प्राधिकार: महालेखांकार (ले० प०) प्रथम के भादेश दिनांक 1-1-87, 19-1-87, 12-2-87 20-3-87) (ह०) प्रपटनीय

उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) राजस्थान जयपुर, दिनांक 27 म्रप्रैल 1987

क्रमांक :---प्रशासन -1(ले॰ प॰) /पी॰ 13044/78---महालेखाकार (लेखापरीक्षा) राजस्थान, जयपुर निम्न-लिखित सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न लेखा-परीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न लेखा-परीक्षा अधिकारी (ग्रुप "बी" राजपन्नित) के पदों पर जिसका वेसनमान ६० 2375--75-3200--द० ग्र॰-100-3500

हैं, प्रस्येक के	सम्मुख नि	र्दिष्ट :	तिथियों	से मागामी भादेशो	तक
के लिए सहर्ष	पदोन्नत	करते	है :		

ऋ०सं० नाम	पदोन्नति की तिथि
सर्वश्री  1. श्याम मुन्दर श्रग्रवाल  2. शान्ती लाल महनोत  3. मनोहर लाल गुप्ता	27-2-87 (पूर्वाह्न) 31-3-87 (पूर्वाह्न) 14-4-87 (पूर्वाह्न)

हस्ता**क्षर श्रपठ**नीय

उप महालेखाकार (प्रशा०)

कार्यालय महालेखाकार, (लेखा०) प्रथम, उत्तर प्रदेश इलाहाबाद, दिनांक 15 स्रप्रैल 1987

सं० ए० जी०—I/प्रशा०/13—7/80—— निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा ग्रधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा ग्रधिकारी के पद पर उनके सामने लिखित तिथि से नियुक्त किया है:—

नाम	नियुक्ति की तिथि
मर्वश्री—	
1. प्रताप सिंह	23-2-1987
2. वेद प्रकाश श्रशेड़ा	23-2-1987
<ol> <li>राम वृक्ष लाल श्रीवास्तव</li> </ol>	12-3-1987
4. हरि बहादुर वर्मा	28-2-1987
5. वीरेन्द कुमार शर्मा	27-3-1987
6. ग्रोम नारायण वर्मा	27-3-1987
7. दया शंकर मिह—-2	30-3-1987
<ol> <li>दया राम गुप्ता—2</li> </ol>	27-3-1987

मं० ए० जी० (लेखा०) $^{I}$ /प्रणा०/13-7/80—निम्न-लिखित परीक्षा प्रधिकारी नवर्तन की ग्रायु प्राप्त कर उनके सामने लिखित तिथि से सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए हैं:---

नाम	ाम तिथि	
1	2	3
सर्वश्री <b></b>	<del></del>	
<ol> <li>ग्रार० एन० गृप्ता</li> </ol>	31-1-87 <sup>१</sup> (भ्रप०)	महालेखाकार (ले०प०) 1 उ० प्र०
2. कपूर जन्द श्रीवास्तव	31-1-87 (भ्र <b>प</b> ०)	त <b>दैव</b> -
3. जय कृष्ण खन्ना	31-1-87 (भ्रप०)	- <del>-</del> तदैव
4. योगा नन्द दसा	31-1-87 (म्रप०)	म०ले० (ले०प०)2 उ० प्र०

1	2		3
 सर्व	श्री	, <u> </u>	
5. <b>ब</b>	लवन्त सिंह्	31-1-87 (भ्रप०)	म० ले० (ले०प०) 2 उ०प्र०
6. 鞆	ल्याण कुमार घटर्जी	31-1-87 (श्रप०)	त <b>दैव-</b>
7. र	धिक्याम राग	31-3-87 (म्रप०)	—तदैव—

पी० के० मुखोपाध्याय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) राजस्थान जयपुर, दिनांक 27 श्रप्रैल 1987

क्रमांक प्रणासन—I (ले॰ प॰)/पी॰ 13044/78— महालेखाकार (लेखापरीक्षा) राजस्थान, जयपुर निम्नलिखित श्रमुभाग श्रिधिकारियों को स्थानापन्न महायक लेखापरीक्षा श्रिधिकारी (ग्रुप "बी" राजपित्रत) के पदौं पर,जिसका वेतनमान रु॰ 2000— 60—2300 द॰ श्र॰-75—3200 है, प्रत्येक के सम्मुख निर्विष्ट तिथियों से श्रागामी श्रादेशों तक के लिए सहर्ष पदोन्नत करते

ऋमांक नाम	पदोन्नति की निर्थि
1. कालू राम	15-4-87 पूर्वाह्म
2. ग्रज्ञेमल सिह	15-4-87 पूर्वीह
<ol> <li>राम भ्रवतार नैनकवाल</li> </ol>	15 <b>4-87 पूर्वाह्न</b>
4. मूल चन्द वर्मा	15-4-87 पूर्वीह्न
5. मूल <b>च</b> न्द गर्ग	15487 पूर्वाह्म
6. ईश्वरी प्रसाद गुप्ता	15-4-87 पूर्वीह्न
7. होती लाल	15-4-87 पूर्वाह्न
8. पारस मल सोनी	15-4-87 पूर्वीह्न
9. नरेन्द्र मोहन स्नेही	15-4-87 पूर्वाह्न

(ह०) भ्रयठनीय उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा)—-प्रथम, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता-700001, दिनांक 27 अप्रैल 1987

और स्थानापन्न रूप से (धर्ग-क्व-राजपितत-2000-60-2300-दक्षता रोध-75-3200 रुपए वेतनमान पर) सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त करने की कृपा की है ।

- 1. श्री तपन कुमार नाग
- 2. श्री चन्द्र शेखर बनर्जी

ये पदोन्नतियां माननीय केन्द्रीय प्रशासनिक द्रिब्यूनल वलकक्ता में लम्बित रिट याचिका के श्रन्तिम निर्णय के श्रधीन है ।

श्रिधिकारियों को 2ख के शतिनुसार भारत सरकार गृह मंत्रालय के ज्ञापन दिनांक 26-9-81 से एक माह के भीतर श्रपना वेतन 22(क)(1) के श्रन्तर्गत पदोश्रति के तारीख के दिन मे श्रीर फिर उसके बाद मूल नियम 22(ग) के श्रन्तर्गत नीचे के पद पर श्रागामी वेतन वृद्धि के तारीख के दिन से या सीधे पदोश्रति के तारीख के दिन से निर्धारण के लिए विकल्प दे सकते हैं।

> सनत कुमार मिश्र वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

# वस्त्र मंत्रालय

# वस्त्र भायुक्त का कायलिय

बम्बई-20, विनांक 29 ग्रप्रल 1987

नियंत्रित वरत्न (उत्पादन तथा वितरण) अधिसूचना, 86 सं० सी० ई० धारं० (13)/87-सी० एल० बी०--वस्त्न (नियंत्रण) आदेश, 1986 के खण्ड 16, 17 तथा 18 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा निम्न श्रिधसूचना जारी करता हूं .---

# भाग---।

- 1. मंक्षिप्त नाम, सीमा एवं प्रयुक्ति
- (1) यह प्रधिसूचना "नियंत्रित वस्त्र (उत्पादन तथा वितरण) प्रधिसूचना, 1986 कहलाएगी ।
- (2) यह श्रिधसूचना पूरे भारत में लागू होगी।
- (3) यह सरकारी राजपत्न में प्रकाशित होने की तारीख से प्रभाव में फ्राएगी ।
- वस्त्र (नियंत्रण) श्रावेण, 1986 के भन्तर्गत जारी हुई निम्न श्रिधसूचनाएं रद्द की जाती हैं.—
  - (एक) सी० ई० म्नार०/7/86 सी० एल० बी, दिनांक 26-6-1986 ।
  - (दो) सी० ई० भार०/9/86 सी० एल० बी०, दिनांक 29-7-1986 ।

वे प्रधिसूचनाएं जो इस के द्वारा रह की गई है उनके श्रन्तर्गत जो भी श्रादेश दिए गए, श्रधिकार प्राप्त हुए, दण्डित हुए या भ्रन्य कोई कार्य किया या किया हुन्ना भाना गया वे सब इस भ्रक्षि-सूचना से सम्बन्धित उपवन्ध्रों के झन्तर्गत जारी किए गए, प्राप्त हुए, दण्डित हुए, माने जाएंगे ।

- 3 (एक) राष्ट्रीय वस्त्र निगम (जिसे ग्रागे से एन० टी० पी० कहा जाएगा) द्वारा उत्पादित तथा इस ग्रिधसूचना के प्रकाशन पर पैक की गयी 'नियंत्रित धोती, नियत्रित साड़ी, नियंत्रित लॉग क्लॉथ तथा नियंत्रित पॉलिएस्टर संमिश्र ग्राटिंग का ग्रिधक्तम एक्सफैक्ट्री मूल्य, एन० टी० सी० की प्रति चंत्रस मीटर लागत होगा जिसकी फैलावट सरकार मान्य फार्मूले के प्राधार पर होगी जिससे उत्पादन में गामिल होने वाली मिलो की वास्त्रविक क्षमता का उपयोग, वास्त्रविक ब्याज तथा मिलों के निर्लाभ को ध्यान में रखा गया है तथा जिसमें नियंत्रित धोती तथा नियंत्रित माडी के लिए प्रति चौरस मीटर रू० 1.50 घटा हुम्रा होगा। नियंत्रित पॉलिएस्टर संमिश्र गाँटेंग के मूल्य सरकार द्वारा समय-समय पर निश्चित किए ग्रुप्त चौरस होंगे।
- (दो) द्वितीय श्रेणी के वस्त्रों का ग्रधिकतम एक्स फैक्ट्री मूल्य उपरोक्त एक्स-फैक्ट्री मूल्य में 10०/० (दस प्रतिशत) कम होगा । शब्द द्वितीय श्रेणी के वस्त्रों से तात्पर्य वही है जो उपरोक्त नियंत्रण श्रादेश के उपबन्ध के खण्ड-17 के श्रधीन जारी श्रधिस्चना में परिभाषित है ।
- (तीन) 1-7-81 को या उसके बाद पैक किए गए बस्त्र की उपरोक्त िलमों के उपभोक्ता मूल्य, सूती तपड़े के बस्त्र के मामले में उपरोक्त खण्ड (एक) या (दो) के प्रमुख्य निष्चित एक्स-फैक्ट्री पर 15% तथा पॉलिएस्टर सूती प्रार्टिंग के मामले में 20% (ग्रम्थायी ) होंगे तथा जिसमें केन्द्रीय उत्याद नियम 1944 के प्रधीन उत्पाद शुल्क तथा उस समय प्रभाव में होने वाले कानून के ग्रन्तगंत लगाए गए केन्द्रीय शुल्क की रकम जोड़ी जाएगी ।

#### भाग-11

नियंद्रित वस्त्र की किस्से तथा जातिगत विवरण इस प्रधिसूचना के प्रयोजन हेतु .—

- 4 नियंत्रित घोती/नियंत्रित साड़ी/नियंत्रित लट्टा/नियंत्रित पॉलिएस्टर मंमिश्र शर्टिंग के मद (बी), (सी) तथा (डी) में दिए गए ग्रलग-ग्रलग जातिगत मदों के ग्रलाबा निम्न जाति-गत त्रिवरण एक समान होंगे ।
  - (एक) भ्रौसन काउंट 40.49 काउंट से भ्रधिक न हो।
  - (दो) सादी बुनावट हो।
  - (तीन) ताने तथा पेटे के धागो के काउंटो में 8 काउंट से ज्यादा अन्तर न हो ।
  - (चार) किनारीवाली साड़ी, धोती को छोड़कर प्रत्येक नियंत्रित बस्त्रकी एक किनारी में ताने के दो धाँग पक्के लाल रंग में रंग हुए बुने गए हों।

परन्तु यह तभी हो जब कि ऐसे रंगीन धार्ग अपि-यंद्रित वस्त्र में च डाले गए हों।

टिप्पणी:---उपरोक्त प्रयोजन के लिए प्रयोग में लाए गए दो रंगीन धागे सामान्य तया नेप्यॉल लाल रंग में रंगे गए हों। छपे हुए रंगीन या ग्रन्य किसी रंग में रंगे हुए कपड़ों में बुने जाने वाले किनारी के दो धागे किसी भी विषम रंग में हो सकते हैं। किन्सु वे स्पष्ट रूप से दिखायी दे।

- (पांचा) संमिश्र पॉलिएस्टर शिंटिंग को छोड़कर पूर्णरूप से कपास से निर्मित हुए हों।
- (छ) रीड व पिंक के बीच का म्रन्तर चार से मधिक हो तथा पिंक 40 से कम हों!
- (सात) उपरोक्त वस्त्रों में उपयोग में लाए गए रंग धुलाई के पक्के हों ।

# बी नियंत्रित धोती :

- (क) उपरोक्त (ए) के म्रितिरिक्त यह कोरा या धुला हुमा वस्त्र होगा जो सामान्यतः उसी नाम से जाना जाता हो । मर्सराईज हो मथवा नहीं तथा जिसकी किनारी व सिरे सफेद या रंगीन घागों से बने हुए हों ।
- (ख) पना 104 से 122 सें ० मी ० के बीच हो । सी ० नियंत्रित साड़ी :
  - (क) उपरोक्त (ए) के म्रतिरिक्त यह कोरा या धुला हुम्रा वस्त्र होगा जो सामान्यतः उसी नाम से जाना जाता हो । मर्सराईजड हो म्रथवा नहीं ।
  - (ख) जिसकी किनारी तथा सिरों में रंगीन या सफेद धागे बुने हुए हों।
  - (ग) पना 104 से 122 सें ० मी० के बीच हो।
  - (ष) इसमें छपी हुई मलमल तथा छपी हुई बाँयल सम्मिलित हैं जिसकी लम्बाई प्रति नग 5 मीटर से कम नहीं हो ।
- हिप्पणी: छपी हुई मलमल तथा छपी बॉयल से तारपर्य सावा खुनाबट के उस बस्त्र से है जिसकी किनारी ब सिरे छपे अथवा बिना छपे हुए हों तथा जिनके ताने का धागा 28 काउंट से कम न हो और जो पांच मीटर 5 1/2 मीटर की साड़ी लम्बाई में कटा हुआ हो उस दशा में प्रति नग उपभोक्ता कीमत अंकित की जाएगी ।

# डी नियंत्रित लॉग क्लाथ :

- (क) उपरोक्त (ए) में वर्णित मतिरिक्त कोराया भ्रुला हुम्रा यारंगा हुम्रा कपड़ा जो मर्सेराईज या प्रिश्नंक हो यान हो तथा
- (खा) जिसकापना 84 से०मी० ने 120 से०मी० के बीच में हो (दोनों शामिल)

द नियंत्रित धुले हुए/रंगे हुए/छपे हुए पॉलिएस्टर रुई संमिश्र शटिंग निम्न बुनावट विवरण के होंगे :

ताना—38 काउंट बाना—42 काउंट रीड—72 पिक्स—68 प्रति इंच फिनिश पना—89 से० मी०

मिश्रण मनुपात : रुई 52%; पालिएस्टर 48% धुने हुए गटिंग मंकित किया जाने वाला उपभोक्ता मृल्य रु० 10.50 प्रति मीटर भीर रंगी हुई किस्मों के लिए रु० 11.50 तथा छपी हुई किस्मों के लिए रु० 12/→ प्रति मीटर होगा।

# भाग--- 3

# नियंत्रित वस्त्र का उत्पादन :

5. राष्ट्रीय वस्त्र निगम सिंहत कोई भी व्यक्ति वस्त्र ग्रायुक्त की लिखित भनुमित के बिना नियंत्रित वस्त्र का उत्पादन तथा/या विभायन नहीं करेगा ।

# भाग--- 4

नियंत्रित वस्त्र पर ग्रंकन एवं स्टैम्पिना

उपरोक्त खण्ड तीन के अनुसार निश्चित किया गया प्रति मीटर उपभोक्ता मृत्य उत्पादक द्वारा मीटर के हिसाब से बिकने वाले नियंत्रिन वस्त्र की ऊपरी तह तथा किनारी पर प्रत्येक एकांतर मीटर पर देवनागरी लिपितथा अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में श्रीकित किया जाएगा (लाल रंग/स्याही) ! नियंत्रित धोती तथा नियंत्रित साड़ी जब वे ्क नगया जोड़ी में पैक की गयी हो तब उनके अन्त में भी देवनगारी लिशि और अंगेजी में निम्न खण्ड 8 में विहित के अनुसार श्रंकन किया जाएगा ।

- 7. इसके अतिरिक्त निम्न ग्रंकन, उत्पादक द्वारा नियंक्रित वस्त्र के प्रत्येक थान की ऊपरी तह पर देवनागरी लिपि या अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में किए जायेंगे।
  - 1. उत्पादक का नाम
  - उपरोक्त खण्ड 4 में वी गयी परिभाषा भनुसार किस्मों का विवरण जैसे "नियंत्रित घोती " "नियंत्रत गर्टिंग" भादि ।
- 3. उत्पादक द्वारा विया गया किस्म का अनुक्रमांक । टिप्पणी :---
  - (1) नीचे विए गए प्रपत्न (ए)में निर्माता द्वारा प्रत्येक किस्म पर श्रंकित "किस्म ग्रनुक्रमांक" दर्ज किया जाए। ग्रनुक्रमांक विया जाए ।
  - (2) किसी एक श्रनुक्रमांक की किस्म का उत्पादन बन्द होने पर यह श्रनुक्रमांक श्रन्य किस्म पर न दिया जाए ।
  - 4. जिस वस्त्र में तामे धौर बाने में सिर्फ कोम्ब यार्न का उपयोग किया हो उस पर "सम्पूर्ण कोम्ब धागे से निर्मित"

- 5. पैकिंग का माह एवं वर्षे
- 6. लम्बाई मीटर में तथा पना से ० मी ०
- 7. जब वस्त्र श्रंगतः रुई तथा श्रंगतः रुई के श्रलावा किसी श्रन्य रेगों से निर्मित हुआ हो तो वस्त्र में प्रयुक्त रेगों के विभिन्न मिश्रण का सही श्रनुपात के साथ "संमिश्र वस्त्र" का श्रंकन निम्न प्रकार से "समिश्र वस्त्र" 52% रुई 48% पालिएस्टर"
- टिप्पणी:—(1) उपरोक्त मनुसार नियंत्रित वस्त्र पर किया जाने बाला शंकन जब वस्त्र के थान की लम्बाई 20 मीटर या उससे ज्यादा हो तब या तो उसके बोनों सिरों पर प्रथवा श्रन्य वस्त्र की चिंदी पर शंकन करके श्रनगट्कड़े पर जो बोनों सिरों पर सुरक्षित रूप से टाक दिया जाए। यदि कपड़ा किताबी तह में लपेटा (बुक फोल्ड) गया हो तो उपरोक्त शंकन सिर्फ उपरी तह पर किया जाएगा।
  - (2) जहां थान दो हिस्सों में हो तब उपरोक्त अनुसार ऊपरी सह पर किए गए श्रंकन के श्रीतिरिक्त निम्न श्रंकन टुकड़ों के श्रन्तिम सिरों पर किया जाएगा। जहां ऊपरी सह टुकड़ों का हिस्सा न हों।
  - (क) निर्माता का नाम
  - (का) निर्माता द्वारा दिया गया "किस्म का प्रनुक्रमांक" ऋ० संख्या के बाद
  - (ग) पैकिंग का माह एवं वर्ष
  - (घ) "विभक्त पीस"
  - (3) श्रीकन के लिए पैकिंग का माह निम्म संक्षिप्स अक्षरों में दिया जाएगा ।

FOR	ABBREVIATIONS
January	JANY
FEBRUARY	FEBY
AUGUST	AUGT
SEPTEMBER	SEPT
OCTOBER	ACTR
NOVEMBER	NOVR
DECEMBER	DECR

(4) पैकिंग का वर्ष निम्न संक्षिप्त ग्रंकों में दिया जाएगा ।

# 1986 के लिए संक्षिप्त ग्रंक "86"

- 8. 1. इकाई या जोड़ी में पैक की गयी "नियंत्रित धोती" या "नियंत्रित साड़ी के" प्रतिरिक्त प्रत्य नियंत्रित बस्त्र पर खण्ड 7 में बिहित प्रंकन के ध्रतिरिक्त निम्न श्रंकन भी किए जायेंगे जैसे कि:----
- (एक) उपरोक्त खण्ड---7 के धनुसार किए गए ग्रंकन के ठीक नीचे "प्रति मीटर उपभोक्ता मूल्य" शब्दों

- में भौर प्रति मीटर उपभोक्ता मूल्य की रकम अंकों में एवं "चुंगी" श्रतिरिक्त ।
- (दो) प्रत्येक मीटर पर किनारे में 2.54 से०मी०की अंचाई पर उपभोक्ता मूल्य प्रति मीटर तथा प्रति मीटर उपभोक्ता मूल्य की रकम शंकों में एवं "चुंगी" श्रतिरिक्त ।
- इकाई या जोड़ी में पैक की गई ृनियंतित धोती "या" नियंतित साड़ी पर उपरोक्त खण्ड-6 के झनुसार किए जाने वाले झंकन के झतिरक्त निस्न झंकम भी किए जायेंगे झर्थात् जैसे कि,
- (क) जोड़ी में पैक की गई हो तब उपरोक्त खण्ड—7 के अनुसार किए गए अंकन के ठीक नीचे "प्रति मग उपभोक्ता मूल्य" शब्द और प्रति नग उपभोक्ता मूल्य की रकम श्रंकों में एवं "चुंगी" श्रतिरिक्त शब्द/दूसरे नग के अन्तिम सिरे पर किनारी से 2.54 से० मी० की उंचाई पर "प्रति नग उपभोक्ता मूल्य" शब्द और उपभोक्ता मूल्य की रकम अंकों में एवं "चुंगी" अतिरिक्त ।
- (क) इकाई में पैक की गयी हो तब उपरोक्त खण्ड-7 के धनुसार किए गए अंकन के ठीक नीचे "प्रति नग उपभोक्ता मूल्य" शब्द और प्रति नग उपभोक्ता मूल्य की रकम अंकों में एवं "चूंगी" प्रतिरिक्त ।
- 3. अंकन के उपरोक्त निर्वेशों के भ्रनुसार द्वितीयं श्रेणी सैकण्ड्स के वस्त्र पर, सैकण्ड्स शब्द एवं नीचे की टिप्पणी के भ्रनुसार कूते गए दितीय श्रेणी के वस्त्र के उपभोक्ता मूल्य की रकम अंकित की जायेगी।
- टिप्पणी: --- (एक) उपरोक्त मद के लिए उपभोक्ता मूस्य से तात्पर्य धोती प्रथया साड़ी के प्रति नग खुदरा मूल्य से तथा धोती एवं साड़ी के प्रतिरिक्त वस्त्र के लिए प्रति मीटर खुदरा मूल्य से होगा जिसमें देय उत्पाद शुल्क शामिल होगा लेकिन चुंगी यदि देय हो, तो शामिल नहीं होगी ।
  - (दो) द्वितीय श्रेणी सैकण्डम वस्त्रों का उपभोक्ता मूल्य जो अंकित किया जाना है वह खण्ड---3 के निर्देशों के श्रनुसार कूता गया खुदरा मूल्य होगा जिसमें उत्पाद शुक्क शामिल होगा लेकिन चुंगी यदि देय हो तो शामिल नहीं होगी ।

#### भाग--5

# नियंत्रित कपड़े की विक्री एवं प्रदान

9. वस्त्र झायुक्त की लिखित अनुमति बिना राष्ट्रीय वस्त्र निगम, नियंत्रित वस्त्र का उत्पादन करने वाला कोई भी उत्पादक अपने द्वारा उत्पादित किसी भी नियंत्रित वस्त्र की बिकी या प्रदान वस्त्र झायुक्त के द्वारा की जाने वाली निर्विष्ट शतौं तथा ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों को छोड़कर नहीं करोगा ।

10. (एक) श्रपने प्रमाणित उपभोग के श्रतिरिक्त कोई भी व्यक्ति बिना सुयोग श्रधिकारी की लिखित श्रनुमति श्रथवा नियुक्ति के नियंत्रित वस्त्र का एक स्थान मे दूसरे स्थान पर पश्चिहन नहीं करेगा ।

स्पष्टीकरण :--उपरोक्त खण्ड के लिए सुयोग श्रधिकारी से तात्पर्य वस्त्र श्रायुक्त या राज्य सरकार श्रथवा केन्द्रीय शासित प्रदेश के नागरी श्रापूर्ति विभाग में नियंत्रित वस्त्र के वितरण से संबंधित श्रधिकारी से हैं।

(दो) वस्त्र श्रायुक्त श्रथवा राज्य सरकार या केन्द्र प्रशासित प्रदेश की सरकार की पूर्व श्रनुमित के बिना कोई नियंत्रित वस्त्र का परिवाहक भेजने वाले की लिखित श्रनुज्ञा में निर्दिष्ट व्यक्ति को छोड़कर नियंत्रित वस्त्र का प्रदान किसी श्रन्य व्यक्ति को नहीं करेगा ।

#### भाग छः

# बिक्री प्रणाली

- 11. नियंत्रित वस्त्र का उत्पादन करने वाला प्रत्येक उत्पादक इस श्रादेश की तारीख तक जमा तथा उसके बाद उत्पादित नियंत्रित वस्त्र का कुल स्टाक वितरण की निम्न पांच प्रणालियों को प्रदान करेगा। प्रदान श्रथवा बिकी किए जाने वाली किस्मों का परिमाण वस्त्र श्रायुक्त के समय-समय पर जारी किए जाने वाले ग्रादेशों के ग्रनुसार होगा। निम्न वितरण प्रणालियों को किया जायेगा जैसे कि:
  - (1) छोटे म्रर्ध शहरी/ग्रामीण इलाकों में मिल की निजी खुदरा या ग्रिधिकृत खुदरा दुकानें ।
  - (2) सहकारी क्षेत्र में सुपर बाजार ।
  - (3) राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ तथा उनसे संबंधित सहकारी संस्थाओं की श्रंखला ।
  - (4) संबंधित राज्य सरकार द्वारा मास्य उचित दामों की दुकानें तथा
  - (5) समय-समय पर संबंधित राज्य सरकार प्रथवा वस्त्र श्रायुक्त द्वारा निर्दिष्ट सहकारी ग्रन्य एजेंसी ।

# स्पष्टीकरण:--

- (एक) ''ग्रामीण इलाका'' से तात्पर्य है जहां की श्राबादी 1981 की जनगणना के श्राधार पर 10,000 से ज्यादा नहीं है ।
- (दो) श्रर्ध शहरी इलाके से तात्पर्य उस शहर से हैं जहां 1981 की श्राबादी 1981 की जनगणना के श्राधार पर 10,000 से श्रधिक परन्तु 50,000 से कम हैं।

# भाग--सात

- 12 विवरणी एवं फार्म
- (एक) राष्ट्रीय निगम सहित नियंतित वस्त का प्रत्येक उत्पादक वस्त्र क्रायुक्त, न्यू सी० जी० ओ० बिल्डिंग, चर्च गेट, बम्बई-20 तथा उनके क्षेत्रीय कार्यालय जिसके ग्रधिकार क्षेत्र में वह ग्राता हो । वह दिनांक 1--7-81 के बाद श्रपने द्वारा निर्मित एवं पैक किए नियंत्रित वस्त्र की सत्य एवं सही जानकारी यहां संलग्न फार्म-ए में प्रस्तुत करेगा ।
- (दो) मूल्य संशोधन की प्रत्येक प्रविध में समान प्रनुक्रमांकवाली किस्मों के लिए उपरोक्त फार्म में
  जानकारी प्रगले माह की दस तारीख तक प्रस्तुत
  की जाएगी । जब कभी निर्माता द्वारा ध्रनुक्रमांक
  वाली किस्म जारी की जाए तब उसकी जानकारी
  फार्म "ए" में जारी किए जाने वाले माह से भ्रगले माह
  के दस दिन के भ्रन्दर प्रस्तुत की जाएगी ।

गोविंद स्वरूप श्रतिरिक्त वस्त्र ग्रायुक्त

फार्म "ए"

मिल उत्पादन की प्रत्येक किस्म के बारे में वस्त्र ग्रायुक्त को प्रस्तुत किया जाने वाला फार्म ।

मूल्य निर्धारण की तिमाही :

मिल कानाम :

## स्थान :

- (ए) वस्त्र पर अंकित मिल की क्रम संख्या (बी) कोड नम्बर:
- 2. वस्त्र का पूर्ण विवरण (फिनिश श्रवस्था में)
- 3. विवरण लूम स्टेट केलेंडर **किया हुआ** तथा/या फिनिशे
- 1. पना से० मी० में
- 2. लम्बाई मीटर में
- 3. वजन किलोग्राम में
- 4. रीड प्रति इंच (2.34 से० मी)
- 5. पिक्स प्रति इंच (2,54 से॰ मी॰)
- 6. औसत काउंट (अंग्रेजी काउंट)
- 7. **रीड** स्पेस से० मी० मे
- 8. मीटर में टेप लम्बाई
- 9. ो संख्या कोरा धुलाहुआ रंगीन (एक) ताने में
  - (दो) बाडर में
  - (तीन) किनारी में

10. धार्गों ••••	का वास्त्रवि	कि बजन	•		
यर्णन	काउंट्		धागों क	वास्त	विकानिमार्क
			वास्तवि	क हिस	ाबी
फ्रेच	काउंट	समरूप	वजन	(	वेस्ट
		अयेजी	काउंट	जोड़े	बिना)
(1) (	2)	(3)		(4)	(5)

- 1. वार्ष/ताना
- 2. वेफ्ट/बाना
- बार्ट √िकनारी
- 4. विशिष्ट धार्गे (यदि प्रयुक्त हो)
- मिश्रण प्रतिणत (पुर बस्त्र में) संमिश्र शर्टिंग के मास्त्रे में
- 11. सेंटीमीटर तथा इंच में बार्डर की चौहाई ।
- 12. छपे हुए बस्त्र के मीमल में ---(एक) प्रयुक्त रंगों की संख्या : (दो) छापे गए क्षेत्र का प्रतिगत
- 13 किस्म की पैकिंग शुरू करने की तारीख
- 14. मृल्य की फैलावट : ऋम संख्या , कोड संख्या : विवरण ,
- 14. (ए) एक्स फैक्ट्री मूल्य/प्रति नग/प्रति मीटर
  - (बी) खुदरा मूल्य/प्रति नग/प्रति मीटर
  - (सी) उत्पाद शुल्क/प्रति नग/प्रति मीटर
  - (डी) श्रधिकनम उपभोक्ता मूल्य
  - (ई) पूर्ण किए गये पैमों में (जब मीटर के हिसाब से बिकी) ध्रथवा नजदीकी पांच पैसों में (जब प्रति नग के हिसाब से बिके)

मिल प्रबन्धक/मचिव के हस्ताक्षर

स्थान : दिनांक :

> औद्योगिक विकास विभाग विकास ऋायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 23 ऋप्रैल 1987

मं० ए-19018(753)/84-प्रशा० (राज०)--कृषि तथा सहकारिता विभाग मे भारतीय श्रायिक सेवा के ग्रेड--11 में नियुक्ति होने के कारण, विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) कार्यालय, नई दिल्ली के उप निवेशक (भ्रार्थिक भ्रन्वेषण) श्री पी० एन० राममूर्ति ने 17 मार्च 1987 से भ्रपने पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

> सी० सी० राय , उप निदेशक (प्रशासन)

# पूर्ति तथा निपटान महानिवेशासय

(प्रशासन श्रनुभाग--6)

नई दिन्ती-110001, दिनांक 27 म्राप्रैल 87

मं० 17011/318/86 प्र-6--संघ लोक सेवा धायोग द्वारा ली गंगी इंजीनियरी सेवा परीक्षा 1984 के परिणाम के आधार पर राष्ट्रपति श्री राधे ध्याम पांडे को 30 मार्च 1987 के पूर्वाह्म से ध्रागामी ध्रादेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण मेवा के समूह "क" में इंजीनियरी शाखा के ग्रेड-III के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री राधे क्याम पांडे ने दिनांक 30-3-87 (पूर्वाह्म) को पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में महायक निरीक्षण निदेशक/निरीक्षण ग्रिधकारी (इंजी०) के पद का कार्यभार ग्रहण कर निया है। वह नियुक्ति की तारीख मे 2 वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे ।

सं० ए-17011/312/86/प्र-6--संघ लोक सेवा ध्रायोग की सिफारिश पर, राष्ट्रपति, श्री भ्रार० के० भ्रम्रवास को दिनांक 2-2-87 के पूर्वाह्म से भ्रागामी श्रादेशों तक, भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के इंजीनियिंग शाखा में सहायक निदेशक, निरीक्षण/निरीक्षण श्रधिकारी (इंजीनियरिंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री श्रार० के० श्रग्रवाल ने इस कार्यालय के मुख्यालय में दिनांक 2-2-87 (पूर्वाह्म) से सहायक निदेशक, निरीक्षण/ निरीक्षण श्रिधकारी (इंजीनियरिंग) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।
- 3. श्री श्रग्रवाल दो वर्ष की श्रवधि के लिए परिवीक्साधीन रहेंगे ।

स्रार० पी० शाही उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 23 श्रप्रैल 1987

सं० 2817बी/ए-32013(व० प्रणा० श्रिधि०)/82-19ए---गष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रणासनिक ग्रिधिकारी श्री एस० के० महंता को विरष्ठ प्रणासनिक ग्रिधि-कारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 3000-4500 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन कमता में, आगामी आदेश होने तक 20-3-87 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे है।

सं० 2835वी/ए-19011 (1-जी० जी०)/86-19ए---राष्ट्रपति जी श्री घनश्याम गोनाडे को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण मे 2200-75-2800 द० रो०-100-4000 रु० के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर स्थानापन्न -क्षमला में झागामी झादेश होने तक 19-3-87 के पूर्वान्न से नियुक्त कर रहे हैं।

> ग्रमित कुशारी निदेशक (कार्मिक)

कलकसा-700016, दिनांक 27 भ्रप्रैल 1987

सं० 2912की/ए-19011(1-व० उपमहानिषे०(का०)/
-86-19ए--राष्ट्रपति जी श्री डी० के० गुप्ता, ग्रायुक्त,
ग्रायकर (स्तर-I) को वरिष्ठ उप महानिदेशक (कार्मिक)
के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सामान्य नियमानुसार 5900-200-6700 ए० के वेतनमान के वेतन पर,
प्रतिनियुक्ति पर, श्रागामी ग्रादेश होने तक 16-4-87 के
भपराक्ष से नियुक्त कर रहे हैं।

एन० के० मुखर्जी वरिष्ठ उपमहानिदेशक (प्रचालन)

# भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 30 भ्रप्रैल 1987

सं० सी-20/579-ए--श्री ययाम लाल कर्मा, जिन्हें -स्थापना एवं लेखा-श्रिकारी (सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रूप "बी") के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया था, की 17 मार्च, 1987 से उक्त पद पर पृष्टि की जाती है।

गिरीश चन्द्र भ्रश्रवाल, मेजर जनरल, भारत के महासर्वेक्षक

# परमाणु-ऊर्जा विभाग क्रम्य और भंडार निवेकालय

बम्बई--400 085, दिनांक 15 भ्रप्रैल 1987

सं० क भ नि/2/1(29)/83-प्रशा०/18186-परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भड़ार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी श्री एम० ग्रार० वैद्य को इसी निदेशालय में विनाक 1 अप्रैल 1987 पूर्वाह्म से श्रगलेश्वादेश होने तक 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 क्पए के नेतनमान में सहायक भंडार श्रीकारी के पद पर श्रस्थायी तौर पर स्थानापन रूप से नियुक्त किया है ।

# दिनांक 24 ग्रप्रेल 1987

सं० ऋभिति/2/1(26)/83-प्रशा०/19686--परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋष और भड़ार निदेशालय के निदेशक ने ऋष सहायक श्री मी० शिवराज को इसी निदेशालय में दिनाक 1 स्प्रील 1987, पूर्वीह्म से अगले आदेश होने तक रुपए 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 के वेतनमान में सहायक ऋष अधिकारी के पद पर स्रस्थायी तौर पर स्थाना-पन्न रूप से नियुक्त किया है।

बी० जी० कुलकर्णी प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिज़लीधर टी॰ ए॰ पी॰ पी॰-401504 विनोक 16 ग्राप्रैल 1987

सं० टी० ए० पी० एस०/1/57/86-श्रार--मुख्य प्रधीक्षक, तारापर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री एन० श्रीनिवासन, न्यूं क्लियर विद्युत बोर्ड में स्थायी विश्व श्रीशृलिपिक और मद्रास परमाणु बिजलीघर में स्थानापन्न सहायक कार्मिक प्रधिकारी को दिनांक 8-4-1987 की पूर्वाह्म से अगले भादेशों तक के लिए तारापुर परमाणु बिजलीघर में स्थाना-पन्न प्रशासनिक भ्रधिकारी-II के तौर पर नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन मुख्य प्रशासनिक श्रधिकारी

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 29 **प्रप्रै**ल 1987 **गुहि-**पत्र

सं० ए० 31014/2/81-प्रशासन-I-- इस निदेशालय की 30 जुलाई, 1985 की प्रधिसूचना संख्या ए-31014/ 2/81-प्रशासन-I मे--

3-1-1979 के स्थान भार 12-1-1982 पढ़ें। पी० के० घई उप निदेशक प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

> निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई बिल्ली, दिनांक 30 श्रप्रैल 1987

संव 1/384/69-ई० सी० 9--इस विभाग के तकनीकी ग्रिधिकारी श्री एम० एल० मोटा, महायक वास्तुक वार्धक्य की ग्रायु प्राप्त करने पर 30 ग्रप्रैल, 1987 (ग्रपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त होते हैं। सं० 1/73/69-ई० सी०-9--इस विभाग के तकनीकी भ्रिष्ठिकारी श्री बी० के० दार, सहायक व्यक्तुक वार्धक्य की श्रायु श्रीप्त करने पर 30 श्रील, 1987 (श्रीपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत होते हैं।

सं० 1/29/69-ई० सी० 9--इस विभाग के तकनीकी प्रधिकारी श्री जी० एस० भोगल, तकनीकी प्रधिकारी वार्धकंथ की श्राय प्राप्त करने पर 30 प्रप्रैल, 1987 (श्रपनाह्म) को सरकारी सेवा से मिवृत होते हैं।

पृथ्वीपाल सिह प्रशासन उपनिदेशक उद्योग तथा कम्पन। कार्य मंद्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनियों के रिशस्ट्रार का कार्यालय
कम्पनि ग्रिधिनियम 1956 के मामले मे और
स्बी रखर वर्क्स लिमिटेड के मामले मे
कोचीन, दिनांक 24 श्रप्रैल 1987
सैं० 993/लिक्नि०/3381/87—मिक्सि में० सि०

सं० 993/लिक्नि०/3381/87—सिक्लि सं० सि० पि० 85/81 मे एरणाकुलम मे स्थित उच्च न्यायालय के तारीखं 30-7-1986 के भावेश द्वारा रूबी रद्रर वर्झ्स लिमिटेड का परिसमापन करने का श्रावेश दिया गया है ।

> वि० ए० विजयन मेनन कम्पनियो का रजिस्ट्रार केरस

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के स्पीप स्पन

कर्कशा समृद्धाः

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ानपुर

कानपुर, दिनांक 16 श्रप्रैल 1987

निवेश सं० एम० डी०-23/86-87--ध्रतः मुझे, एस० के० पह्या,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वें इसर्वें पश्चान् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

और जिसकी सं० खमरा मं० 275 खतौनी मं० 48 है तथा जो औरंगशहपुर डिग्गी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के भ्रधीन, दिनांक 22-8-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से किया गया है :——

- (का) न्यारण वे हुए चित्री आतः की शावतः कारण मिन्दित्व वे ब्योद का दोने के अंतरक के श्रीवस्त में सभी कारणे वा क्यूबी क्यारे में द्विशा के सिए: श्रीकः/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो की, विष्कुं बारसीय भावकार अधिनियम . 197/(1922 का 11) या उपत अधिनियम का का वन-कर अधिनियम . 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्दरिती बनारा प्रकट नहीं किया गया था जा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री नन्दूबका पुत्न श्री ईश्वरी नि० औरंगशहपुर डिग्गी शहर, मेरठ। (श्रन्तरक)
- (2) श्री जनकपुरी सहकारी ग्रावास समिति लि० मेरठ द्वारा श्री कदम सिंह ढाका व व्रजपाल सिंह मेरठ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

# जनत संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोड़ भी काक्रोप .---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामीस में 30 दिन की व्यक्तियों पर स्थान की सामीस में 30 दिन की व्यक्ति जो भी जनिय बाद में गमाल होती हो के भीतर पूर्वीक्स
- (ल) इरा सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अम्|सूची

खसरा सं० 275, खतौनी सं० 48, औरंशहरपुर डिग्गी भेरठ ।

> एस० के० पहवा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), (भ्रर्जन रेंज), कानपुर

दिनांक : 16-4-87

प्ररूप आध\*. टॉ एन एस.------

आयकर शिथिनियम, 1961 (1961 राष्ट्र 43) की धारा 269-ध (1) के शिथीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 16 श्रप्रैल 1987

निदेश स० एम० छी० 30/86-87---श्रत मुझे, एस० के० पहथा,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ल के अपीन मध्या प्राध्यिकारी की यह जिल्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

धाजार मृत्य 1,00,000/- रा में अधिक हैं औं जिसकी सब खसा सब 392 है तथा जो क्व सी (अलीगढ) में स्थित है (औं इससे उपाव इ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रलीगढ में, र्राजस्ट्रीकरण श्रिक्तियम 1908 (1908 का 16) के श्रयीन विनाक 21-8-1986

को पर्वीयत सरपिए उ टिचित बानार मूल्य से कम के दश्यमण प्रतिफल के लिए लिए की गई हैं और मूझे यह विश्वास फरने का करण हैं कि श्राणकीवत सम्पत्ति का उनित बानार मूल्य इसके द्वाप प्रतिफल का पद्ध प्रतिष्क प्रतिफल का पद्ध प्रतिष्क अर्थ के का कि निर्माण कि का पद्ध प्रतिष्क के कि कि लिए के प्रतिष्क के प्रतिष्क के प्रतिष्क के कि लिए के प्रतिष्क के कि कि कि लिए के प्रतिष्क के कि कि कि लिए के प्रतिष्क के कि कि कि लिए हों कि या तथा है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि अयम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

अत. अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) था राजेन्द्र सिट पुत्र सहाय सिह नि० क्वारसी तहसील-कोल जिला० ग्रलीगढ़। (ग्रस्तरक)
- (2) उ०रे० कपर्मचारी सहकारी आवास समिति लि० अलीगढ 142 गरेलवे कालोनी अलीगढ द्वारा श्री गोगेन्द्र चौंधरी पुत्त श्री रामस्वह्म । (श्रन्तिर्ती)

का यह सूचना जारी करके प्रवेचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के तर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 विन की अर्थाध या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील में 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किभी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अन्याय में दिया गया है।

#### अनसची

खसरा सं० 392, ग्राम क्वारसी, तहसील—कोल, जिला भ्रलीगळ ।

> एस० के० पहवा मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, निरीक्षण), (श्रर्जन रेज), कानपुर

दिनाक : 16-4-87

# मुक्त बार्चु हो। प्रमुख प्रस्ति कार्यानामान

# समिकार समिनियन, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के समीन स्वना

#### HING TERMS

# कार्याजय, तहायक बायकर बायुक्त (विरोधाय)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, विनांक 16 ग्रप्रैल 1987

निदेश सं० एम० डो०--32/86--87---- मृत्ते, एस० के० पहवा,

कामकार किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रूपमें से अधिक है

और जिसकी सं० 81/1, है तथा जो नराहड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 30-8-86, को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरमान असिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दूरमान अतिफल है, एसे इस्पमान अतिफल का पन्तृह अतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण ते हुई किसी बाय की वावत, उक्त बहुँपनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए मीर/या
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी पन वा अन्य आहितयों को जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त विधिनियम; या अव-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के विद्या।

(1) श्री जगदीम प्रसाद पुत्र श्री सोह्ननलाल नि॰-28 राम नगर, मेरठ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय पाल सिंह पुत्र श्री भालुल सिंह ं गांव एव पो० मुडलाना, महारनपुर । (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्र करता हुएं।

# जनत तम्मिति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी भाषांप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारील से 30 दिन की सर्विध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्त स्विक्तयों में से किसी स्वीक्त व्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकरें।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

# मन्त्रपी

सं० 81/1, नराहुड़ा, मेरठ।

एस० के० पहुंचा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) (ग्रर्जन रेज), कानपुर

अति: अस , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों अर्थात्:—-

दिनाक , 16-4-87

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भायकर अधिनियम, 1961 ी1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं 586, 2, 587/2 है तथा जो सूरजपुर में स्थित है (और इससे उपाब इ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 13-8-86.

को पूर्वोक्त सम्मित के अधित नाथार मून्य से जन के अवनान प्रतिफास के सिए बंतरित की गई हैं और मुक्ते मेह विश्वास भरते का कारण है कि यथाए वॉक्त सम्प्रित को उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तथ पाया गया बना प्रतिकल निम्नसिखित सबुदेश्य से उथा बंतरण जिबित हों नास्तिक क्य से कथित नहीं किया नया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिल्हें भारतीय अयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीन, निम्निसिक्त

- (1) श्री नरेन्द्र सिंह चेहल पुत्र श्री महेन्द्र सिंह नियासी—-मर्थ्याला मार्ग, डासना, गाजियाबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) सी० एफ० सी० नेबोरटीज लि० इंगरा श्री एस० के० चौपड़ा पुत्र श्री डा० झार० एन० चौपड़ा,
  31 कालकाजी, नई दिल्ली ।
  (श्रन्तरिती)

तारी वरी

(3) बही (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) वहीं (वह व्यक्ति जिसके बारों में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हिसबब्ध हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति है अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को 🛊 भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के हायचन में प्रकारण की तारीय सं 45 दिन की नवींथ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ठामील से 30 दिन की नवींथ, को भी मंत्रीय बाद में तमान्ध होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसा व्यक्ति हंवारा;
- (ण) इस स्थान के राजपण में प्रकासन को तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास किसिय में सिद्ध वा दुवीचे 1

स्वकारिकरणः----दसमें प्रमुख्य बच्चों बीट गयों का, को अवस्य विभिन्निम के बंध्याय 20-क में वरिधायिक हाँ, वहीं वर्ष होगा को उस बध्याय में विशः वया है।

## वगराची

सं० 587/2, 586/2 सुरजपुर, परगना-दादरी गाजियाबाद

एस० के० पाहवा, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), (श्रर्जन रेंज), कानपूर

दिनांक : 16-4-1987

प्ररूप आर्द्र. दी. एनं. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जें: रेंज-6, ाई दिल्ली

गई दिल्ली, दिनाक 13 श्रप्रैल 1987

तिदेण मं० श्राई० ए० मी०/एक्य्०/6/37ईई/8-86/ 79--श्रव मुझे, टी० के० साह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी में पलैट में यूं जी-10/श्रिष्पर ग्राउण्ड खण्ड है तथा जो एसमलहाउस श्रासल श्रली रोड, नई दिल्ली में रिशत है (श्रीर इसरी उपारत श्रनमृत्ती में रूणं रूप में दिणित है), श्रायकर धर्म लिए, सहायक श्रायकर श्रायक (िरीक्षण) श्राप्ति रेज-6, नई दिल्ली में भारतीय श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन, दिनांक

का पृवंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मझ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापृवंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के िलए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को., जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा 5 किट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ल्याने में मुनिया के लिए,

अतः अबं, उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण में, ं, उक्त अधिनियमः की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं. अर्थीत् :--

- (1) एस्मल प्रोपर्टीज एण्ड एण्डस्ट्रीम बी-10, लारेम रोड, ग्रौद्योगिक क्षेत्र, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) त्यु थिजली फाउण्ड्री, जीठ टीठ रोड, बटाला, पजाब । (अन्तरिनी)

(2000)

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्सं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्रंध म कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स्य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोगे।

स्पष्टिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लैट सं० यू०-जी-10, घ्रप्पर ग्राउण्ड खण्ड 391.13 वर्ग फीट (एस्सल हाउस) 10 श्रामल घ्रली रोड, नई दिल्ली।

> टी० के० साह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायका (िरीक्षण) अर्जन रेज-6 दिल्ली, बई दिल्ली-110002

दिनाक : 13-4-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कायणिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रप्रैल . 1987

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/8-86/80—श्रतः मझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 209 श्रौर 210 है तथा जो दूसरा खण्ड 658.82 वर्ग फीट एस्सल हाउस, 10, श्रासफ भ्रली रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड अनुसूची में पूर्ण रूप से विजत है), सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-III, नई दिल्ली -1 में भारतीय श्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 के श्रिधीन, दिनांक श्रायस्त 1986,

को पूर्वोक्स स्पाप्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बासविक रूए से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दीने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :——
3—76 GI/87

(1) एस्मल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज बी-10, लारेस रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) इंडो जावा एण्ड कम्पनी । 811, श्रंसल भवन, कस्तूरबा गाधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की उपि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पर्योक्त विक्तों में से किसी व्यक्ति दवारा.
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पन्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यव्होकरण: — इसमे प्रय्क्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विया गया है।

# ग्रन्स्ची

फ्लैट सं० 209, 210/2 खण्ड 658 182 वर्ग फीट एस्सल हाउस, 10 , श्रासफ श्रली योड, नई दिल्ली ।

टी० के० साह मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-4-.**)**87

मोहर

# प्रकार बाई की एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारः 269 व (1) के अधीन सूचना

#### माइत धरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 13 भ्राप्रैल 1987

आयत्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षाः 'उक्त अधिनियम'क हा पथा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिस बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 217, है तथा जो दूसरा खण्ड, एसल हाउस, 10, ग्रासफ ग्रली रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, दिल्ली में भारतीय ग्रिधिनियम, 1961 के श्रिभीन, दिनांक श्रगस्त 1986,

श्राधानयम, 1961 के श्राधान, दिनाक श्राप्त 1986, की पृष्ठीका संपरित के उणित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गर्छ हुँ और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हुँ कि यथाप्वांवत संपरित का उणित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे श्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह श्रीताहाल से आधिक हुँ और श्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्वरित्थों) के दीच एपं अन्तरण के लिए तय पाया भया श्रीतफल, निम्नितिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हुँ:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भा तिय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1'' या जन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ के रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातृ:——

- (1) एस्सल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीस बी-10, लारेंस रोड श्रौद्योगिक क्षेत्र , नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रसीस गुप्ता सुपुत्र श्री बी० के० गृप्ता सी०-50, ग्रेटर कैलाश, भाग-1, नई दिल्ली -1 (ग्रन्तरिती)

को यह सम्मना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन की जनिष या तत्संत्री अ्यक्तिसों पड़ स्वना को तामील से 30 दिन की जनिष. जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिस्थों में से किसी श्यक्ति इसारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किया वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

# **प्रनुसूची**

फ्लैट सं० 217/दूसरा खण्ड /103.96 वर्ग फीट एसल हाउम, 10-श्रासफ ग्रली रोड, नई दिल्ली ।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रर्जन रेंज-6, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-4-87

# म्प्य मार्'ल स्री: एक्ट एक.

# भागकर महैंपनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के ममीन कुम्ला अन्यक सरकार

श्रामां मन , सक्कायक साहं मार बाबूबल (निर्योक्स) श्राजीन रेंज--6, नई बिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 प्रप्रैल 1987

निवेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/8-86/80-बी--भत: मुझे, टी० के० साह,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिए बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रवेर जिसकी सं० पलैट सं2 114, है तथा जो प्रथम खण्ड एसल हाउस, 10-श्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायक्ष श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण( श्रर्जन रेंज-6, न्ई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1986.

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान शिल्यक के तिथ नक्किंद्रत की पर्द हैं और मुख्ये वह दिल्यात करने का कारण हैं कि क्यापुनोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसक द्रायमान प्रतिफल से, एसे व्यापमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवाद से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया शिलक में निम्मितिक व्यवस्था कि विच से वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरफ हा हुई किसी नाथ की बाबस, उक्त बीयिनियम के अभीन कर देने के सन्तरक के स्थितियम के अभीन कर देने के सन्तरक के स्थितिय के क्ष्मी क्ष्मिक या उक्कय बच्चने में बृतिया के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, विक् भारतीय बासकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या अम्ब अधिनियम 1922 वा 11) या अम्ब अधिनियम पर विक प्रतिविद्य पर प्रवास प्रवास विक पर विक पर विक पर प्रवास प्रवास विक पर विक

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसियत व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) एसल श्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज , बी-10, लारेंस रोड, श्रौद्योगिक क्षेत्र, नई दिल्ली। (धन्तरक)
- (2) श्री मुनीश गुप्ता सुपुत्र श्री बी० के० गुप्ता, सी०-50, ग्रेटर कैलाश, भाग-1, नई दिल्ली-48 (ग्रन्तरिती)

कों यह सूचना चारने कारने प्रतिनत संप्रित के अर्थन के जिल्ला कार्यनाहियां करता हो।

# क्रमा सुन्तरिक भी सर्वाय के सन्तरूप में कोई भी मार्श्यक

- [क) इस नुषया वे गुजरम वें प्रकारम् की तारीष् र्रं 45 दिन की जनिए या तत्सीवेंका करितत्यों एक वृत्यक की दावीन वें 30 दिन की व्यतिष वो भी अवृत्य कर के प्रकार होती हो, वे बीत्य पूर्वों क्य व्यक्तियों में वे दिनी व्यक्ति प्रकार;
- (व) इस स्वान के रावषण में प्रकाशन की वारीय से 45 दिन के मीतर जनत स्थायर संपत्ति में हित्तवर्थ किती बन्न मानित द्वारा, अध्यहराखरी के पास विविद्य में किए या स्वीने।

स्थानिकरण: --इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जा उपस जिमिनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में पिथा नवा हैं।

#### नगत्त्री

प्लैट स॰ 114, प्रथम खण्ड, 267:63 वर्ग फीट एसल हाउम, 10, आसफ श्रली रोड नई दिल्ली ।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 13-4-87

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

वर्ष दिल्ली, दिनांक 13 भ्राप्रैल 1987

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/8-86/80-सी---- प्रत: मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 316, है तथा जो निसरा खण्ड एसल हाउस 10 श्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), महायक श्रायकर श्रायकत (िरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधी । दिनांक श्रामरा 1986,

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान किफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:---

- (1) एसल प्रोपर्टीज एण्ड एण्डस्ट्रीज । बी-10, लारेंम रोज, ग्रौद्योगिक क्षेत्र नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मोनिया सरमा मुपुत्र श्री जे० एल० सरना बी-1/75, सफदरअंग एक्लेब, नई विल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो **उक्त** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट सं० 316, तिसरा खण्ड 233.29 वर्ग फीट एसल हाउस, 10-आसफ ग्रली रोड, नई दिल्ली ।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुवत (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज-6 दिल्ली, गई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-4-87

शारूप आई.टी.एन.एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अरी धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक ज्ञायकर आयुक्त (निरीक्षण)। अर्जन रेज-6, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रप्रैल 1987

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/8-86/87-डी---श्रप्त मुझे, टी० के० साह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधियारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पिति, जिसका उचित प्राचार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 216, है तथा जो फ्लैट दूसरा खण्ड एसल हाउस, 10, प्रश्नासफ भ्रली रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपायद भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-1 में भारतीय श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, दिनांक भ्रगस्त 1986,

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के ध्रयमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल सं, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में पास्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष्य

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी कर्त वा उससे बचने में सूविया के जिस् बार/वा
- एसी किसी लाम या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिष्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्निणित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) एसल प्रोपट्रीज एण्ड इण्डस्ट्रीज बी-10, लारेंस रोड, औद्योगिक क्षेत्र, नई विल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जे० एल० सरना सुपुत्र श्री वी० पी० सरना al-1/75, सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी क्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धाहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट सं० 216, दूसरा खण्ड 233 29 वर्ग फीट एसल हाउस, 10-आसफ श्रली रोड, नई दिल्ली ।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-4-87

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 13 भ्राप्रैल 1987

निवेश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/8-86/80-ई---श्रत मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट सं० एल-10, है तथा जो फर्स्ट फ्लोर/ एसल हाउस तादादी 295.69 वर्ग फीट में स्थित है और 10, ग्रासफ ग्रली रोड , नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्व ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6 नई दिल्ली-1 में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन दिनांक ग्रगस्त 1986,

को प्वेंक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की मई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अप्तः अक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरणं में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) एसल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज बी-10, लारेंस रोड, औद्योगिक क्षेत्र, नई दिल्ली--35

(श्रन्तरक)

(2) न्यू बिजली फाउण्ड्री, जी० टी० रोड, बाटला, (पंजाब)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए फार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

फ्लैंट सं० एल-10, लोफ्ट/295:69 वर्ग फीट एसल हाउस, 10-ग्रासफ ग्रली रोड, नई दिल्ली ।

> ्टी० ने माह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-4-87

मोहर 🗜

# प्ररूप आहे.टी.एन.एस. -------

जामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक कार्यकर बायुक्त (विरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 श्रप्रैल 1987 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/8-86/195-के---म्रत मुझे, श्री सुभाष कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें इसके प्रथमत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सी-139, है तथा जो सी-139, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया फेज-1, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्व श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961, के श्रधीन, नई दिल्ली दिनांक श्रगस्त, 1986,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उणित भाषार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृस्य . उसके ध्रयमान प्रतिफल से , ऐसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और जंतरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (अ) अंतरण से हुई किसी बाय की वाबत, उच्छ बीध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अधी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिलाने में सुविशा के सिए:

अक्षतः जब, तक्षत अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरक भे, भी, उभत अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मे० रणबीर सिंह सन्तोख सिंह एण्ड कम्पनी, द्वारा गुरचरण सिंह, रोड- सं० 44, पंजाबी बाग नई दिल्ली ॥ श्री दर्शन सिंह, निवासी--एस-147 नारायण विहार, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

(2) मे॰ मोना इण्टरनेशनल, सी-139, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली, फेस--1,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासेपु :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधि । नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सी-139, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, फैज-1, नई विल्ली, तादावी-600 वर्ग गज ।

> सुभाष कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002,

विनाक 15-4-1987

प्रकप बार्ड हो। एतः एसः -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा **269=च (1) को अभी**न सुचना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3; नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 भ्राप्रैल 1987

निवेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्पू०/3/एस०-म्रार०-2/ 8-86/355--म्रत मुझे, सुभाष कुमार,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिभिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्रो० सं० 3, है तथा जो क्लाम 'सी' पंजाबी बाग, नई विल्वींली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित आजार मूल से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एम किसी नाथ या किसी धन या जन्य जासिता की, जिन्हें भाउतीय नाय-कर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा ने लिए;

श्रदः श्रवा, उक्त विधिनियम, की भारा 269-न ने अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती मिथलेश गुष्ता (2. श्री मुकेश गुष्ता, 3. श्री संजय गुष्ता, सुपुत श्री ग्रार० के० गुष्ता । नित्रासी—7006, ब्लाक—14, देवनगर, करोल बाग, नई दिल्ली ।

( स्रन्त रक )

(2) श्री रामकुमार गुप्ता 2. श्री धर्मपाल गुप्ता
3. श्री ग्रगोक कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री बारमल
गुप्ता, श्रीमती सुषमा गुप्ता,
निवासी——30, ग्रगोक पार्क (मैन) दिल्ली ।
(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के अर्जन लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हरू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निर्मित में किये का सकती।

स्पद्धाक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा क्या हैं ॥

# अनुसूची

प्रो॰ सं॰ -3, क्लास 'सी', क्षेत्र 55.55 वर्ग गज, पंजाबी बाग, ईस्ट एवेन्यू रोड, दिल्ली ।

सुभाष कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 15-4-1987

मोक्षर ३

प्रारूप आहाँ. टी. एन. एस.....

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत परकार

# कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जैन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 श्रप्रैल 1987 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-श्रार०-2/ 8-86/360-श्रतः मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं के भी-78, है तथा जो इन्दरपुरी क्षेत्र, ग्राम नरायणा, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1986,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार गृल्य से कम केंद्रस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त विभिन्नियम के विभीत कर दोने के जन्मरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा के सिए; बॉर/का
- (क) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आंयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था "खपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री क्रिज नरायण दस सुपुत्र श्री हरनाम दास, निवासी—सी-78, इन्दर पुरी, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक
- (2) श्री भारत भूषण तनेजा सुपुत्र श्री पी० एल० तनेजा, श्रीमती नीरू तनेजा धर्मपत्नी श्री भरत भूषण, निवासी—एच-86, ऋती नगर, नई दिल्ली । (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किली बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोइस्साक्ष्री के पाद निश्चित में किए का सकीने।

स्यष्टिकरण — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिकियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गक्षा हैं।

# अनुसूची

हाउस सिगल स्टोरी व सं० सी-78, सादावी -500 वर्ग गज, स्थित इन्वरपुरी, एरिया श्रोफ नरायणा, नई विल्ली ।

> मुभाव कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :---4-76GI/87

दिनांक: 15-4-1987

# प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-धार-2/ 8-86/369--धतः मुझे, सुभाप कुमार, भागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वशात 'उक्त अभिनियम' कहा क्या हु"), की बारा 269-क के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

धौर जिसकी सं 17/35 है तथा जो 17/35 प जाबी खाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक ग्रगस्त 1986,

को पूर्वेतित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री मद: मोह: सचदेवा सुपुत्र श्री बिशा: दास सचदेवा, िवासी—के-35, नाडल टाउन, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री राजेण लखनपाल एण्ड श्रीनती सभीता लखनपाल धर्मपत्नी श्री राजेण लखनपाल, रि जिवासी—के०-4/8 माडल टाउन, दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्टेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

प्रो० सं० 17, रोड, सं० 35, पंजाबी बाग, नई दिल्ली, तावादी 569. 36 वर्ग गज ।

सुभाष कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) क अधिन. निम्निविक्त व्यक्तियों, अधितः—

दिनांक : 15-4-1987

प्रकप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 15 अप्रैल 1987

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य्०/3/एस०-ग्रार०-2/ 8-86/381---ग्रतः मुझे, सुभाप कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

स्रौर जिसकी मं० 2265, है तथा जो काईवाला करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनक स्रगस्त 1986,

का पूर्वोक्त सम्प्रित के उधित बाजार मूक्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूक्य उसके रूपमान प्रतिफल के। एसे इत्यमान प्रतिफल के। रुखह प्रतिमत से अधिक है और नन्तरक (बंतरकों) बार बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के निस् तय पाया नया प्रति-फन निस्नितियाँ उद्योख से उसत अन्वरण लिखित में वास्तिवक रूप से किए तय नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तपुण है हिन्दें कियाँ नाय की बायुत संबंध नीधिनयम के नधीन कर दोने के नन्तपक के श्रीयत्य में कभी करने या उदये वचने में बृदिया के सियु; क्षीर/या
- (स) ऐसी किसी बाव वा किसी भन वा बच्च वास्तिकों को, विन्दी भारतीय वावकर विभिन्नवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नवन, का बनकर व्यक्तित्वन, का बनकर व्यक्तित्वन, का बनकर व्यक्तित्वन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वार प्रकट नहीं किया का का बा बा बावा बाता वाहिए था, कियाने के प्रकार के बिक्स के बिक्स

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री हरभजन सिंह सुपुत्र सरदार जोगिन्दर सिंह, निवासी—मकान स० 2265, नाईवाला गली म० 67, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मे० बैलेज कन्ट्रस्थशः कम्पनी (प्रा०) लि०, पजीकृत कार्यालय 404, नदमा टावर राजेन्द्रा पलेस, नई दिल्ली , (कम्पनी भ्रण्डर इनकारपोरेशन द्वारा परोमोटर) (अन्तरिती)

को यह सम्मना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू कश्ता हुं।

उथत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की जनपि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की कामीन से 30 दिन की जनपि, को भी जनपि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पाव निचित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कांभीनयम, के अभ्याय 20-क के परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अभ्याय के दिवा क्या हैं।

# अनुसूची

भाघा भाग प्रो० सं० 2265, नाईवाला गली सं० 67, खसरा सं० 591, करौल बाग, नई दिल्ली, तादादी 231 वर्ज गज ।

> सुभाष कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर गायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेज-3 विल्ली, नई विल्ली-110002

विनोंक : 15-4-87

मोहर .

प्र**रूप बार्ड.** टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-श्रार-2/ 9-86/431---श्रतः मझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2265 नाईवाला है तथा जो करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लीमें भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मितम्बर 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अधीन :---

(1) श्रीमती गुरचरण देवी धर्मपत्नी श्री जगजीत सिंह, निवासी—2265, गली सं० 67, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) में बलेज कन्स्ट्रक्शन कम्पनी (प्रा०) लि०, पंजीकृत कार्यालय 404, पदमा टावर महेन्द्रा पलेस, नई दिल्ली, कम्पनी श्रण्डर इन कारपोरेशन द्वारा डाइरेक्टर श्री डी० एन० तनेजा सुपुत्र श्री जी० डी० तनेजा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त विक्तों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजएत्र में प्रकाशन की सारीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पक्ति में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्त्रकारी के पास लिक्ति में किए जा सकीगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्सूची

श्राधा भाग प्रो० सं० 2265, गली सं० 67, नाईवाला करोल बाग, नई दिल्ली, खसरा सं० 591, तादादी 231 वर्ग गज ।

> सुभाप कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज--3 दिल्ली, नई दिल्ली--110002

दिनांक : 15-4-1987

# प्रकृप बाइ . टी . एव . एव . -------

# भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1987

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/4/37ईई/8∽86/।।।/ 79—म्रतः मुझे, डी० के० श्रीवास्तव,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उवत अधिनयम' कहा गया है). का धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फार्म सं० बी-29, है तथा जो पुष्पांजली बिजनासन नई दिल्री में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्ज-4, नई दिल्ली -1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1986,

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के द्रश्यभान भितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्रविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का उन्तर के शिथ करामान प्रतिफल का उन्तर प्रतिकात सं भीधक है और अंतरक (अंतरकों) जौर अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्ननिस्तित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्नविक रूप से किया गया है :——

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बीध-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन वा नत्म नाहैस्तर्यों की, जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया कर या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मुन्तिया अं किया जाना वाहिए था, छिपाने में मुन्तिया अं किया आना वाहिए था, छिपाने में मुन्तिया अं किया

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण भों, भों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ ती उपप्राप्त (!) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधित:——

- (1) श्रंसल प्रोपट्रीस प्रा० लिमि० 115 श्रंसल भवन, 16, के० जी मार्ग नई विल्ली (श्रन्सरक)
- (2) श्री म्रर्जुन सी वानें द्वारा श्रीमती मोहती वाने सी०-34, वेस्ट एण्ड (नजदीक शांति निकेतन) नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हार्राख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेगे।

भ्यव्याकरणः इसमें प्रयूक्त घन्यां और गयां का, को उक्त अधिनियम क अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया यस है।

# अंतर्स स्टी

फार्म सं बी—29, पुष्पांजली फार्म गांव**-विजवास**न, न**ई दि**ल्ली ।

> डी० के० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई विल्ली--110002

**宿中** : 20-4-87

प्ररूप आई.्टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, बहायक भावकड नायुक्त (निरीकक)

भ्रर्जन रेंज-4, नई विस्ली

नई दिल्ली, विनांक 20 श्रप्रैल 1987

निवेश सं० म्राई० ए० सी० /एक्यू०/4/37ईई/8-86/ 168/80-भतः मुझे, डी० के० श्रीवास्तव,

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रापये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० डब्ल्यू०-21 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली का 1/8 भाग में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधितयम, 1961 के श्रिधीन, दिनांक श्रंगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ददमनान प्रतिपाल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है

क यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके दृश्य-मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिखत से बांचक ही बार बन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निस्त-सिश्चित उत्दर्धिय से उत्तर अंतरण लिखित में वास्तविक क्य है कांचित नहीं किया गया है ६——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसमें दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अक्त अधिनियम, या धन-कर भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 प की उपधारा (1) कें अधीन, निम्निधिक्त व्यक्तियों, नर्धात् ---

- (1) श्रीमती उषा डालमिया पत्नी श्री ए० डालमिया सं० 1, तीस जनवरी मार्गे, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रमा रानी खन्ना पत्नी श्री केवल कृष्ण खन्ना श्रीर मुनीम खन्ना सुपुत्र केवल कृष्ण खन्ना निवासी—2—सी/5, न्यूरीहतक रोड, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध जिसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया. ग्राया है।

#### नगत्त्र ची

1/8 पोरशन भाग प्लाट क्षेत्र वियरिंग डब्ल्यवू-21, ग्रेटर भैलाश-2, नई दिल्ली ।

> डी० के० श्रीवास्तव संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली -110002

दिनांक : 20-4-87

प्ररूप आहुँ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन संचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सङ्गयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-4, नई विल्ली

नई दिल्ली, विनोक 20 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/4/37ईई/8-86/ 190/81-भातः मुझे, श्री डी० के० श्रीवास्तव,

बायकर विभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (विस् इतमें इसके परचात् 'जन्द वीभीन्यम' कहा गया ही, की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 1500,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० डब्ल्यू-21, है तथा जो जी के-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक द्यायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, दिल्ली में भारतीय द्यायकर धर्धिनियम, 1961 के श्रधीन दिनांक द्यास्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के अपित बाबार मूम्य से कम के कावाब प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अपने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्मत्ति का उपित बाबार बृद्ध, अवके स्थवान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ए'ती कियी बाव वा किसी धन या बन्ध वास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिवयम, वा धन-कर विधिवयम, वा धन-कर विधिवयम, वा धन-कर विधिवयम, 1957 (1957 का 27) वाँ प्रयोजनार्थ बन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

(1) श्रीमती बेला डालमिया पत्नी वाई० एच० डालमिया सं० 1, तीस जनवरी, मार्ग, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)

(1) श्री विजय कुमार खन्ना एण्ड संस (एण्यूएफ'),
 द्वारा विजय कुमार खन्ना 2/सी 5, न्यू रोहतक रोड,
 नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की बर्बीच या तत्संबंधी स्वित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्बीच, को भी स्वीध बाद में संबादत होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्वित्तयों में से किसी स्वित्त ब्वारा;
- (ण) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवव्य किसी बन्य व्यक्ति वृत्तारा, अभोहस्ताकारी के पास विवित में किसी का ककीन।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होया, को उब वध्याय में विश क्का हैं।

# मन्त्रची

पाट पोरशन प्लाट लेंड बियरिंग क्ल्यू-21, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

> डी० के० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 20-4-87

प्रारूप आई.डी.एन.एस. ...

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-4, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1987

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ए यू०/4/37ईई/8-86/ 195-एफ/82--ग्रतः मुझे, डी० के० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फार्म सं० बी-30, ई तथा जो पुष्पांजली गांव बिजवासन में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, दिनाक भ्रायस्त 1986.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिप्रस के लिए अन्तरित की गई और मृत्रों यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का दन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय श्या गया प्रतिफल, निम्निचित उद्योध्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कवा नया है —

- (क) बन्तरण के हुड़ किसी बाय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व के कशी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। और /वा
- (क) एसी किसी अप या किसी, भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, को धन-कर अधिनियम, को धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना थाहिए था, खिपाने में सुविधा वी विह्य;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्रीमती मोहिनी वाने सी--34, वेस्ट एण्ड (नजदीक शांति निकेतन) नई दिल्ली । (ग्रन्नरक)
- (2) भ्रंसल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीस प्रा० लिमि० 115, ग्रंसल भवन, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को वह भूषमा बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत तस्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र है---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जनींचे या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनींच, जो भी बनींचे बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बहुध किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळकिरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# हुन्दुङ्गी

फार्म सं० बी-30, पुष्पांजली फार्म, गांव बिजवासन ।

डी० के० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 20—4—87

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेज-4, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 20 ग्नप्रैल 1987 निदेश सं० ग्नाई० ए० मी०/एक्यू०/4/37-जी/8-86/ 115--श्नन: मुझे, डी० के० श्रीयास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हो

श्रौर जिसकी सं० ई-48, है तथा जो जी-फ्लोर, ग्रेटर कैलाश→ भाग 2,में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मैं पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक श्रगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से एमें ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (१) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थातृ:—— 5—76GI/87

- (1) श्री प्राण तथ कण्यप ई-48, जी फ्लोर, ग्रेटर कैलाण, भाग-2, गई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री बालिकशन
   ई-56, ग्रेटर कैलाश एंक्लेब-2,
   नई दिल्ली-110048

(श्रन्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुखी

ई-48, जी, फ्लोर ग्रेटर कैलाग भाग-2, तीन बैड रूम्स ड्राइग/डाइिन्ग, दो वाथरूम, कियन, स्टोर मैजिनिन रूम एक बाथरूम ।

डी० के० श्रीवास्तव मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (िरोक्षण) ग्रर्जन रेज, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 20-4-87

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन त्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंत रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 20 श्रप्रैल 1987

निर्वेग सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/4/37—जी/8-86/112—म्प्रत: मुझे, डी० के० श्रीवास्तव,

भारकर अिंशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं गाप प्लाट वियरिंग सं 77, है तथा जी स्लाक एम, ग्रेटर कैलाग – 2, सई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली – 1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्तत में वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अस्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूस्रण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कों अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :-- (1) श्रीमती सुधीर बाला सरील पत्नी श्री गोपाल सिंह् सरील , ई-496, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली-48 वर्तमान पता-3533, रमजे स्ट्रीट लोग्यृली, क्यूबेक, कनाडा द्वारा एटोरनी श्री गोपाल सरील । (श्रन्तरक)

(2) एम० जे० एण्टरप्राइसिस
55-ए, उदय पार्क, नई दिल्ली द्वारा पार्टनर मंत्रजीत
कौर भ्रौर जमबीर कौर ।
(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में को इंभी आक्षोप :---

- (क) इस सुध्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्स बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसूची

शाप प्लाट बियरिंग सं० 77, ब्लाक एम ताददी 195 वर्ग गज श्रावासीय कालोनी , ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली ।

> डी० के० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 20-4-87

मोहर ;

प्ररूप आई.टी.एन एस.-----

काय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिस्निक्षण) श्रर्जन रेज-7, नई दि ली नई दिल्ली, दिनाक 10 श्रप्रैल 1987

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० बीच्412, है तथा जो चौथा खण्ड 5, भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है), .सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, दिनाक श्रगस्त 1986,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल के एसे ध्रथमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बिक्त, विम्निचित उद्देश्य से उच्त बन्तरण विधिद वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- '(क) अंतरण संहृद' किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम को अधीन कर दोने को बंदरक को दायित्य मो कमी करने या उससे बचने मो सूत्रिधा को लिए; अर्द/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः कवः, उक्त विभिनियमः, की भारा 269-ग के बन्हरूष मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ु--

- (1) श्री जे० बी० मार्टि: मुपुत्र स्व० श्री जी० एम० मार्टिन, ए-1/230, सफदरजग एंक्लेव, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रोम प्रकाश डिगरा सुपुत्र श्री दौलत राम डिगुरा 20/26, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करको पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्ति में पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थानित यों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--दिसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होता जे: उस अध्याय में दिया गया है।

# अभूस्ची

प्लाट सं० बी-412 चौथा खण्ड 5, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली। तादादी 533 वर्ग फीट ।

> वी० के० मंगोता नक्षम प्राधिकारो महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेज-7, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 10-4-87

मोहर .

प्ररूप आई. टी. एत. एस. -----

त्र∨यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

क्र्यांलयः, सहायक वायकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 ग्रप्रैल 1987

निदेश मं० म्राई० ए० मी०/एक्यू०-7/37ईई/8-86/142—स्रत. मुक्षे, श्री वी० के० मगोन्ना,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 409, है तथा जो भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूँची में पूर्ण रूप से वर्णित है), . सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयंकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के ब ग्रिधीन दिनाक श्रगस्त 1986,

को प्वांक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए उन्तरित की गई है और मृद्धे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त सम्पत्ति का उचित लाजार मृत्य, उन्के दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिफत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल निम्नलिखित स्व्वदेय से उक्त अन्तरण सिवित से वास्तिक रूप में किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/वा
- (भ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूजिधा चै किए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भैं. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धातु:— (1) श्री मी० एल० मधोङ (नमन लाल मधोक) बी-7 मफदरजग एक्लेव, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मिसेज शशि खन्ना 1ए-232, फरीदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके प्रवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में की हैं भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, की भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजेपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा राकेगे।

स्थव्यक्तिरणः---इसमाँ प्रयावत शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ शुंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पलैट सं० 409, चौथा खण्ड, बिल्डिंग मं० 9, भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली ।

> वी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सह।यकभ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-4-87

प्ररूप **काइ**ं, टी. एन ु एक ु लखना

कायकर विभिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

## भारत तरकार

# कार्यास्य, सहायक नायकर भावन्त (निर्देशक)

भ्रजीन रेंज-7 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 भ्रप्रैल 1987

निदेश सं० म्राई० ए० मी०/एक्यू०-7/37ईई/8-86/ 141--- अतः मुझे, बी० के० मंगोत्ना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भरा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैट सं० 408, है तथा जो भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन दिलांक श्रगस्त 1986,

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंतर प्रतिफल का पंतर प्रतिफल का पंतर प्रतिफल का पंतर प्रतिफल के पंतर प्रतिफल के विद्वार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिक कम निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण विचित्त में आस्तिवक कम से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) बन्दरण में हुई किसी नाम की वावता, अन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा क्षेतिए; और/या
- (क) एसी किसी आग या किसी भन या कन्य कास्तिय। को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया वा वा विका वाना वाहिए वा कियाने में सुनिधा को सिक्धः

कतः शव, उक्त विधितियमं की वारा 269-ग के वनुवाहण वें, में, इक्त विधितियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धत् :---

- (1) श्री सी० एल० मधोक,
   बी-7/3, सफदरजंग एक्लेव, नई दिल्ली ।
   (ग्रन्तरक)
- (2) मिसेस दुलाली खन्ना 1ए-232, फरीदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्थना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिक्ष कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो औ अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि स्थितवार में में किसी स्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वै 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बहुआ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उबदः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया वजा हैं।

## अनुसूची

पर्लैट सं० 408, 9, भीकाजी कामा पलेस, चौथा खण्ड, नई दिल्ली ।

> वी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-7, नई दिल्ली

दिनाक : 10-4-87

# प्रकृष भार्त्, हो . एव . एस., क्लान्स्यान्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आपक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनाक 10 अप्रैल 1987

निदेश सं० श्राईं० ए० सी०/एक्यू०--7/37ईई/8-86/ 195-एम--अतः मुझे, श्री बी० के० मंगोत्ना,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मून्य 1,90,000/- रा. से विधिक हैं

धौर जिसकी सं० एस-171, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली प्रथम खण्ड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं, .सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम की 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन दिनाक श्रगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान भितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाल करने का कारण है कि बचापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार भूला, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्नाह शिवाल से अभिक हैं और जन्तरक (जन्तरकों) बौद अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित के बास्तविक कम से कीयत नहीं किया गया है कु-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंती किसी जान या किसी भन या नन्य नास्तिनी की, चिन्हें भारतीय जान-कर निभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता निभिन्नम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मास्टर ग्रमन नागरण पत्नी श्री रणजीत नागरण 2 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली । श्री सतीश सेंठ, सुपुत्र श्री सी सेंठ जी-1/10, दरिया गंज, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल दयोहर 5, लोग्नर राडन स्ट्रीट, कलकत्ता श्रोमोटर प्रोपोज्ड प्रा० लिमि० । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीकत संपृत्ति को अर्थन को जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उनत सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्य--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अधिध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम, के अध्याय 20-क में विशिधित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विश्वश् गया है।

## अनस्पी

प्रथम खण्ड एस-171, ग्रेटर कैलाग, भाग-2, नई दिल्ली तादादी 298 वर्ग गज ।

वी० के० मंगोला सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-4-87

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 ग्रप्रैल 1987 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/8-86/ 222--ग्रन. मुझे, श्री बी० के० मगोत्ना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस-62, ग्रेटर कैलाण-2, है तथा जो नई दिल्ली-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची मैं पूर्ण रूप से वर्णित है), .सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर श्रधितियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीत दिनांक श्रगहत 1987,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारन है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का प्रितित बाबार मूल्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एक्ते अन्तरण के लिए तय पाया गया पित्रफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एंसी किसी बाब वा किसी धन था अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वी किया

अतः अब, उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) मेसर्स वजोडमन एक्सपोर्ट लिमि० द्वारा डायरेक्टर स्रब्दुल कादिर सुपुत्र श्री एच० श्रब्दुल वाजिद डी-9, कालिद्दी कालोनी, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बिमल किगोर जैन सुपुत्र श्री बी० बी० दाम जैन मिसेज रीता जैन पत्नी श्री के० के० जैन मिसेज कविता जैन पत्नी श्री एस० के० जैन मिसेज डेजी जैन पत्नी श्री बी० के० जैन निवासी-1490, कुचा सेठ, दरिबा कला, घादनी चौक, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्स्वस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी धविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य स्थिबन व्यारा कथोहस्ताक्षरी को पाड लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुस्पी

प्रापर्टी स॰ एस/62, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

वी० के० मंगोत्रा मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-7, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-4-87

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

# मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 16 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी ०/एक्यू ०/1/37ईई/8-86/ 3213ए--आत मुझे, श्री एस० ग्प्ता,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्सात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

धौर जिसकी स ० स्पेश स ० 11, है नथा जो तीसरा खण्ड ब्लाक ई, होटल्स कम कर्माश्यक काम्पलेक्स नेहरू पंलस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसरे उताबद्ध श्रन् सूची में पूर्ण रूप विल्ली में स्थित है (श्रौर इसरे उताबद्ध श्रन् सूची में पूर्ण रूप विल्ली में सापकर श्रीयकर श्रीयकर श्रीयकर श्रीयकर श्रीयकर श्रीयकर श्रीयकर श्रीवित्यम, 1961 के श्रीधीन, दिनाक श्रीयन 1986, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्थ्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वंश्व श्रीयकर से श्रीयकर है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्मलिचित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन मा बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए:

जतः अव, उथत आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखितं व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) नेहरू प्लेस होटल्स लिमि० । इरोस सिनेमा बिल्डिंग, जगपुरा एक्सटेशन, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती विभा भाटिया श्रौर मि स मीमा भाटिया ए-1/114, सफदरजग एक्लेब, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

कोः यह सूचना आरी वरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील स 3() दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस म्चना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के उध्याय 20-क म परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अमुस्ची

स्पेस स् ० 11, निसरा खण्ड ब्लाक ई, होटल्स कम -कम-शियल काम्पलेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली लगभग क्षेत्र 647 वर्ग फीट ।

> एस० मी०गुप्ता मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजनरंत्र-1दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 16-4-1987 मोहर:

## प्रका आहें, टी, एन, एत, प्राप्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### नाइत वर्डकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिमांक 16 अप्रैल 1987

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मूज्य 1,00,000/-क. से अधिक हैं

मोर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 805, है तथा जो इण्टरनेशनल ट्रेंड टावर, नेहरू पलेस, नई विल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता शिधकारी के कार्यालय, सहायक भायकर भायकर (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई विल्ली में भारतीय भायकर श्रिधिनयम, 1961 के भ्रष्टीन, दिनांक भगस्त 1986

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किंथित नहीं किया गया है ;——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स कोरोनेशन स्पंतिंग इंडिया बी-44, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली -1100048 (ग्रन्सरक)
- (2) श्री जे ० एस ० लूथरा 111/92, नेहरू पलेस, नई बिल्ली--1 (भ्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पृत्रीकत सम्पत्ति के शर्जन के निय कार्यवाहियां शुरू करता हुं 1

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पांत में हित्यक्थ किसी जन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अभि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

फ्लैट सं० 805, इंटरनेशनल ट्रेड टावर, नेहरू फ्लेस होटल्स, नेहरू फ्लेस, नई दिल्ली । क्षेत्र 735 वर्ग फीट ।

> ए० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण), श्रर्जन नेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 16-4-87

## प्रकृष आहें. टी. एन. एक. .....

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

### भारत संस्कार

## क्षार्थालय, सहायक बायकर आवृक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-1, नई दिल्ली

गई दिल्ली, दिनाक 16 **अप्रै**ल 1987

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8~86/ 3225—-अनः मुझे, श्री एस०सी०गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उत्रत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाह करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट स० 1304, देविका टावर, है तथा जो नई दिल्ली-6 नेहरू पंलेस में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1986,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने इंटरने कर कारण है कि म्थापूर्वों कर संपर्ति का उचित बाजार भून्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से, एसे उच्चमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत से विध्यक है और अंतरक (अंतरकों) और अंवरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पना प्रतिक का निम्निनिचित उद्वेष्य से उचित बंतरण सिचित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण वे हुए किसी बाय की बाबत, उनक अधिनियम वी अजीन कर वेने के अन्तरफ जी दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतिय माय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६०-ग को अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मिलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) प्रगति कंस्ट्रतशन कम्पनी, देविका-टावर,
 चौथा खण्ड सोतला हाउस, 73-74, तेहरू पलेस,
 नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेण चन्द्रा जैन 55-बी, कँट, कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## जक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्ष :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की बनिध मा तत्त्रस्यन्थी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत का किसी में के किसी क्यों का इवारा;
- (क) इस स्थान के राष्ट्रपण में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के मीतर उससे स्थानर सम्मत्ति में हितनक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सन्मेंगे।

स्मध्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्त अधिनिवस दे अध्याव 20-क में वरिजाविष्ट हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिवा गवा हैं।

## जन्स्ची

फ्लैट सं० 1304, वेबिका टावर, 6-नेहरू पलेस, नई दिल्ली । क्षेत्र 560 वर्ग फीट ।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1,दिल्ली,नई दिल्ली-110002

दिनांक: 16-4-1987

प्ररूप आहर् .टी .एन .एस . ------

जायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-चं (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० श्राई ० ए० मी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/ 3228—-श्रतः मुझे, श्री एस०मी०गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट स० 1309, देविका टावर, है तथा जो नेहरू फ्लेस, नई हिली में स्थित है (ग्रौर इसने उपावद्ध प्रतुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्याक्य, सहायक ग्रायकर ग्रायकर प्रायकर प्रायकर प्रायकर प्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन, दिनाक ग्रगस्त 1986,

को पूर्वेक्त सम्पन्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गर्ड हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल ना, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीक एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं.——

- (क) अंतरण से हुई वि.सी आय की बायत, एकत अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृत्रिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की <mark>भारा 269-**म की उपभारा (1)** के अधीन, निम्नसिक्षित व्यक्तियों, अभीत :---</mark> (1) प्रगति कंस्ट्रक्शान कम्पनी, देविका टावर, जौथा खण्ड, सीतला हाउस, 73-74, नेहरू पलेस, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रदीप जैन 55बी, कैंट, कानपुर ।

(भ्रन्तिनी)

को यह सूचना कारी करके पूर्वीक्त सम्पति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील में 30 दिन की जनधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर प्वोक्ति व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया ग्घया है।

## अनुसूची

फ्लैट सं ० 1309, देविका टावर, ६, नहरू पलेस, नई दिल्ली । क्षेत्र 500 वर्ग फीट ।

> एस० सी० गुप्ता यक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्लउ-110002

दिनाक : 16-4-87

## प्रकार कार्ष्ट्र हो. युवा, एव .-----

# भागकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन स्थाना

भारत सरकार

# कार्यासय, राष्ट्रायक भावकर वायुक्त (निराक्ति)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 मर्प्रेल 1987

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/ 3230--अत: मुझे, श्री एस० सी० गुप्ता,

नावकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निर्मानयम' कहा नया हैं), को भाष 269-व के निर्मा सक्तम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मूक्य 1,00,000/- स. से निधक हैं

भौर जिसकी सं ० पलैट सं ० 1306, है तथा जो नेहरू पलेस, नई दिल्ली 1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नर्व दिल्ली-1 में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को प्रोंक्त सम्मित के उचित बाजार भून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास कर कारण है कि वधापुर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मून्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्ममान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया स्था प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विवित में अस्तिकल, निम्नलिकत उद्देष्य से उक्त अन्तरण विवित में

- (क) बन्धरण वं द्वार किवी भाष की बाबत है वक्त वीधीनवन के बनीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उत्तत्वे वचने में सुविध्य से सिए; बांट/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः वस्तः वस्तः वस्तः विभिन्नतं की भारा 269-सं के अनुसरण में, में, उत्तर विभिनियम की भारा 269-मं की उपभारा (1) के स्थीन, निम्निसित व्यक्तिको, अर्थात् ३---- (1) प्रगति कंस्ट्रक्शन कम्पनी देविका टावर, चौथा खण्ड, शीतला हाउस, 73-74, नेहरू पलेस, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मास्टर प्रसांत जैन 55, बी, कैंट, कानपुर।

(भ्रन्तिरती)

को बहु स्थान जारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के वर्षन वे लिए कार्यवाहियां धूक करता हो।

## क्यत सम्मतित के दर्शन के तम्मन्य में न्योदी मी मान्नीय ह---

- (क) इत ब्रुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीज ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से फिसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पलैट सं ० 1306, देविका द्रावर, 6, नेहरू पलेस, नई दिल्ली । क्षेत्र 325 वर्ग फीट ।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 16-4-1987

## प्रका नाही दी एन एस . -----

# बावकः श्रीपीनयम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-ए (1) के न्यीन त्यान

## राम्य संस्कार

कायाज्यः, तहायक भाषकार वायुव्य (मिरीक्षाम्)

भर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रप्रैल 1987 निदेश सं • श्राई • ए • सी • /एक्यू • / 1/37ईई/8-86/3231--भतः मुझे, श्री एस • सी • गुप्ता,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं ० फ्लैट स ० 1308, 6 नेहरू फलेस, नई दिल्ली—।

में स्थित है (ग्रीर इमल उपाबत प्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित

है), रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक प्रायकर
प्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज—1, नई दिल्ली मे भारतीय
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 के प्रधीन दिनाक प्रगस्त 1986,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के क्यमान
प्रतिफल के निए राजस्ट्रीकर्ता विसेच के बनुसार अंतरित
की गई है और मुन्ते यह विश्वास करने का कारण है कि
यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके क्यमान
प्रतिफल से, एसे रियमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्त
रुद्देश्य से उक्त अन्तरण कि स्वत में बास्तिक रूप से कियत नहीं
किया गया है 5—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी नाय का किसी धन या जन्य जास्तियां का, चिन्हों भारतीय जाय-कर मिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्योधनार्व वन्सरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा व्या स्विधा विषयः

नतः सन्, उन्त सीभीनयम् की धारा 269-न के धनुसरक वीं<sub>छ</sub> वी, उन्त सीभीनयम् की धारा 269-च की उपभारा (1) वीं स्थीन<sub>छ</sub> निस्त्विचित्त स्वीन्तवों, सम्बद्धि क्र—- (1) प्रगति कस्ट्रक्णन कस्पनी देविका टावर चौथा खण्ड, गीतला हाउस, 73~74, नेहरू पलेस, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शकुतला देवी जैमन 55-बी, कैण्ट, कानपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अयक्ति ब्वारा, अधाहस्ताक्षरा के पास निविद्य में किए वा सकीन ।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्वी

फ्लैंट सं ॰ 1308, देविका टावर 6, नेहरू फ्लेस, नई दिल्ली क्षेत्र 440 वर्ग फीट ।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, विल्ली, नई विल्ली-110002

विनांक: 16-4-87

# प्रकृत बाह्य हो . इस्तु इस्तु क्रमान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के नभीन सूचना

## नारत करकार

# कार्यानय, सहायक नायकर बाय्यत (विरीक्षण)

भ्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 भ्राप्रेंल 1987 निदेश सं० भ्राई० ए० सी ०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/ 3232--श्रतः मुझे, श्री एस० सी० गुप्ता,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पर्मात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपीत जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं ० पर्लंट सं ० 1310, 6, है तथा जो नेहरू पर्लेस, नई विल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-1 में भारतीय आयकर अधिनियम, 1981 के अधीन दिनाक अगस्त 1986.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्व से कम के कश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझाँ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्व, उसके स्यमान प्रतिफल से एसे स्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए ध्व पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- र्हेंक) जन्तरण से हुइं कि वी भाव की मावरित जनस श्रीभित्रसम को श्रभीन कर दोने को जन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा श्री लिए? जॉर√वा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार जिभिनेसम, 1922 (1922 का 11) वा उ व जिभिनेसम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा व किए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) प्रगति कंस्ट्रक्शन कम्पनी (दैनिका टानर), चौथा खण्ड, शीतला हाउस, 7,3-74, नेहरू पलेस, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री संदीप जैन 55, बी, कैण्ट, कानपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# तकत सम्मतित के क्यान के संबंध में कोई भी धार्याय है—-

- (क) इस त्यान के राज्यन में प्रकाशन की शारीख से 45 किन की अवधि या शरसम्बन्धी स्थितयों पर स्वान की सामी से 30 दिन की सवधि, जो भी विवधि साद र समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों से से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में एरिभाश्तित हैं, कहाँ कर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट सं ० 1310, देविका टावर, 6, नेहरू पलेग, नई दिल्ली । क्षेत्र 500 वर्ग फीट ।

> एस० सी० गुप्ता मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-4-87

# प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.----

जायकर अधिनिजम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यन्तिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 ग्रप्रैल 1987

निदेश सं ० ग्राई ०ए ०सी ०/एक्यू ०/1/37ईई/8-86/3233-ग्रतः मझे, श्री एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० फ्लैंट सं ० 1307, है तथा जो 6, नेहरू पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन, दिनांक ग्रगस्त 1986.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि बयाष्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल से बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, े उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रौविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) प्रगति कंस्ट्रवशन कम्पनी, देविका टावर चौथा खण्ड, शीतला हाउस, 73-74, नेहरू पलेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिक)

(2) श्री दुर्गा बाई जैन 55-बी, कैण्ट, कानपूर ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुक्त करता है।

# उपत सम्पर्शि के मर्पन के सम्बन्ध के काई भी वाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की बविध, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

फ्लैंट सं ० 1307, देविका टाबर 6, नेहरू पलेस, नई दिल्ली। क्षेत्र 560 वर्ग फीट ।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिशांक : 16-4-87

मोहर : :

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

> अर्जन रेंज-1, नई विल्ली नई विल्ली, दिनांक 16 अप्रील 1987

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- ज्यये से अधिक है

भीर जिसकी सं ० फ्लैट सं ० 1305, है तथा जो देविका टावर, 6 नेहरू पलेस, नई दिल्ली में स्थित है ( भीर इससे उपाबद भ्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायकर (निरीक्षण) भ्रजेंन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 के भ्रधीन, दिनांक भ्रायस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से एसे दूरमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण कि चित्त में वास्तिक रूप से किया गया ही:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, ग्रें, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:— (1) प्रगति कंस्ट्रक्शन कम्पनी देविका टावर चीथा खण्ड, शीतला हाउस, 73-74, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुमलता जैन 55-सी, बी० कैण्ट, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

## अनुसूची

फ्लैट सं ० 1305, देविका टावर, 6, नेहरू पलेस, नई दिल्ली। क्षेत्र 325 वर्ग फीट।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांकः 16--4-87

प्ररूप वाद्दं.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 209-ष (1) के अधीन सृष्यना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली निक्की निकास 10 थाउँच 100

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रील 1987

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/ 3237---ग्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य

1,00,000/- रा. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 2-ए, है तथा जो तल खण्ड कुदन हाउस, 16 नेहरू फ्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इस रेउपाबढ़ श्रानुसूची में पूर्व रूप रेविंग है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली मे भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1961 के श्रधीन दिनांक श्रगस्त 1986,

क्ये पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, कौर/या
- (क) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में पविधा के लिए।

- (1) टावर हाइट बिल्डिरस प्रा० लि० डी-31, माडल टाईन, नई दिल्ली । (भ्रन्तरक)
- (2) लक्ष्मी पाल धीर एण्ड सन (एच० ए एफ्क) सी-361, डिफोंस कालोनी, नई दिल्ली । द्वारा श्री एल० पी० धीर कर्ता ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कृरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुभान के राजपत्र में प्रकारन की तारीक है 45 दिन की अविधि या तरसंबधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाना;
- (स) इस मुचना के राजपत्र मो प्रकाणन को तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाम लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों बा, जो उक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अन्सधी

पर्नैट सं ० 2-ए, तल खण्ड कुदन हाउस, 16, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली--110019 । तादादी 250 वर्ग फीट ।

एस० सी०गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्राजैन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-4-87

प्रकृष शहर हो. पृत्. एस.

# शायकर व्योधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थाना

### aira Mear

कार्याज्य, तहायक आधकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें :-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश मं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8--86/ 3240--अत: मुझे, श्री एम० सी० गुप्ता,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्ष्ण अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्मति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक हैं

श्रीर िसकी सं० फ्लॅंट सं० 20, है तथा जो चौथा खण्ड, 38, नेहरू प्लेस में स्थित है (ग्रीर इस : उ गबद्ध श्रत्मूची में पूर्व रूप विजित है), एरिस्ट्रीकर्ता के अधिकारी के कार्याक्षय, सहायक कायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) रें -1, नई दिल्ली -1 में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1986, की प्रतिभक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान मन्तरित प्रतिभल के सिए की विच्यास **कि यथापुर्वोक्त** संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तिं) के बीच एसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देव क्या से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप हा कर्रावत नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्षः) संपर्ध किली काव का किली का काव का काव का किली करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अर्नेश्वित्यम, ग्रा अनकर बोधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कम्मरिती क्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था िशारे में स्विष्या के किए.

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के कथीन, निम्निलिल व्यक्तियों, गर्थात :---

- (1) गुल्मोहर एस्टेट प्रा० लिमि० 415, देवका टाबरम, 6, नेहरू पलेस, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रमित गर्ग भुपुत्र श्री रिविन्द्र गर्ग 14, कैंलाण भ्रार्टमेटस, नई दिल्ली । (भ्रन्तरिती)

को बहु भूषना वारी कारके पृवांषत संपरित के वर्षन के विष कार्यन छ कारता हुए।

जयत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुमना के रायपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, यो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति दुवारा;
- (ह) इस स्वना के राज्यन में प्रकायन की तारीं कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नमोहन्ताकारी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

शब्दीकरणः -- इतमं प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जा अध्य अधिनियम, कं अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होता, के उस अध्याय में दिशा ज्या हैं।

## धनुसूची

पलैट सं ० 20, चौथा खण्ड 38, नेहरू पलेस, नई दिल्ली— 110019, क्षेत्र 399 वर्ग फीट ।

> एस० सी०गुप्ता सक्षम प्रा**धिकारी** महायक ग्रायकर श्रायुक्त (नि**रीक्षण)**, ग्रर्जन रें में 1 दिल्ली, नई दिल्ली – 110002

विनांक : 16-4-87

प्ररूप आद्दे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रे :-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 16 श्चर्येल 1987 निदेग स० श्चर्यक ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/ 3241--श्चर मुझे, श्वी एस० सी० गुप्ता,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा स अधिक हैं

श्रीर भिकी सर पर्लेट सर 419, है तथा जो चीथा खण्ड 38 नेहरू प्लेस नई दिल्ली से स्थित है (श्रीर इससे उनाबद्ध श्रृतुसूची से पूर्व रूप रे विजित है), रिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यात्य सहायक श्रायकर अत्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रे :— 1, नई दिल्ली—1 से भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1961 के श्रिधीन, दिनाक श्रगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्हण से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत स अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाः) आर अन्तरिती (अन्तर्गितगों) क बीच एमे अन्तरण के लिए कर पाया गया प्रतिफल, निमनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की अबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा अधिए, और/मा
- (क) एंसी किसी बाय था किसी भन या बन्च कास्तियों को चिन्हों भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, स्थिपन में सुविधा के निए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) गुलमोहर एस्टेट प्रा०िस्मि० 415, देविका टावरम, 6, नेहरू प्लेम, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मास्टर निित्त गर्ग सुपुत्र श्री रिवन्द्र मार्ग 14, कैलाश श्र√ार्टमेट, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सब्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ह 45 दिन की अर्वाध या तत्संजधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (४) भ्रम सम्बन्ध के राज्ञपत्र में प्रकाशत की तारोध म 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अभूसची

फ्लैट स ० 419, चौथा खण्ड, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली— 110019, क्षेत्र 584 वर्ग फीट ।

> एस० सी० गुष्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-4-87

मोहर .

प्रकृष काहा, दी, एन एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 16 अप्रैल 1987 निदेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9~86/

3273--- अत मुझे, एस० सी० ग्ला,

आयकर आधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधानियमं कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० पलैट स० जी/8 है तथा जो 8-ए, तक खण्ड कुदन हा उस, 16, नेहरू पलेस, दिल्ली -1 में स्थित है (ग्रीर इसले उनाबद्ध अनुमूची में पूर्व रूप में वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रिधिनयम, 1971 के श्रधीन, दिनाक सितम्बर 1986,

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बात्रार मृत्य स कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य , उसके रथयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पहाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अंतोरती (जंतरितियों) के बीच ऐसे संतरण के जिए तब पाया गया प्रति-क्या निम्मिसित उद्देश्य से उच्छ बन्तरम् बिक्ति में बाक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय आग-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा जन्म विधिनयम, शा धनकार विधिनयम, शा धनकार विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तरिती धूवार प्रकट नहीं किया राग था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अत अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

- (1) टावर हाइट बिल्डिंग्स प्रा० निमि० डी—31, माडल टाउन, दिल्ली—19 (अन्तर्क)
- (2) श्री ग्रनोक धीर ग्राँर मिस स्वाति धीर सी-361, डिफेम कालोनी, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

# को यह स्वा बारी करके वृत्रोंक्य सम्पत्ति से सर्वेश के जिए कार्यवाहियां करता हो।

## सबत सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हित बद्ध किसी अन्य स्थानित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकर्ग।

भिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

401 वर्ग फीट फ्लैंट सं ० जी/8-ए, तल खण्ड कुदन हाउस, 16, नेहरू पलेम, नई दिल्ली ।

> एस० सी०गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनाक 16-4-87 मोहर प्ररूप आहू, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अभीन मचन

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज−1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987 निदेश म० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37ईई/8~86/ 3313——अत मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा , 69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर िसकी स० जी-1, है तथा जो शापिग सेटर कम कम्यू-निटी फैंसिलिटी कालकाजी नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उसबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप स विणित है), रिकस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यात्रय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जत रेश-1, नई दिल्ली -1 में भारतीय अस्यकर श्रिष्टियम 1961 के अबीन, दिनाक अगस्त 1986,

को पूर्वावत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रांतिणल के लिए अतरित की गई है और मुम्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीतशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (मंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया गितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरून से हुई फिसी जाय की वास्तु, उक्त जिश्वित्य की अभीन कर दोने के जन्तरूक के द्वाबित्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अधीत :--

- (1) भाटिया श्रनार्टमेटस प्रा० लि ० ए-18, कैंपाश कालोनी, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती विमला मेहरा द्वारा मेमर्स श्रमोलक राम श्रोम प्रकाश बजार साबुनिया गुरू बाजार, श्रमृतसर पजाब । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध म काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोइस्ताक्षरी के वास जिक्ति में विश् मा सकेंगे।

स्थायकिरण:— इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी सबसे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं भ

## नन्स्ची

जी-1, णाषिग सेटर कम कम्युनिटी फीमििंटी कालकाजी, नई दिल्ली। क्षेत्र 562.50 वर्ग फीट 1 फ्लैंट स० 102, प्रथम खण्ड।

> एस०सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली- 110002

दिनांक : 16-4-87

## प्रस्प बाइ<sup>र</sup>्टी. एवं, एस<sub>ं प्र</sub> ह------

# वायकः द्र विभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के वभीद स्वता

### मारत वरकाड

# कार्यायम, सहायक नामकर नायुक्त (र्निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 श्वर्जेल 1987 निदेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/ 3314--श्चत. मुझे, श्ली एस०सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के गधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि भावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जिन्ना, है तथा जो शापिंग सेटर कम कस्यु-निटी सेटर फैसिलिटी कालकाजी, दिल्ली फ्लैंट सं वि 103, में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप के विजत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रिधीन दिनाक श्रगस्त 1986,

को पूर्नीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान लिए बन्तिरत शक्रु हैं प्रतिफल की वरि यह विश्वास करने का कारण कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए से दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है **बौर अं**तरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) **के पीच** ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलि**खत उत्दोषम से उ**क्त अन्तरण लिखित में बास्तविकः रूप **से कवित** नहीं किया गया **हैं:---**

- [क) बन्तरन ते हुई किसी आम की बावत, डकर बिनियम के अधीन कर बेने के बतरक अ वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, विनद्दं भारतीय अधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतीरती इवारा प्रचार गढ़ी किया गया वा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः अस. उक्त अधिनियम की भारा 269-व को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

- (1) मेमर्स भाटिया मार्गर्टमेटस प्रा० लिमि० ए-18, कैलाण कालोनी, नई दिल्ली ।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री सोहन लाल मेहरा द्वारा श्रमोलक राम, श्रोम-प्रकाश बाजार साबुनिया (गुरू बाजार) श्रमृतसर - 1 पजाब (श्रन्तरिती)

कां यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां स्क करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकासन की तारीय 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किती व्यक्ति स्थापः
- (क) इस सूचना के ग्रवपत्र में प्रकाशन की तारींच वे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहंच किसी बन्ध व्यक्ति ब्वाग नभोहस्ताक्षरी के वाह निवित में किए या सकेंगे।

स्पत्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त बच्चों और वद्यों का, वा उच्च वीधनिवस, के बच्चाय 20-क में परिआविद हा, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हा।

## धनुसूची

जी-1, शोधिंग सेंटर कम कम्युनिटी फैसिलिटी, कालकाजी, नई दिल्ली प्रथम खण्ड कुल क्षेत्र 375 वर्ग फीट । फ्लैंट सं० 103 ।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक : 16-4-87

प्रकप आइ<sup>६</sup>.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 म्रप्रैल 1987

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/ 3315---म्रत मुझे, श्री एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-1, है तथा जो शापिंग सेंटर कम कम्यु-निटी फैसिलिटी कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाश्वद्व अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली -1 में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्ति रित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल ने एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरका) और अन्तरिती (अंन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक क्ष्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आधंकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अने, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) भाटिया अपार्टमेंटस प्रा० लिमि० ए-18, कैलाश कालोनी, नई विल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री भगवान दाम मेहरा गुरू बाजार, अमृतसर पजाब । (अन्तरिनी)

अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीसर पूर्विक्त उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सं 45 दिन की अविध या सत्मम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया हैं।

## नमुसूची

जी-1, मापिंग सेंटर कम कम्युनिटी फैसिलिटी कालका जी नई दिल्ली क्षेत्र 375 वर्ग फीट फ्लैट सं० 104 प्रथम खण्ड ।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जेन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली --110002

दिनांक: 16-4-87

# थक्क बाहा, हाँ, एम. एस. = - - ---

# नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के नधीन स्वना

### मार्व चर्कार

## कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रप्रैल 1987 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्पू०/1/37ईई/8-86/ 3316--श्रत मुझे, एस० सी० गुप्ता,

स्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जी-1, है तथा जो शापिंग सैंटर कम कम्यु-निटी फैसिलिटी कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व कप से विणत है), जिस्ट्रीकर्ना अधि-कारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली -1 में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तंपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्त्र के बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरभ से हुइ किसी आय की बाअत, असक अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारी प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना वाहिए था, क्रियान हों सुविधा औ लिए;

अतः जन, उनत अधिनियम की भारा 269-ग की ननुसरक को, भी, उनत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) भाटिया ग्रपार्टमेंटस प्रा० लिमि० ए--18, वैलाश कालोनी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्त∘क)

(2) श्री वीपुल मेहरा द्वारा मेसर्स अमलोक राम ओम-प्रकाश वजार साबुनीयाँ गुरू बाजार, श्रमृतसर (पंजाब) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पांस के अर्थन के लिए कार्ययाहियां शुरू करता हुं।

## अन्त सम्पत्ति के बर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप क्र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जी-1 णापिग सेन्टर कम कम्युनिटी फेसीलिटी कालकाजी नई दिल्ली प्रथम खंड फलैट नं० 105, कुल क्षेत्र 187:50 वर्ग फीट।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रापुक्त (निरिक्षण) श्रर्जेप रेंज-1, नः दिस्त्री/-110002

तारीख: 16-4-87

प्ररूप आई.टी.एनं.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यावर, सहायक कारावर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 14 श्रप्रैल, 1987 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37इड/8-86/

3317—स्प्रतः सुझे, एस० सी० गुप्ता आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रक्षावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

यौर जिसकी सं० है तथा जो जी—1 शापि गमेन्टर कम कम्युनिटी फेमीलिटी कालकाजी में स्थित है (और इसमे उपाब इ प्रनुम्ची में और पूर्ण क्य में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय महायक ग्रायकर श्रायकर विचित्त वाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पहु प्रतिवात स अधिक है और (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निकित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित सम्पत्तिक रूप से किथन नहीं विक्या गया है —

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयं की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी, धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अय, उन्नतः अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उन्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----8—76G187 (1) भाटिया श्रपार्टभेंटस प्रा० लि०, ए-18, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

श्रन्तरक)

(2) राजीव मेहरा द्वारा श्रमलोक राम ओम प्रकाश वाजार सबुनिया, गुरु वाजार, श्रमृतमर, पंजाव। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सेकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुसूची

जी~1. गार्पिंग सेन्टर कम कम्युनिटी फेमीलिटी कालका जी, नई दिल्ली। प्रथम खंड 1 फलैट नं० 106 कुल क्षेत्र 187:50 वर्ग फीट।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 17-4-1987

प्ररूप आर्द्र, टी. एस. एस.------ (1) ग्रा भी भी कि त्य पाठ विठ, 110, मेथहून

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ?69-घ के अधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयक्न (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज--1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 16 भ्राप्रैल, 1987 निदेण स० ग्रार्ड० ए० गी०/एक्प०/1/37इड/8--86/ 3318---भ्रत मुझे एस० सी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विक्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० हैं तथा जो फलैंट न० 101, एम पी डी हाउस-1 प्लाट नं० 6 मदनगीर एल एस सी नजदीक पुष्प भवन, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबह अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हूं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महायक आयकर आयकर अधिनियम अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनाह अगस्त 1986

को पर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरफ (तंतरकों) और अंतरिसी (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे अभ्तिक रूप में किथन नहीं किया गया है -----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स्त) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुदिधा के लिए;

अतः अब, उयत अधिनियम की धारा 269-म के अनसरण में, में, उबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) एम भी भी किलात्म पाठ विठ, 110, मैथकूत 94. नेहरूलिस नई दिल्ली।

(भ्रन्त√क)

(2) श्रपंणा भल्ल (छोटा), यू/जी संतोप देवी मल्ल 40, स्ट्राट राङ, चौरा पट इस न० 2, कलकत्ता (पल्लिगी)

का यह सूचना जारा करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए भार्यवाहियां करता हो।

उवत संपत्ति के अर्पन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख़ से 45 दिन की अविध सा तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की रामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद भें समात्त होती हो, के भीनर पूर्वित व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निकास में किए जा सकेगे।

स्पष्टिक्षिरण: --इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **प्रनु**सुची

फलैंट नं० 101, एम पी डी हाउस-1, प्लाट नं० 1 मदनगीर एल एस सी, नजदीक पुष्पभवन, नई दिल्ली नावादी 257 वर्ग फीट।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक श्राधुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1. नई दिल्ली

तारीख: 16-4-1987

ध्रद्भ्य च हु" टी एन .एस ----

# बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचमा

भारत सरकार

भागनिय शहायक भागकर भागकत (निरीक्षण) धर्मन रेज-1 नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली दिनाक 16 श्रप्रैल, 1987

निदेश स० ग्राई० ए० सी०/एक्प०/1/37ईई/8-86/ 3319—- ग्रन मुझ एस० सी० गुप्ता

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सके परणात 'उकत अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हु" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हु"

और जिसकी स० है तथा जो पलैट न० 120 एम पी डी हाउम 1 प्लाट न० 6 मदनगीर एस एल सो नजदीक पुष्प भवन नई दिल्ली म स्थि। है (और इसमें उपावद अनुसूची में पूर्ण क्प र विणा है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सहायन ग्रायकर ग्रीपुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेज-1 नई दिल्ली म सार्तीय ग्रायकर ग्रीविनियम 1961 के ग्रवीन तारीख ,श्रगस्त 1985

को पूर्वाक्त स्पित के उचित बाजार मृत्य सं कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करन का कारण है कि सथापूर्वाक्त सम्मात का उचित बाजार बृह्य, उसके क्यमान प्रतिफल सं, एस स्वयमान प्रतिफल का नन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतरितिया) के बीच एसे अतरण के जिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य म उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक क्य सं कि कि नहीं किया व्या है कर

- (क) अन्तरण स हुइ किसी भाग की बाबत, उक्त शीपिनवृत्र से अधीन कर दोने के अन्तरक के वादिएवं में कमी धरमें या उसने मचने में सुनिधा के लिए; सांद्र/या
- (म) एंडी किसी भाग या किसी अन या बन्य आस्तिकां को जिन्हों आरतीय मान्-कार अभिनित्रमा 1922 (1922 को 11) या जनत अभिनित्रमा या भूमकर महिभूनियम, 1957 (1957 को 27) में मुख्युमार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किमा गया या किया गया चाहिए था, कियान भे स्थित के विधः;

अनः अबः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-म कं अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीत् .-- (1) एस पा डी बिल्डमर प्रा० लि०, 110 मेधदूत 94 नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रानन्दशकर मल शृंशी मागरमल 40, स्ट्रांड रोड चौथा खंड ६म न० 2, त्रलकता। (श्रन्तरिती)

का यह मूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अपने के सम्बन्ध में कार्ड भी बार्सप उन्न

- (८ १स महता के राजयण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की नविष, जा भी स्थित नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राॅक्ष स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस ब्रांचन के राजध्य में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सापत्ति में हित्तबब्ध किसी जन्म व्यक्ति इंगरा जभोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए का सकतें।

स्पश्चीकरण -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पर्वो का, जो उत्तर अधिनियम, के लध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां कर्ष हागा, जो उस लध्याय में दिया गृक्ष ही।

## **अन्स्ची**

प्लैट न॰ 102, एम पी डो हाउस-1, प्लाट न॰ 6, मदनगीर एल एस सी नजदीक पुष्पमत्रन, नई दिल्ली । लादादी 368 वर्ग फीट। है

> ण्म० मी०गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नारीख 16-1-1987 भाहर. प्ररूप आहा. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 16 ग्रप्रैल 1987
निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/
3320--श्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसर्ध इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिल्लका उचित साजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट सं० 103, है तथा जो एम० पी० डी० हाउस. मदनगीर एल एससी० नजदीक पुष्पभवन, नई दिल्ली तादादी 410 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कन के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तीरत को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का कारण प्रतिफल का नम्बद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया मूचा प्रतिफल फर ही कारलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से अविद्य स्वी रिक्षण प्रमा है क्ष्म-

- (क) अप्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त गीधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बादित्व मीं कभी करने या उससे मचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) प्रेसी किसी आय या किसी धन या जन्य शास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा खे लिए;

अतः अब, उपल अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु---

- (1) एम० पी० डी० बिल्डिय्स प्रा० लिमि० 110, मेघदूत, 94, नेहरू पलेस, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
  - (2) श्रीमती संतीप देशी मल्ल 40, रुंण्ड रोड, रूम सं० 2, चौथा खण्ड, कलकत्ता ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उपत् सम्परित के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई' भी बाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भातर उक्त स्थावर तक्षित में हिल बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टोकरण:---इसमों प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 23-क स ६,६४।१४त है, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलैट सं० 103, एम० पी० द्वी० हाउस-1, 6, मदनगी र एल० एस० सी० नजदीक पुष्पभवन, नई दिल्ली तादादी 410 वर्ग फीट ।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली-110002

विनाक : 16~4~87

# प्रकार बार्ड : हो. एत. एष. .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के नभीन सुचना

### 小说 对规则是

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. में अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट सं० 105, एम० पी० डी० हाउस.

1. मदनगीर एल० एम० सी नजदीक पुष्प भवन, नई दिल्ली तदादी 440 वर्ग फुट मे स्थित है (और इससे उपाबह श्रनु-सूची में पूर्य स्प वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्शालय. सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली-1 में भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 के श्रधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रियम्त के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह निष्यास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके द्रुयमान प्रतिफल सं, एसे द्रुयमान प्रतिफल का पंवह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेश्य में उक्त अन्तरण लिखित पं वास्तिक रूप में कथित एहीं किया गया हैं है.....

- (क) अन्तरण वं हुर्द कियी काव कर्ष वावद , उक्त विविद्युत के बंधीय कार दोने को वंदप्रक को वायित्य में कामी कारने या उद्देश वर्षण में स्वित्र की निष्; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 11922 के 11 के जनस्य अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के जनस्य अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के जनस्य भारत का साहिए था, क्यान में सृद्धिया की लिए:
- कर. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मी जन्म अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा ()) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

- (1) एम० पी० डी० बिल्डिंग्स प्रा० लिमि० 110, मैघदूत, 94 नेहरू पलेस, नई ब्रिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मागर मल40, छंद्र रोड, चीया खण्ड म्म मं० 2, कलकत्ता-।

(भ्रन्तरिती)

को वह स्थवा प्रारी करके पूर्वीक्षत मञ्जीश का उर्जन क नित्र भाववाहिया सुरू धरता है।

तक सम्मति के वर्जन के सम्मन्य के का के भी नारूप --

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जनीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो औ अवधि करा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति तुकात;
- (क) इस स्थान के राजपथ में प्रकारतात अने हारीन में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर ममारित में दिल-ब्युथ किसी व्यक्ति द्वारा. अशोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमे प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिष्म के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा जा उस अध्याय में श्विम निया है।

## अनुस्थी

प्लैट स् 105, एम० पी० डी० हाउस-।, मदनगीर एल० एम० सी०, नजदीक पुष्पभवन, नई दिल्ली नादादी 440 वर्ग फीट ।

> एम० सी० गुप्ता मक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेग-1 दिल्ली, नई दिल्ली--110002

दिनांकः 16-4-87 मोहरः

# प्रक्ष आहें . ही . एन . एस . -----

क्षाभव्यत् अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वनः

### भारत सरकार

## कार्याभय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई **दि**ल्ली नई दिल्ली, दिनांफ 16 श्रप्रेल 1987 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एकपृ०/1/37ईई/8-86/ 3322--श्रत मुझे, एस० सी० ग्ष्ता,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पर्वाद 'उक्त निर्धानयम' यहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्नेट स० 101 , बिल्डिंग स० 4. पुष्प बिहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में पूर्ण क्य से बिणित है) रिजस्ट्रीकर्ना आधिकारी के कार्याला, सहायक आयकर आएक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय आकर्य अधिनियम 1961 के अधीन, दिनाक आपकर अगस्त, 1986,

की पूर्व सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के छरयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गृष्ट हैं और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यभापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके छरयमान प्रतिफल सं एस इश्यमान प्रतिफल का, पदह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्ति में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, वा धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुया था या किया याग वा या किया याग वा किया याग के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण मी. मी., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपमारा (1) के प्रतीन, निम्नोनियित व्यक्तियों अर्थान् :---

- (1) श्री राजेश जैन ।

  54-भोगल रोड, जगपुरा, नई दिल्ली ।
  (ग्रन्तिरिती)
- (2) किर्ण कपूर सी-12, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली । (ध्रन्तस्ति)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यचाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि , जा भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ख्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हिटबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताश्ररी के पास चिकित में किए जा सकींगे।

स्पष्धिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

### अनसची

फ्लैट सं० 101, बिल्डिंग सं० 4, पुष्पविहार, नई दिल्ली व क्षेत्र 324 वर्ग फीट ।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक . 16-4-87 मोह≀ : प्रकप बाई टी.एन.एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-थ (1) के अभीन मुखना

भारत सरकार

धार्यालय, महायक तायकर वायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 ग्रप्रैल 1987 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई8-86 3223--म्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्त्र प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि कार निर्माण विस्ता उचित व्यवस्य 1,00,000/- रा से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 102, है तथा जो बिल्डिंग सं० 4, पुष्पविहार नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाब द्व अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली 1 में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनाक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह शिर्अन से स्मेन्त्र है और संतरक (बसरका) और वंतरितों (अंटरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- कम निमालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्ति- विश्व क्ये से किया भया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधिन्यम के बचीन कर घेने के बंदारक की बाबित्य में कभी करने या उत्तर्ध क्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) बुजेश जैन 54, भोगल रोड, जंगपुरा, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) एच० के० कपूर श्री मी-12, ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली --1

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बदिए या नत्माकाती व्यक्तियों पर स्वता की ताशील से 30 दिन की बविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के पीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में में किसी नारिए दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन के भीतर उच्ने 'शावर सम्पत्ति में द्वित वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में दिश जा सकी थे।

स्पष्टोकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम के बच्चार 20-क में परिभाषिक है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिखाः

# अन्सूची

प्लैट सं० 102, बिल्डिंग सं० 4, पुष्पविहार, नई दिल्ली क्षेत्र 324 वर्ग फीट ।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-4-87

# प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सम्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 ग्रप्रैल 1987

निदेश म० आई० ए० मी०/एक्यू०/1-37ईई/8-86/3324--प्रत. मुझे, एस० मी० गुप्ता,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रशास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100.000/- रुपये से अधिक हैं

प्रीर जिसकी सं फलेट सं 1044, विल्डिंग सं 4, है तथा जो पुष्प विहार, नई बिल्ली में स्थित है (श्रीर उसरे उपावस प्रमुर्सा में पूर्व स्प में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधनारी के कार्यालय महायक ग्राधकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रिधनिरुग, 1961 के ग्राधीन, दिनार ग्रायक्त 1986,

का' पर्वाक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित वाजार मूर्य, उसके दश्यभान प्रितिकल से एसे दश्यमान प्रितिकल का पंत्रह प्रितिका से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रितिकल, बिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपल अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अपेर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय अप्य-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री राजेश जैन 54, भोगल रोड, बंगपुरा, नर्व दिल्ली ।

(ध्रानरक)

(2) एन० के० कपूर (एन० यू० एक०) थो-12, ग्रेटर कलाण-1, नर्ग दिल्ली ।

(प्रनारिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुखना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से बिन्मी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुस्पी

फ्लैट सं० 104, बिल्डिंग सं० 4 पुष्प विहार नई दिल्ली क्षेत्र 316 वर्ग फीट ।

> एस० मी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1100002

अन. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मा, मी, उदत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अधीत् ६——

दिनाक : 16-4-87

प्ररूप आई.टी एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रर्पल 1987

निदेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/3325--अत मुझे, एस० सी० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्पित्त, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं और जिसकी म० पलैंट म० 105, बिल्डिंग म० 4, हैं तथा जो पुष्प बिहार, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रींर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रिधिनयम, श्रुजंन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम,

1961 के प्रधीन , विनांक प्रगस्त 1986, को पूर्वों कर सम्पत्ति के अधित बाजार मृत्य में कम के क्रथमान प्रतिक्त के लिए अन्तरिस की नहां हैं और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उणित बाजार बूस्य, उनके क्रथमान प्रतिक्त से, एसे क्रथमान प्रतिक्त का पंत्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) आहु अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मिजित उज्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं :——

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की वावतं, इक्छ ग्रीधीनयम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के कैस्प: वॉर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आन्सियों को. जिन्हीं भारतीय गयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपान में सुनिया के िकए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निक्नुलिखित व्यक्तियों, अधीन किन्न 9—76GI/87

- (1) श्रीमती मुणीला दरयानी सी-103, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री एच० के० कपूर (एच०यू०एफ०) सी-12, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के उर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राइएं?
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास सिबित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिक रण: -- इसर्ने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियन के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया ग्या है।

## मन्द्रभी

फ्लैट स॰ 105, बिल्डिंग मं० 4, पुष्प विहार, नई विल्ली। क्षेत्र 263 वर्गफीट ।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-4-87

# प्ररूप जाई टी एन एस.-----

आयकर अधिनियर, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए के अधीन सुचना

भागत मरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 धर्पेल 1987 सं॰ धाई॰ ए॰ सी॰/एक्य्॰1/37ईई/8-86/3326---

**ग्रतः मुझे** एस० सी० गुप्ता,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परवाद 'जबन अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण के कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1..00.000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 2/5 है तथा जो शेयर प्रापर्टी नं० डब्ल्यू-14, 500 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रिनियम के श्रिधीन दिनांक श्रगस्त 1986

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूष्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त नंपरित का जीवतं काजार मृल्य, जसके हथ्यमान प्रतिफाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्तह प्रतिशास से बंधिक है और मंतरक (अंतरकों) और अंतरिती को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित जदद्रक्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तियक क्य स किनत नहीं किया म्या है —

- (क) स्पारण से इंड्ड किसी जाय की बाबस, अक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के योगस्त में कमी करत या उससे बचने में सृविधा के लिए, ऑद/या
- (क्ट) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, १००० (1922 का 11) या उपन अधिनियम, जा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थ अन्तिरी देशरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शिहिए था, श्रिपान में स्वित्य के लिए,

अतः अवा, उत्यत् अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (।) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री बलगज कुमार सूद एस-59, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली। (श्रन्तर्क)
- (2) श्री शक्ति कपूर,
   63/5 एन० ई० ए०, ओल्ड राजिन्दर नगर,
   नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह स्चनः जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन से निष् कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यद्धिकरणः -- इसम प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उसत अधिनियमः, के अध्याय 20-कः में परिभाषित हुँ, वही अर्धहारा जो उस अध्याय में दिया नया हुँ।

### **क्ष्म् सी**

2/5 शेयर प्रामर्टी नं० **इ**ब्ल्यू-14 तादादी 500 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली ।

ए० सी० गुप्ता सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-।, नई दिल्ली-110002

विनांक 16 श्रप्रैल 1987 मोहर मक्प मार्ष . शी., एस. एस. ०००००००

# आयकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 48) की भारा 269-व (1) के विभीन कुचना

### STEEL SECTION

# कार्याजय, शहायकः सायकर बायुक्त (निरुक्तिक)

न्नर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रप्रैल 1987 निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/डब्स्यू०/1/37ईई/8-86/ 3327--श्रत मुझे, एस० सी० गुता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन अक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- इत. सं अधिक है

और जिस की सं 2/5 है तथा जो मैयर प्रापर्टी न० डब्ल्यू-14, ताबादी 500 वर्ग गज थ्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित हैं), जिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर श्राधुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, के श्रधीन दिनाक श्रमस्तै 1986

का पूर्वोक्त सम्परित के उजित बाजार मूल्य से कम के पश्यमाम प्रित्मिक के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उजित बाजार भूल्य, उसके द्रयमान प्रतिकल स एस दश्यमान प्रतिकल का भद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बतरिती (अंतरित्या) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण सिंखित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की वायत उथत जिथ-निवम के जभीन कर वान के बास्तरक के बायिस्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए अति/या
- (क्ष) एसी किसी भाग या किसी धन या जन्य जास्तियों कां, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकृष्णनार्थ अन्तिरिती क्षाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को न्या है प्रकृष्ण न्या था स्व

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:— (1) श्री बलराज कुमार सूद,एस-59, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री शिवांगी कपूर, 65/5, एन० ई० ए० ओल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(म्रन्तिरती)

कां वह स्थान भारा अध्ये पृष्णिच्यः सम्पत्ति कः वर्षन को सिष् गार्थनाहिया सुक्त कार्यन हुए ।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कार्य भी आक्षप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विभ की अनिध ना तत्त्वज्वन्धी व्यक्तिएगां दर सूचना की तामीज में 30 विन की जविध, का भी अनिध नाव में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी ये किस वृक्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीश से 45 पिन के भीधर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अभाइस्ताक्षरों के यांच स्थापन में किए जो सकता।

स्पन्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपका किंधिनयम, के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो एक बध्याय में विका

# अभूसूची

2/5 शेयर । प्रापर्टी न० डब्ल्यू-14 तादादी 500 वर्ग गज टेर कैर ग्रेटर कैलाश-।, नई विल्ली ।

> एस० सी०गुप्ता सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-। नई दिल्ली-110002

दिनाक 16 अप्रैल 1987 मोहर . प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 म्रप्रैल 1987

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एभ्यू०/1/37ईई/8-86/3328--म्रत मुझे, एस० सी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1/5 है तथा जो शेयर प्रापर्टी नं० डब्ल्यू-14, ग्रेटर कैलाश-1, में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज-1, दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक अगस्त 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उिचत बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वेदेश से मुक्त अन्तरण जिखित बास्टिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

(क) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री बलराज कुमार सूद,एस-59, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
- (2) मास्टर सिद्धार्थ कपूर, द्वारा पिता और म्रभिभावक शक्ति कपूर, 63/5, एन० इ० ए० ओल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्श सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या त्रसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्कत स्थावर सम्पक्षि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकीं।

स्थष्टीक रणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

## अनुसूची

1/5 प्रापर्टी मेयर नं० डब्ल्यू—14, तादादी 500 वर्ग गज । ग्रेटर कैलाग—1, नई दिल्ली ।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्र जैंन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

बदः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें, बें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातः:——

दिनांक: 16 **भग्रै**ल 1987

when the state out come ----

# माथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के मधीन स्वमा

### मारम हरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्पू०/1/37ईई/8-86/

3329—–श्रतः मुझे, एस० सी० गुता, त**मकर क्र**िंगियम, 19८: (1961 का 43) <sub>।</sub>

नामकर किंपियम, 19८ ! (1961 का 43) (असे इसमें इस

और जिस की सं० 1/3 है तथा जो शेय पापर्टी नं० एन-118, तादादी 300 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप ने वर्णणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक अगस्त 1986 को

को पूर्वाक्स सम्मित के उभिन्न बाजार मृत्य से कम के दूरमान प्रोतफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुम्मे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मित्त का अधित काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण श्रिमिसत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क), ब्रुवारण सं कृषं शिक्षवी वाय की बावस्त, स्प्रुत् व्यक्तिवृत्त्व के ब्रुपीय कर दोने के बन्धरक के ब्रुवारण में क्वी कड़ने ना अवने स्पर्न में सुविधा के सिए; कुरि/ना
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अभि जिन्हों भारतीय आय-कर जीधनियम, 1922 (1942 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रशासनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट महा किया समा था किया जाना चाहिए था, ख्याने स स्थिभा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एस० तिलोचन सिह, श्रानन्द, ए-3, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स महाजन फाउडेंशन द्वारा ट्रस्टी लिलत महाजन, 1411 चिरतजीव टावर, 43, नहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(फ्रन्विकी)⁵

का यह स्वता जारी करके प्योंक्त सम्मिति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करका हु।

दक्त सम्पत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क्ष के 4.5 किन की अविश्व या तत्सम्बन्धी न्यिक्त यों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी विश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थित यों में से किसी स्थानत इंतरा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के गाय सिम्बित में किए जा स्कॉगे।

वस्टोकरण --- इसमें प्रमुक्त कान्यों और पर्यों का, जो उक्स अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में विकर प्राही।

## अनुसूची

पी० नं० 1/3 शेयर एन-118, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली तादादी 300 वर्ग गज।

एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

दिनांक 16 भ्रप्रैल 1987 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय , सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्राजैन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनाक 16 श्रप्रैल 1987 व्हेंग्र सुरुपाई० ए० सी०/एक्य०/1/37ईई/8—86/3

निर्देश स० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/3330--

न्नत मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिस की स० 1/3 है तथा जो भाग प्रापर्टी न० 118, तादादी 300 वर्ग गज ग्रैट कैलाश-1, नई दिल्ली ई स्थित 2 (और इस र उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधि-कारी के कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनाक अगस्त 1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यं, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियो, अर्थात् .— (1) श्री एस० द्विलोचन सिंह, श्रानन्द ए-3, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्त**र**क)

(2) मास्टर जैतिन महाजन और नीतिन महाजन द्वारी पिता और श्रमिभावक श्री लिखत महाजन 218, गुलमोहर पार्क, नई बिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सबध में कोई भी आक्षप .--

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबय्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जनसंची

1/3 षोयर प्राम₄ न॰ एन—118, तादादी 300 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश—1, नई दिल्ली।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम श्रधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, मई बिल्ली-110002

दिनांक ' 16 श्रप्रैल 1987 मोहर: अक्ष्य बाह्य तो एन एक - - - --

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) अ अधीत स्चना

### मारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयक्त (निरक्षिक) प्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 16 प्रप्रैल 1987 निर्देश स० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/ 3331- प्रत मुझे, एस० सी० गुण्ता,

बायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00 000/- रु से अधिक है

और जिमकी स० है तथा जो 1/3 शेयर प्रामर्टी न० एन-118, ग्रेटर कैलाग-1 में स्थित है (और इस उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-1, दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 के प्रधीन दिनाक ग्रगस्त 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के ठीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिसित में ब तिवक्त हुए में कथित नहीं किया गया है ---

- रेंक) जन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उपत बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के व्यक्तियम के कभी करने या उससे व्यन में स्विधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियन, 1922 (1922 का 17) या उन्हें जिन्ही किया था। अने जिन्ही किया था। धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं थिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क कवीन, जिम्मिनिस्ति स्यिक्तयों, अधीत :--- (1) श्री एस० विजोचन सिंह ग्रानन्द, ए-3, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्त≀क)

(2) श्री श्रनिला महाजन, 218, गुलमोहर एकलेव, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 जिन की सबीध या तत्त्वस्थानी व्यक्तियाँ पर सचना की हामील में 30 दिन की सबीध, शो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविध द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपच में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किनी अध्य व्यक्ति द्वारा जपहिस्ताक्षरी की पास निवित्त में किए जा सकेंगी।

स्पादशीकरणः ----इसमं प्रमृत्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ है या अप उस अध्याय में दिशा गया है।

## वन्त्यी

1/3 शेयर प्रापिट न० एन-118, नादादी 300 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-1, नई विस्ली।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्रधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2 नई दिल्ली-110002

दिनाक: 16 ग्रप्रैल 1987

प्ररूप आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रप्रैल 1987 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एवयू०/1/37ईई/8-86/ 3332--श्रतः मुझे, एम० सी० गुण्सा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारी का यहिवश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/ रह. से अधिक है

और जिस की सं० है तथा जो प्रापटीं नं०ए-3, नीति बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उराबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज-1 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 के श्रिधीन तारीख श्रगस्त 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में किम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए हम पाण गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिल्हा वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/शा
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आये कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैं ॰ पाल एंड पाल बिल्डरस लिमि॰ 70, रीगल विल्डिंग, कनाट सर्कम, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सत्य पाल बंसल और श्रा बी० श्रार० चौपडा, बी-15, ग्रेटर कैलाश-1, चौपड़ा नई दिल्ली महरोली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिरों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागी।

स्थक्तीकरणः — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

हाक बिल्टि प्रापटों नं० ए-3 नीति बाग, साथ में पलाट के निचे का भ्राधा भाग 426,66 वर्ग गज भ्रपूर्ण कंस्ट्रक्शन 18-6-86 तक बनी हुई।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम ध्रधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजैन रेज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16 भ्रप्रेल 1987

मोहर '

प्रकप आई.टी.एनं.एस.-----

जाबफर अधिनिसस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के जधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यांच्य , सहायंक वायंकर वायंक्त (निरीक्षण) क्रजैन रेंज-1, मई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 भ्रप्रैल 1987

निवेश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/3333-- धत मुझे, श्री एस० सी० गुप्ता, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं 16217 एण्टायर दूसरा खण्ड स्प्लाट सं 14/17, है तथा जो एस एस मदनगीर, नई दिस्सी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता धिकारी के कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (नरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिस्सी-1 में भारतीय धायकर धिनियम, 1961 के धिनी, दिनोक धगस्त 1986

कर्त पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथप्पूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके क्ष्यमान प्रतिकल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और (अंतरकार) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं तिकया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अधं, उक्त अधिनियमं, कौ भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्मिन विकास विकास विकास किल्ला क्ष्मिन क्ष्मित् क्ष्मिन क्षमिन क्ष्मिन क्ष्मिन क्षमिन क्ष्मिन क्षमिन क्ष

- (1) मैं ॰ केप्रीकोन इण्डस्ट्रीज लिमि ॰ बी-4/205, सफदरजंग एंक्लेघ, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) मैं ॰गमन इण्डिया लिमि ॰ गमन हाउस, बीर सावरकर मार्ग, बम्बई । (धन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मेत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

## भगसूची

एंटायर दूसरा खण्ड प्लाट सं० 16/17 एल० एस० सी० मदनगीर, नई दिल्ली । क्षेत्र 4000 वर्ग फीट ।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, विस्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक : 16-4-1987

प्रारूप आई. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

काबालय, सह । का बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 16 ग्रप्रैल 1987

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/4-87/ 3334--श्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मल्य 1,00,000/-रुपयं से अधिक हैं।

और जिसकी सं० सी-7/2, है तथा जो बसंत विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इस उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज-1, नई दिल्ली मे भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन, दिनाक ग्रप्रैल 1987 को इबांवित सम्मत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कत सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके इरयमान प्रतिफल से, एसें इरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी अय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में लिए: और/या
- (ह) एरेकी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम. या धन-कर आधि-1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नइ। किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अन्तररण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

- (1) श्री डी० सी० जैन, सुपरिन्टेडेंट इंजीनियर, म्राकाशवाणी<sub>ः</sub> रेडियो इ**दौ**र । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पी० के० जैन, सी-7/2, बसंत विहार, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पर्वीक्ट सम्बन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुकारा;
- (स) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर समात्ति में द्वितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुशरा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में ळिए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त बद्धों और पदी का, अधिनियम के अध्याप 20-क में परिकाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्यी

सी-7/2, वसंत विहार, नई दिल्ली । क्षेत्र 5000 वर्ग फिट ।

एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक: 16-4-87 मोहर .

# फ्रेंक्प कार्ड ही एम एम -----

काय कर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन स्वना

## भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 13 ग्रप्रैल 1987

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० ग्रार०-1/8-86/781—ग्रत मुझे, टी० के० साह,

बायकर बिंकियम, 1961 (1961 का 43) रिंपसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत बिंपिनयम' कहा क्या हूं, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० सी-8/16, है तथा जो माडल ढाउन, क्षेत्र मिलकपुर छावनी, दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली -1 मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक अगस्त 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान इतिकल के लिए बन्तरित की गई है और पृथ्वे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बन्नार कृष्य, उन्न दृश्यभान प्रतिक न के एोचे क्ष्यमान प्रतिक न के स्थापूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (बंदरकों) और बतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ण्या प्रतिक न निम्निलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जनराजन से इंदुर्ग जिल्ली आन की आवत, जनराज्य के अधीन कर योगे के असराज्य के बाधीन कर योगे के असराज्य के बाधित्व में केनी करने या उससे वेचने में सुविधा आर/या
- (क) एंसी किसी बाव-वा किसी धन वा बच्च करिस्ता किसी विन्हें भारतीय वायकर वाधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासमार्थ बन्तिरती देवारी प्रवाद नहीं किया करा विवास कर्ति किया करा विवास करा विवास करा करा विवास करा विवास

कत. बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, धक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिद्धत व्यक्तियों, अधीत :— (1) श्री प्रीतम सिंह शुपुत्र श्री सज्जन सिंह औरश्री दलजीत सिंह सुपुत्र एस० प्रीतम सिंह 1880, भगीरथ वैलेस, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुखबीर सरल श्रग्रवाल सुपुत हरिराम श्रीमती पुष्पा श्रग्रवाल पत्नी सुशबीर सरन श्रग्रवाल, अझान कुमार सुश्रुत्र सूखबार सरन अग्रवाल, मास्टर श्रज्य कुमार श्रग्रवाल श्रीर मास्टर श्रनूष कुमार श्रग्रवाल सुपुत सुखबीर सरन श्रग्रवाल पिता/ श्रविभावक सुखबीर सरन श्रग्रवाल, 2023, कटरा लच्छु सिह फाउटेन, दिल्ली ।

(अन्तरितं)

का यह संचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की सारीख से 45 दिन की त्रविध या तत्सम्बन्धी अयक्तियां पर सूचना की तानीन में 30 दिन की क्विप, को श्री अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकोगे।

स्पटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पदों का, जो उनल नायकर किपीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, 'वहीं अर्थ-हांगा जो उस अध्याय में दिया बढा-हैं।

# वन्स्यो

क्षाई स्टोंरी हाउस सं० सी-8/16, तादादी 487.5 वर्ग गज स्थित माडल टाउन, क्षेत्र मिलकपुर छावनी दिल्ली राज्य, दिल्ली ।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ़(निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-4-87

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1' के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 प्रप्रैल 1987

निदेश सं० भाई० ए० पी०/एक्यू०/6/एस० भार०-1/ 8-86/784--श्रत मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-2/65 है तथा जो राओरी गार्डन, क्षेत्र बसई दारापुर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली। में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तीक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उकत औध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चिहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) में अधीन, जिस्नीलिसिस व्यक्तियों, अधीत् :—

- (1) श्री अत्तर सिंह सुपुत्त श्री प्रवान सिंह श्री सेवासिंह सुपुत श्री प्रदान सिंह और केशर हिंह सुपुत प्रवान सिंह एटोरनी परसराम सुपुत्र कांशी राम निवासी—ए 2-/65, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली। (भन्तरक)
- (2) श्री प्रमोव कुमार राकेश कुमार, श्री कमल कुमार सुपुत श्री परसराम निवासी—-जे-76/77, राजोरी गाउंन, नई विल्ली। (भन्तरिसी)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- -(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रवृक्त शब्दी और पदों का, जो उपक अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गाया है।

## नगुसूची

मकान स॰ ए-2/65, तादादी 29534 वर्ग गज स्थित राजोरी गार्डन, क्षेत्र बसई दा्रापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली ।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक : 13-4-87

प्ररूप आई. टी. एत. एस.-----

नायकर जीधीनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जावकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मप्रैल 1987

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करणें का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट स० 9 है तथा जो भ्लाक-5-सी तावादी वार्ड नं० 16, रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से एसे द्रश्यभाग प्रतफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिकल निम्नलिचित उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वादित्व में कमी करने या उससे वचने में तृत्रिक्षा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन वा जल्ब आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनिवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिवन, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गंवा वा का किया जानव चाहिए था, कियाने ने स्विधा के लिए;

मतः वयं, उक्त विभिन्नियमं की भारा 269-गं के अन्ध्रतरण में, में, उक्त विभिन्नियमं की भारा 269-चं की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तिकों, वर्षात् :--- (1) श्री ताराचस्य सुपुत्र श्री बरकतराम गम्भीर श्री कस्तूरी लाल सुपुत्र श्रो ताराचस्य गम्भीर, श्री बोधराज सुपुत्र श्री ताराचस्य गम्भीर , मकान नं० 1210 गली सं० 11, सदर बाजार, दिल्ली ।

(भन्तरक)

(2) मेसर्स धार० एन० गुप्ता और सुपुत्र (एखयूएफ) द्वारा कर्ता रामनिवास मेसर्स गुप्ता राजा राम एण्ड संस (एच०यू०एफ) द्वारा कर्ता राजा राम मेसर्स जयभगवान एण्ड संस (एच० यू० एफ०) द्वारा कर्ता जय भगवान डी-28, मनोहर पाकं, नई दिल्ली (भन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति तंत्रीत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस नुषमा के राजपत्र के प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तानील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इत सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रवक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

### अम्सूची

प्रापर्टी प्रकोठी मनका बिल्ट ढाई स्टोरीप्रथमी प्लाट सं० 9, ब्लाक 5-सी तादादी वार्ड सं० 16, रोहतक रोड, नई दिल्ली क्षेत्र 367:56 वर्ग गज खसरा सं० 1057/153, खेवत सं० 1, खटानी सं० 1046/1, बाग रावजी, विल्ली ।

> टी॰ कें॰ साह सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (मिरीक्षण घर्णन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिमांक : 13-4-87

# प्रकृष बार्च .बी. एन एसं . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (191 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन म्चना

भारत सरकार

# कार्याक्य, सहायक वायकार वायुक्त (निरीधाण)

मर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 13 अप्रैल 1987

नावकर निर्मायम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रपाद 'उन्त निर्मायम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के निर्माय कार्य प्राधिकारी को यह विश्वाय कार्य का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, विसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/-छ से विश्व हैं

प्रीर जिसकी स० , है तथा जो नं । संसारी रोड दिरयागज, दिल्ली तादादी स० 4222 में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व कम से बाँगतहैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली —1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक अगस्त 1986, को पूर्विक सम्पत्ति के बिचर बाजार भून्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के क्लूड इतिशत सं अधिक हैं और अतरक , तिरकां) आर अठ रिती (जंतरितियाँ) के दिन एसे जतरक के तिए तय पाया का प्रतिकत निम्निविचित उन्नदेश से जेक्ट बंतरण जिल्ला में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है ——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनियम के सभीन कर देन के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; जीर/या
- (क) एसे किसी नाव वा किसी धन वा अन्य आस्तिकों कारे, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या चन्-कंट विधिनियम, या चन्-कंट विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासिती असीरती प्रवास प्रकृति नहीं भिन्ना नवी वा सा किया जीती विद्या प्रकृति कर किया के लिए।

त्रतः सब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए की बहुसरण वी, वी, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए की उन्धारा (1) कुंबजीन, निम्नतिबित व्यक्तियाँ बर्जात् :--

- (1) रॅबिन्दरे शॅकर मायुर, मिस्टर मनिल शंकर, श्री राकेश शकर माथुर, निवासी—ई-313, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली विनय शकर माथुर निवासी—के-34सी, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) ऋषि इजीनियरिंग एण्ड कस्ट्रक्शन प्रा० लिमि० के-41, हौजखान एंक्लेब, नई दिल्ली-110016 (श्रन्तरिती)

को बृह बूचना वारी करके वृदोंकर वृत्यांतर वृत्यांतर के वर्षन के विक् कार्यवाहिया बूक करता हुं।

वर्षा वंभाय के बर्वन के वर्णन्य में कीई भी शासेर :-

- (क) इस ब्यामा के राजधन में प्रकाशन की तारीच त 45 दिन की मधींच या तत्सन्यान्य व्यक्तियों पर ब्यामा की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को बी अविभ बाद में समाप्त हाती हो, के भौतिर पूर्वितित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (व) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीय में 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितनव्य किमी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहर्स्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

रमध्यक्रियण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, को अवस्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, बहुत अर्थ होंगा को उस अध्याय में विका मुक्त हैं।

# **ज**तुबुधी

क्षेत्र तावादी 348:9 वर्ग गज दो मंजिल जो 1, ग्रंसारी रोड, धरियागंज, धिल्ली बियरिंग तादादी सं० 4222."

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रीयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दि विर्माक 13-4-87 मोहर : कुल्या, बाह्री हो, प्रश् , एक , \*\*\*\*

नायकार मध्यितकार, 1961 (1961 का 43) की याद्रा 269-व (1) के संधीत कृषका

भारत सरकार

कार्यक्षर , सहायम् कारकार कार्यक्त (निर्देशका)

मर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/६/एस० भार०-1/ 8-86/809---भ्रत: मुझे, टी० के० नाह,

जायकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उच्ति बाजार मृत्य 1,00,000/- रूपये से अधिक हैं

ष्मीर जिसकी सं० है तथा जो 3-डी III ब्लाक सी/1, माडल टाउन दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1986,

को पूर्धोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान स्वित्त के सिए सन्तरित की गई है और मूम्से यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिक्ती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण किवित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्दं किसी नाय की बाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के यानित्य में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाव वा किसी धन वा कवा आस्तिवों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैवधा के खिए;

भतः अतः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ए के अनुसरण को, जी, अक्त अधिनियमं की भारा 269-ए की अपसरा (1) के अधीन, निस्तिसिक क्यीक्तयों, अर्थात् :---

- (1) श्री श्रोम प्रकाश भसीन तिलक राम भसीन श्रौर जगदीश लाल भसीन सुपुत स्व० श्री रामदास भसीन 3--डी/III, ब्लाक मी/1, माबल दाउन, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री पवन कुमार, राकेश कुमार, रमन कुमार ग्रौर मुकेश कुमार सुपुद्ध श्री कश्मीरी लाल 2/3 बिह्र उभा रोड, शक्ति नगर, दिल्ली । (श्रन्तरिती)

क्रो यह स्वना जारी करके पृथांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्रम्य सम्पत्ति के वर्षन के धन्त-भ है कार्य भी कार्याप .---

- (क) इत स्वना के राज्यक के प्रकाशन की शारीओ है 45 दिन की अयोग यह तत्त्रकारणी व्यक्तिकारों पद स्वापन की तामील से 30 दिन की अवीश, को बी अविश वाद में समाप्त होती हो, के मीतार वृज्यिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कृतारा;
- (न) इस शुषना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीय में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिल-बबुध किसी कृष्य प्यक्ति स्थारा सन्तेष्ट्रस्वाकरी हैं। पास निवित्त में किए वा सन्तेषे।

#### बराय की

मकान सं० 3 डी/III य्लाक सी-1, तादादी 586 वर्ग गज स्थित माडल टाउन, विल्ली ।

> टी०के० साह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-6, दिल्ली, नर्ष दिल्ली

विनोक : 13-4-87

प्रक्ष भाइं.टी.एन.एस.-----

जायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सुभना

### भारत तरकार

# कार्यासद, बहायक बाव्कर वाय्क्त (निरीकाय)

मर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13-4-87

बावकर विधिविक्य, 1961 (1961 का 43) (विधि इसवें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- सः से अधिक है

भौर जिसकी सं है तथा जो जे-128, राजोरी गार्डन, नई विल्ली में स्थित है (भौर इससे उपावक भनुसूची में पूर्व रूमसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली 1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनांक भगस्त 1986,

को पूर्विक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्रत से विश्व है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बौद एसे बन्तरण के लिए तय पाना मना प्रतिफल, जिन्मजिविक्त उच्चेच्य से उच्च अन्तरण जिन्नित्त वास्तिक रूप से बाविक तकी किया गर्वा है स्---

- (क) अन्तरण वं हुइं किसी बाय की वावता, करवा विवय को क्यीय कर दोने के अन्तरक को खीवत्य को शंकी करने वा उत्तर्भ दचने को जुनिया को सिष्; विदि/वा
- (च) ऐसी किसी अस या किसी भन या अन्य अस्तियों की, जिल्हें भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियामें में सुविचा के सिए;

- (1) श्री जेतिन्दर पाल सिंह सुपुत्र श्री प्रीतपाल सिंह भौर प्रेमलता पत्नी श्री जैतिन्दर पाल सिंह निवासी—128, राजोरी गाउँन, नई दिल्ली । (प्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश कुमार मल्होत्रा भीर राजिन्बरपाल मल्होता सुपुत श्रो कृष्ण लाल मल्होता । 15/44, सुभाष नगर, नई दिल्ली । (भन्तरिती)

को यह बुचना चारी करने वृत्रीक्त कम्म्रीता के वर्षण के विक कार्यगाहियां सुरू करता हुई।

# बक्त सम्परित के बर्चन के बंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वमह के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वमा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितकक्ष किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

लक्किकन:---इसमें प्रमुक्त सक्यों बीर वस्ते का, यो उपत वीधनियम के वध्याय 20-क में पीरशाविष्ट है, तही वर्ष होया यो उस वध्याय में दिवा प्या हैं।

## मन्त्री

प्रामर्टी बियरिंग सं० जे-128, तावादी 31131 वर्ग गज स्थित राजोरी गार्डम, बोल बसई दारापुर, दिल्ली राज्य दिल्ली।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली- 110002

बतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीसिक्त कान्ययों, अर्थात् :---

दिनांक: 13-4-87

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, महायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रप्रैल 1987

निर्देण सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० म्रार०-1/ 8-86/818---म्रत: सुझे, श्री टी० के० साह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरितं, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 2, है तथा जो नेताजी सुभाष मार्ग, दिश्यागंज. दिल्ली में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रृश्यमान प्रतिफल के पहुष्ठ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ला उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (म) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: बन, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधित :—— 11—76GI/87

- (1) श्री अंथोनी वेलेनटाइन ट्रीनीडाडे सुपुत श्री विसेंट मैनुग्रल ट्रीनीडाडे सी-32, प्रीत विहार, दिल्ली-92 1 (ग्रन्तरक)
- (2) जैना प्रोपर्टीज प्रा० लिमि० पंजीकृत भ्राफिस एम० ब्लाक भ्रावीनाथ श्रीहाउस, सुप्तर बाजार के सामने द्वारा डायरेक्टर राकेण जैन। (श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के वर्जन के शिक्ष कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

# उसत सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी बाह्मेप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर मर्भात्त में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे ।

स्वक्रीकरण: — इसमें प्रयुक्त घटां और पदों का, वा उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिआपिष है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिथा गया है।

# अनुसूची

प्रापर्टी बियरिंग मं० 2, नेताजी मुभाष मार्ग, नई दिल्ली बिल्ट जन्नान लीज-होल्ड प्लाट सं० 2, खमरा सं० 128/ 43. 46, 47 तादादी 279:7 वर्ग गज ।

> टी० के ू० साह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज 6, नई दिल्ली-110002

दिनांक 13-4-87 मोहर

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रप्रैल 1987

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/ 8-86/822--श्रतः मुझे, टी० के० साह

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो जे-173, राजीरी गाईन, क्षेत्र गांव बसई दारापुर में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली ---1 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अनस्त 1986

को प्वांकित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकित संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपारे में स्विधा करिएए.

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिलित व्यक्तियाँ, उर्थात् :--

(1) श्री एस० पी० खोमला सुपृत्र श्री गृष्ण खोमला, जै-173, राजोरी गार्डन नई दिल्ली।

(भ्रन्तग्क)

(2) श्री सुदर्शन कुमार सुपृत्र श्री मृतखाराज गुलाठी जे-4/8, राजोरी गार्डन, नर्ड दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

कां यह स्चना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकारो।

स्माक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिगा गया है।

# ग्रनुस्ची

तल खण्ड सं० जे-173, तादाद। 301, वर्गगज 50% भेयर स्थि। राजीशे गार्डन क्षेत्र, गांव-गपई दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली ।

टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेज-6 नई दिल्ली

दिनांक : 13-4-87

भारत का राजपन्न,

प्ररूप आर्ड्ः.टी.**एन**.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निर्देण स० ग्राई० ए० मी०/एस्यू०/6/एस० ग्रार०-1/8-86/829--श्रतः मुझे, टी० के० साह.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भारक पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी स० 31/5 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली—में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक अजस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृश्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुईं किसी आय भी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी त्राय या अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्री प्रेमबीर और धर्मबीर । 681, सेक्टर 21-ए, फरीदाबाद (हरियाणा) (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रवीण मेहता, 2 ए० के० मेहता डी-129 और 131 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (श्रन्ति ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्यया है।

# अनुसूची

प्रापर्टी सं० 31/5, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-6 नई दिल्ली-110002

अतः अध , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में , उक्त अधिनियम की धारा 2'69-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक 1 13-4-87

# प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. -----

# भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-ण (1) के अधीन सृच्ना

## नारत चरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 13 अप्रैल 1987 निर्देश सं० श्चार्ड० ए० सी०/एक्प्र्०/6/एस० श्चार्र०-1/ 8-86/832---अतः मुझे, टी० के० साह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित्त बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 31 है तथा जो ब्लाक वी. ग्रमोक विहार, हाउस, स० 31, ग्रमोक विहार, वजीरपुर फेस-1, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उनाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूपसं वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधि कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक ग्रगस्त 1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान ≢तिफल कें लिए अन्तिरत की गहर है और मुक्ते यह विषेवास करने का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके एरनमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है नौर अतरक (अतरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है 🏣

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी जाय गा किसी भग या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वर्स 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति ति द्वारा प्रकट नहीं शिक्या गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविभा के लिए;

अरः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उदन अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हसराज खान सुपुत्र श्री गरब दास एच० ए० पी० पुलिस काम्पलेक्स मधुबल करनाल (हरियाणा) ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ऋष्ण कुमार सुपुत्र श्री मुनी लाल केसी/19-ए,एम० श्राई० जी० फ्लैट श्रशोक विहार, फेस-1, नई दिल्ली ।

(अन्ति (ती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यिवतयों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल यव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए या सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

सिंगल स्टोरी हाउस सं० 31, ब्लाक बी, श्रणोक बिहार, वजीरपुर फेस-1, श्रावासीय स्कीम, दिल्ली तादादी 497/22 वर्ग गज ।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-4-87

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

# बावफर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

## धारत प्ररकार

# कार्यालय, सष्टायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 13 अप्रेजैल 1987 निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/६/एस० आर०-1/ 8-86/833---भ्रतः मुझे, टी० के० साह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एम० पी०एल० स० 1545 है तथा जो सी--8 प्लाट स० 5, ब्लाक 40, वेस्ट पटेल नई दिल्ली में स्थित (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय र्रा-स्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक अगस्त 1986

को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात सं अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल., निम्तिसित उद्दोवय सं उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; जौर/बा
- (क्ष) एोसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जारिसायाँ को. जिन्हें भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उज्ल शाधिनियम, या धनकर मधिनिय्य, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के निए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री भारत भूषण निवासी-एस-429, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली विद्या भूषण निवासी-बी-22, महारानी नई दिल्ली 32 श्री के बी सोनी 429 एस०, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लाजवन्ती देवी ट्रस्ट द्वारा ट्रस्टी श्री मुसील भूषण, वेद भूषण, ग्रानन्द भूषण श्रीरप मुपुत्र श्री पिताम्बर लाल विजय भूषण नर्इदिल्ली । 24, पूमा रोड,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हु ।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (३) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सुभना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त म्पिक्तियों में से किशी व्यक्ति (गरा:
- (रू) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी<del>ख</del> से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

डाई स्टोरी बिल्डिंग प्रापर्टी बियरिंग सं० एम ०पी ०एल ० मं ० 1 5 4 5/मी — 8, प्लाट स ० 5, ब्लाक सं ० 40, तादादी 1000 वर्ग गज स्थित वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

> टी० के० साह मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-6 नई दिल्ली- 10002

दिनांक 13-4-87

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 13 ग्रग्रैल 1987

निदेग म० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/५/एम० श्रार०~1/ 8∼86/834—~श्रनः मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० प्लाट मं० 7, ब्लाक स० 30 (30/7) एम० पी० एल० सं० 1084 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसने उपाबद्ध ग्रानुस्ची में पूर्ण कारे विल्ली में रिश्नेहीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्या थ, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 15) के ग्रिधीन दिनांक अगस्त 1986,

को पृथेक्ति संपत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिम्मिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या धन या जन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंगा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

- (1) श्री दलजीत शिह मुनुत्र स्व० श्री भगत हि, नियासी--30/7, ईम्ट पटेल नगर, नई दिल्ली । (ग्रस्तरक)
- (7) श्री दीनक गम्भीर सुपुत्र श्री पदमचद गम्भीर, निवासी—22, पुता रोड, नई दिल्ली ग्रीर योगेण गम्भीर मिह सुपुत्र श्री पदमचंद गम्भीर 22, पूसा रोड, दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

ढाई स्टोरी प्रापर्टी प्लाट सं०7, ब्लाक सं० 30(30/7) एम ० पी० एल ० सं० 1084, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली तादादी 200 वर्ग गज ।

टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंग-6 नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में. उक्त आधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

दिनांक: 13-4-87

प्रका भार्षः दी एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्धना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-6, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रर्जल 1987

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० श्रार०-1/8-86/835—-श्रत. मझे, टी० के० साह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भवने परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम पाधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

भीर िमकी सं० जे-179 है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसर उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप संवर्णित है), रिस्ट्री कर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सपत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सें हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) ऐमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए।

शत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री राजीव कुमार मिलास मुपुत्र श्री बी० एम० सिलास, श्रीर श्रीनती रूथ कुसुम सिलास पत्नी श्री राजीन कुमार सिनास निवासी—जे-179, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) मे जर प्रेम कुमार मल्होत्रा मुपुत्र श्री स्वर्गीय पेसोरी लाल मल्होत्रा निवासी—-एल-12, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी नाक्ष्मे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रापर्टी सं०जे-179, राजोरी गार्डन , नई दिल्ली एंटायर प्रथम खण्ड श्रोर दूसरा खण्ड ।

> टी० के० साह् सक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकर क्रायकत (निरीक्षण) क्रार्गेन रेज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13~4-87

प्ररूप कार्ष: टी. एन ब एस ब ?----

भायक दु अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अभीन स्चना

### मारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्य्०/6/एम० म्रार०-3/ 8-86/384--म्रतः मुझे, टी० के० साह,

शासकर प्रिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पा बात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं ० 52/21, डब्ल्यू ० ई० ए, है तथा जो करोल बाग, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इमा उपायद्ध श्रानुसूची में पूर्ण क्ष्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधि हारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक ग्रागस्त 1986

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तििशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) एस ग्रमविदर सिंह भुपुत्र एम ० मुजान सिंह फेंसी बाजार, गृहाठी ।

(ग्रन्तरक)

(2) एम ० प्रीताल हिंह सुपुत एस ० सम्प सिंह 5300, हरध्यान सिंह रोड, करोल बाग, नई दिल्ली पार्टनर मेसर्स भारत लेदर एण्ड शू मैंटीरियल स्टोर। (श्रन्तरिती)

को थह सूचना बारी करके पूजींक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के श्रंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नत्रीभ, जो भी अविधि बाद में समात होती हो, से भीतर प्रविक्त स्थानरा में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

1/2 शेयर प्रापर्टी बियरिंग सं०52/21, डब्ल्यू ई०ए, करोल बाग, नई दिल्ली तादादी 2653 वर्ग गज एम ० पी ० एल ० सं० 8096-97।

टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंत-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, शक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 13-4-87

इक्य कार्च<sub>ा</sub> टी. एन<sub>ा</sub> एस<sub>ा</sub>-----

बाधकर निभिन्तित , 1961 (1961 का 43) की पारी 269-ज (1) के नभीन स्वना

### गारत सहकान

# कार्याभय . महायक बावकर बायुक्त (विद्राक्षण)

श्चर्जन रें ग-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 श्चर्येंल 1987

निदेश सं० श्राई० ए०मवेदकु०/6/एस० श्रार-3/8-86/385—श्रतः सुझे, टी०के० साह,

ताबकर विधीनस्म, 1961 (1961 का 43) (जिल्ले इसके इसके परचात् 'उक्त व्यभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के विधीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित वाजार मृत्य 1,00000/-र. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 52/21, डब्ल्यू० ई०ए०, है तथा जो करोल बाग, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, दिनांक श्रगस्त 1986

को पूर्वेक्ड संपत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड

है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दृसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और वंत-एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे वंत-एक के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्नलिकित उद्वदेश से उदत अंतरण सिवित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिरियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा सा किया बाटा चाड़िए भा, सियाने के हुनिधा भी निए;

भतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीना, निम्नलिखित व्यक्तिां, अर्थात् :--12---76 GI/87

- (1) एस ० निर्मादित सिंह मुपुत्र श्री एस ० सुजान सिंह निवासी:--फैन्सी बाजार, गृहाठी ।
  - (भ्रन्तरक)
- (1) एम ० निष्दर पाल मिह सुपृतं श्री मरूप सिह निवासी—5300, ह्रध्यान मिह रोड, करोल बाग, नई विल्ली ।

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के अर्थन के जिस् कार्यवाहियां करता हुं।

उथत क्रम्परित के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप ४---

- (क) इस मूचना को राजपण मों प्रकाशन की तारीच चैं 45 दिन की अवश्रि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक चे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति ख्वामा;
- (वा) इस सुचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीव वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्यभ किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधीष्ठस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्लाम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा हैं।

# अनुसूची

1/2 प्रापर्टी बियरिंग सं ० 52/21 डब्ल्यू ॰इ०ए०, करोल बाग, नई दिल्ली । तादादी 253 वर्ग गत तादादी सं 08096-97 ।

टी० के० साह मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6 नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-4-87

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० फ्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० भ्रार०-3/8-86/386--श्रतः मुझे, टी०के० साह,

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-राज्ये से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं व है तथा जो बेसमेंट एम व सी व डी व बिल्डिंग, डी विव गुप्ता रोड, पहाडगंज, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ध्रगस्त 1986

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके छरमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उमने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया हाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

- (1) धर्मबीर एण्ड सन्स द्वारा कर्ता धर्मबीर सुपुत्र श्री हरिष्यन्द (स्वर्गीय) 431, मथुरा रोड, जगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मोतिया दीवान पृथ्वीराज दीवान । निवासी—एस० पी०-3, तिलक नगर, जयपुर । सुदेश बी० म्लिक, सी-33, पश्चिम भ्रपार्टमेंटस, दादर बम्बई ।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पा सकोंगे।

स्पष्टीकारण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

वैसमेंट एम ० सी ० डी ० बिल्डिंग, देशबन्धु गुप्ता रोड, पहाड़गंज, नई दिल्ली--110055, त(दादी 3500 वर्ग फीट ।

> टी०के० साह मक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकरायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेज6 नई दिल्ली—110002

दिनांक: 13-4-87

मोहर ः

प्ररूप बाई. टी.एन.एस.----

आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० के० 10/86-87--ग्रतः मुझे, वी० के० सिंगल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 1,00,000/। रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 117/के/17 है तथा जो सर्वोदय नगर कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-2-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने, में सुविधा के लिए;

- (1) श्रीमती कमला नायर पत्नी जी० ए० एन० नायर निवासी 117/के/17 सर्गोदय न*ार, दा*नपुर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री स्रार० के० टण्डन पुत्र श्री बी० टण्डन तथा श्रीमती मधु टंडन पत्नी श्री स्रार० के० टंडन नि०—सिविल लाइन्स, कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

117/के/17 सर्वोदय नगर, कानसुपुर ।

वी० के० सिंगल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), (ग्रर्जन रेज), कानपुर

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 14-4-87

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 1st April 1987

No. A-38013, 1/87-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri Y. R. Juneja, a permanent Assistant and officiating Section Officer on ad-hoc basis in the CSS Cadic of the Union Public Service Commission to retire from Government Service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 31st March, 1987 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

M. P. JAIN
Under Secy. (Per. Admn.)
Union Public Service Commission

#### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 24th April 1987

No. A-20023,8/79-AD.V.—The services of Shri B. Shankar Bhat, APP working as Public Prosecutor/Central Bureau of Investigation, Bangalore on deputation basis have been placed at the disposal of the Government of Karnataka, on repatriation, w.e.f. 7/4/1987 (AN).

D. P. BHALLA
Administrative Officer(E)
CBI

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS NATIONAL CRIME RECORDS BUREAU

New Delhi-110066, the 27th April 1987

No. 35/4,84-Admn/DCPC.—The President is pleased to appoint Shri K. Raman Kutty, Senior Field Officer in the Cabinet Secretariat as Junior Staff Officer in the scale of pay of Rs. 2200—4000 in the Directorate of Coordination Police Computers, National Crime Records Bureau (MHA), New Delhi on deputation basis for a period not exceeding 3 years with effect from the forenoon of 14th April 1987.

2. The appointment of Shi Raman Kutty as Junior Staff Officer in the Directorate of Coordination Police Computers, National Crime Records Bureau will be governed by the standard terms and conditions of deputation as laid down in the Ministry of Finance OM No. F.1(11)E-111(B),75 dated the 7th November, 75, as amended from time to time.

No. 105/22,86-NCRB.—The Director, National Crime Records Bureau hereby appoints Shii N. K. Lahiri, an officiating Deputy Superintendent (Finger Print) in the Central Finger Print Bureau, Calcutta as Deputy Superintendent (Finger Print) in that office substantively with effect from 15-3-1983.

S. K. SHARMA Director, NCRB

## DIRECTORATE GENERAL

# CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 23rd April 198

No. E-16014(6)/1/85/Pers.l.—Consequent upon his repatriation to Intelligence Bureau, Shri U. M. Kumar, relinquished the charge of Asstt. Comdt., CISF Unit, BSL Bokaro, w.e.f. the forenoon of 17th Oct. 1986.

(Sd.) ILLEGIBLE Director General/CISF

# OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 24th April 1987

No. 11/98/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shii S. R. Sharma, Chief Secretary, Andeman & Nicobar Islands, as Director of Census Operations Andeman and Nicobar Islands, Port Blair, in an ex-officio capacity with effect from 1-4-1987 until further orders.

2. The Headquarters of Shri S. R. Shaima will be at Port Blair.

No. 10/5/87-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Ghorai, a Gr. JII Officer of Indian Economic Service as Senior Research Officer in the pay scale of Rs. 3000-100-3500-125-4500 in the Office of the Registrar General, India, New Delhi with effect from 13-3-87(FN) to 25-3-87 (AN).

No. 13/6/87-Ad.I.—The President is pleased to accept the three months notice of Dr. N. G. Nag, Deputy Registrar General (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, for voluntary retirement from Government Service, under Rule 48(1)(a) of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, with effect from the afternoon of the 30th June, 1987.

V. S. VERMA Registrar General, India

#### MINISTRY OF FINANCE

# OFFICE OF THE COLLECTOR OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE:

Madurai, the 20th April 1987

No. 1/87—The Collector is pleased to appoint the following Inspectors of Central Excise to officiate in the grade of Superintendent of Central Excise in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Old Scale) / Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 (New Scale)

The Officers accordingly assumed charge of the post of Superintendent of Central Escise Group 'B' on the dates mentioned against their names :--

Sl. No.	Name		 J—•,—J	, <u>.</u>	of ntment as ntendent
1	2	4	 		3
	S/Shri				
1. N	I. Veeriah				17-1-86
2. F	R. Karunakaran 🕟				27-2-86
3. k	K. Rajagopal ·			•	9-4-86
4. \	/. Gandhi				16-4-86
5. I	D. Ram Singh				28-4-86
6. N	M. Haja Mohideen				4-6-86
	/. Manickkan				4-6-86
8. (	C.M. Ochappan				5-6-86
9. N	M. Kader Batcha				11-6-86
10. C	C.V. Ramasamy			•	11-686
	•				transferred oimbatore)
11. I	P. Arumugam			•	13-6-86
	C.M. Arunachalam		-		12-6-86
13. J	I.L. Chandrasokaran				18-6-86
14. A	A. Raman				16-6-86
				(Since	transferred
				to Co	oimbatore)

1	2						3	1	2				3	4	
S/Shri								4. 1	U.C. Gupta	•		· ,	383	1-1-87	F.N.
15. N. Sub	ramanyam		•	•	•	•	1-7-86		J.P. Saxena III				496	5-1-87	F.N.
16. A.S. M	tohammed I	[br	ahim	•	•	•	2-7-86		N.L. Choudhar	v			402	2-1-87	F.N.
17. S. Chic	lambaram			•	•	•	3-7-86		K.C. Tripathi	٠.			407	5-1-87	F.N.
18. R. Na	ayanan ·		•	•	•		11-8-86		G.J. Jhala				403	2-2-87	
19. K. Biji	li Singh 🕟	•	•		•		29-9-86		T.K.N. Nambis	an			411	13-2-87	
20. T.R. U	Jmapathy ·		•	-	,		22-10-86		H.N. Saxona				404	13-2-87	
21. H. Dei	vanayagam		•		•	•	21-11-86		K. Jayaraman					16-2-87	
22. M. Aru	ımugam						11-11-86		S.N. Singh				414	23-3-87	
23. K.A. J	anakiraman	L					5-12-86		D.V. Singh					23-3-87	
24. R. Swa	minathan		•	•	•	•	30-12-86		On deputation	to Be	iwa			(Proform	
<del>- 1 - 1 - 1 - 4-</del>				<b>→</b>	-44	·,	4-4-4-1-d444444444444	j	River Board, Jh	ansi)				moti	(ac
						RAM	PARKASH,	14. ]	M.B. Shrivastav	na.	•	•	416	23-3-87	F.N.

Deputy Collector (Pcr & Estt.)

# DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas, the 26th April 1987

F. No. BNP/C/5,87.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group 'B'), Shri A. L. Datar, Engineer (Civil) is appointed to the post of Assistant Engineer (Civil) in the substantive capacity w.e.f. 29-4-84.

General Manager

### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

#### OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 27th April 1987

No. 819 CA.I,27-77.—On his attaining the age of superannuation Shri S. N. Bose Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit-II, Calcutta retired from service with effect from 31-3-1987 AN.

No. 820 CA.I/5-72.—On his attaining the age of superannuation Shri O. P. Malhotra, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board and Ex-Officio Director of Commercial Audit-I, New Delhi has retired from service with effect from 31-3-1987 AN.

> D. N. ANAND Asstt. Comptr. & Ar. Genl. (Comml.)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) 1, MADHYA PRADESH

Gwalior, the 8th April 1987

No. Admn.XI/Gr.I/Promotion/AO/4-The Accountant General (Audit): I, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote the following Asstt. Audit Officers as Audit Officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 2375-75-2300-EB-100-3500 with effect from the dates of their taking over as noted against them :-

Sl. Name No.				rmanent No.			
1 2				3	4		
S/Shri							
1. Y.N. Sinha			•	355	1-1-187 F.N.		
2. R.K. Garg ·	•		•	443	1-1-87 F.N.		
3. Govind Narain		•	•	381	1-1-87 F.N.		

[Authority: A.G. (Audit) I: M.P. Orders dated 1-1-1987, 19-1-1987, 12-2-1987 and 20-3-1987]

> R.C. GUPTA, Dy. Accountant General/(Admn.)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) RAJASTHAN

Jaipur, the 27th April 1987

No. Admn. I(Audit)/P. 13044/78- The Accountant General (Audit), Rajasthan, Jaipur has been pleased to promote the followo. ing Asstt. Audit Officer to the post of Audit Officer (Group 'B' Gazetted) in the scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 in an officiating capacity till further orders from the dates noted against each :--

Sl. No.	Namo				Date of pro- motion				
1	2					3			
S	/Shri								
1. S	hyam Sunder Agrawa	a1			•	27-2-87 (F.N.)			
2. S	hanti Lal Mahnot	•	٠	-		31-3-87 (F.N.)			
3. N	Manohar Lal Gupta					14-4-87 (F.N.)			

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I. UTTAR PRADESH

Allahabad, the 15th April 1987

No. AG (Au) I/Admn.)13-7/80-Following Asstt.: Audit Officers have been appointed to officiate in the grade of Audit Officers w.e.f. the dates shown against their names:-

Name			. —	Date of ppointment		
1	<b></b> -			2		
S/Shri	-11-	<del></del>	<b></b>			
1. Pratap Singh				23-2-87		
2. Ved Prakash Arora	•			23-2-87		
3. Ram Briksh Lai Srivastava		• `	•	12-3-87		
4. Hari Bahadur Verma		•	•	28-2-87		
<ol><li>Virendra Kumar Sharma</li></ol>				27-3-87		
6. Om Narain Vorma		•		27-3-87		
7. Daya Shankar Singh II				30-3-87		
8. Daya Ram Gupta-II	•			27-3-87		

No. AG (An)I/A lm 1/13-7/83 -Following Audit Offices have retired from Government Service on attaining the age of Superannuation with effect from the dates noted against each:

( <u></u>										
Name	Date	Office								
1	2	3								

#### S/Shri

	O/OIRA			
1	. R.N. Gupta	•	31-1-87 (AN)	Accountant-General (A) I& U P.
2	. Kapoor Chandra Srivastava	. 7	31-1-87 (AN)	Do.
3	. Jai Krishna Khanni	. ·	31-1-87 (AN)	Ðø.
4	. Yoga Nand Dutta	٠	31-1-87 (AN)	Accountant-General(A
5	. Balwant Singh ·	•	31-1-87 (AN)	Do.
б	. Kalyan Kumar Cha	tterjoe	31-1-87 (AN)	Do.
7	. Radhey Shyam Rai	•	31-3-87 (AN)	Do.
_			<del></del>	

#### P.K. MUKHOPADHYAY,

Sr. Dy. Accountant General/Admn

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) RAJASTHAN

Jaipur, the 27th April 1987

No. Admn.I (Audit)/P. 13044/78—The Accountant General (Audit), Rajasthan, Jaipur has been pleased to promote the following Section Officers (Audit) to the post of Asstt. Audit Officer (Group 'B' gazetted) in the scale of Rs. 2000-60-1300-EB-75-3200 in an officiating capacity, till further orders from the dates noted against each:—

Sl.No.	Nam	te					Date of promotion
S/Shr	i						/
1. Kalu	Ram	•					15-4-87 (F.N.)
2. Anni	u Mal S	Singh	•				15-4-87 (F.N.)
3. Ram	avatar	Namal	kwal				15-4-87 (F.N.)
4. Moo	l Chau	d)Verm	ıa.	•			15-4-87 (F.N.)
5. Moo	I Chan	d Garg	ζ				15-4-87 (F.N.)
6. Ishw	ari Pra	sad G	ipta		-	•	15-4-87 (F.N.)
7. Hoti	Lal	-				•	15-4-87 (F.N.)
8. Para	sMa l	Soni					15-4-87 (F.N.)
9. Nare	endra I	Mohan	Sne	hi			15-4-87 (F.N.)

(Sign) Illegible Deputy Accountant General/Audit

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I, WEST BENGAL

Calcutta-700 001, the 27th April 1987

No. Admn.I/Promotion-93/AAO/273.—The Accountant General (Audit)-I, West Bengal has been pleased to appoint the following Section Officers (Audit) as Assistant Audit Officers (Group-B Gazetted) Post carrying scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 in a temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 27th April 1987:—

- 1. Shri Tapan Kumar Nag.
- 2. Shri Chandra Sekhar Banerjee.

Their promotion is subject to the final outcome of the writ petition now pending before the Central Administrative Tribunal, Calcutta.

The Officers will have to exercise option within one month, in terms of para 2(b) of G.I.M.H.A. O.M. dated 26-3-1981 for either to fix their pay under F.R. 22(a)(i) on the date of promotion and then under F.R. 22-C from the date of next increment in the lower post or under F.R. 22-C from the date of promotion straightway.

Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

#### MINISTRY OF TEXTILE

## OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 29th April 1987

Controlled Cloth (Production & Distribution) Not fication, 1987

No. CER/(13),87-Cl.B.—In exercise of powers conferred by clause 16, 17 and 18 of the Textile (Control) Order, 1986 I hereby issue the following notification namely:—

#### PART I

- 1. Short title, extent and commencement
  - (1) This notification may be called "Controlled Cloth" (Production and Distribution) Notification, 1987.
  - (2) It extends to the whole of India.
  - (3) It shall come into force on the date of its publication in the official Gazette.

Repeal and Savings:

The following notifications issued under the Textile (Control) Order, 1986 are hereby repealed:—

- (i) CER/7/86-CLB dated 26-6-1986
- (ii) CER/9/86-CLB dated 29-7-1986

Provided any order made right accrued, penalty incurred or anything done or deemed to have been made shall notwithstanding the supersession of the said notifications, be, and shall be deemed always to have been validly issued, accrued, incurred or done under the corresponding provisions of this notification.

- 3. (i) Maximum ex-factory price of controlled dhoty, controlled saree and controlled long cloth and controlled polyester blended shirting produced by a producer under the National Textile Corporation (herein after called NTC) and packed on its publication shall be NTC cost per sq. ratr. calculated on the basis of the formula approved by the Government inter-alia taking into account actual capacity utilisation, actual interest and zero return in respect of mills perticipating in the production of controlled cloth reduced by Rs. 2, per sq. mtr. for controlled dhoti and controlled saree and by Rs. 1.50 per sq. mtr. for controlled long cloth and in case of controlled polyester blended shirting as fixed by the Government from time to
  - (ii) the maximum ex-factory price of seconds shall be 10% (ten percent) less than that of the above maximum ex-factory price. The word "seconds" has the same meaning as defined under the Notification issued under the provision of clause 17 of above control order.
  - (iii) Consumer price of the aforesaid varieties of cloth packed on or after 1-7-81 shall be 15% over the ex factory price in case of cotton cloth and 20% (Provisional) in case of polyester cotton shirting as determined in accordance with the clause (i) or (ii) above as the case may be plus excise duties

levied under the Central Excise Salt Act, 1944 and the amount of central duty levied under any provision of law for the time being in force.

#### PART II

Varieties and Specifications of Controlled Cloth

- 4. For purpose of this Notification :-
  - (a) Controlled dhoty/Controlled Saree Controlled Longcloth/Controlled polyester blended shirting shall have following common specifications in addition to the specifications given for each of these varieties under item (B) (C) & (D) below:—
    - (i) an average count not exceeding 40.49s.
    - (ii) woven in plain weave.
    - (iii) difference between warp, count & west count not exceeding 84.
    - (iv) woven with 2 red threads fast to bleach, warpwise all through the length and adjacent to one of the selvedges (Except in the case of bordered sarce & dhoties).

Provided that such coloured thread shall not be inserted in non-controlled cloth.

- Note: The coloured threads to be included for the above purpose shall ordinarily be in a Napthol Red Colour. However, in the case of printed, dyed or other coloured cloth, the coloured threads to be included may be in any other alternative contrasting colour and shall be clearly visible.
- (v) are manufactured wholly from cotton (except in case of blended polyester shirting).
- (vi) difference between reeds and picks not exceeding four & picks not below 40.
- (vii) Colours/dyes used in the above fabrics shall be fast to washing.

#### B. Controlled Dhoty

- (a) In addition to (A) above shall be grey or bleached cloth commonly known by the name whether or not mercerised and shall contain white or coloured varn on its border and heading.
- (b) Shall have width between 104 to 122 cms. (Both inclusive).

#### C. Controlled Stree :

- (a) In addition to (A) above ahall be grey or bleached cloth commonly known by that name, whether or not mercerised.
- (b) contain coloured yarn or white yarn on its borders and in headings.
- (c) Shall have a width ranging between 104 cms. and 122 cms. (Roth inclusive)
- (d) it includes mitted mult and printed voil having a length not below 5 mtr per piece.
- Note: For the purpose of this item printed mult and printed voils shall mean printed fabrics with or without printed borders/headings of plain weave manufactured with single varm and with warp count not lower than 28s and it is cut out into saree length nice of 5 metres 51 mirs then consumer price per piece shall be stamped on the same.

#### D Controlled I one cloth:

- (a) in addition to (A) above grey or bleached or dyed c'oth whether or not mercalised or preshrunk, and
- (b) shall have a width ranging between 84 cms. and 120 cms. (Both inclusive).

P. Controlled bleached/dved/p inted polvester cotton blended shirting shall have fo'lowing specifications:—

 warp
 : 38s

 Weft
 : 42s

 Reed
 : 72

 Picks per inch
 : 68

 Finished width
 : 89 cms.

 Blended percentage
 : Cotton 52%, Polyester 48%

Final consumer price to be stamped shall be Rs. 10.50 per metre for bleached and Rs. 11.50/- for dyed varieties and Rs. 12/- for printed varieties.

#### PART-III

### Production of Controlled Cloth

5. No person including National Textile Corporation shall produce and/or process controlled cloth unless otherwise permitted in writing by the Textile Commissioner.

#### PART IV

Marketing and Stamping of Controlled Cloth

- 6. The consumer price so determined as per clause 3 above shall be stamped by the producer (in red colour/ink) on the face plait of the controlled cloth and at selvedges on every metre/alternatively in Devanagiri script and English in Capital letters when cloth is to be sold metrewise, and in the case of Controlled Dhoti and Controlled Saree at the end of the piece both in Hindi in Devanagiri Script and English when packed in singles or in pairs, in the manner specified under clause 8 below:—
- 7. In addition, the following markings shall be made by the producer on the face plait of each piece of Controlled Cloth either in Hindi, in Devnagari script or in English in capital letters.
  - 1. Name of the producer
  - Name of variety viz. "Controlled Dhoti", "Controlled Shirting" etc. as the case may be as defined in Clause 4 above.
  - 3 Running serial number of the sorts as given by the manufacturer produced by the letter "S. No."
- Note: (i) The serial number as stamped on such sort shall be entered at the appropriate place in Form "A" which the manufacturer is required to furnish here under.
  - (ii) When the production of any sort for which a serial number has been assigned is discontinued, the same serial number shall not be assigned and samped on any other cloth.
  - 4 The word "ALL COMBED YARN" on cloth where only combed yarn is used both in warp and in weft.
  - 5. The month and year of packing
  - 6. I in th in mittee and width in centimeties.
  - 7. The words "Blended Fabric" when the cloth is manufactured partly from cotton and partly from any other non-coston fibres, followed by the exact percentage of each of the different types of fibres used in the cloth as illustrated below —

    "Blended Fabric—52% Cotton—48% Polyester"
- Note: (i) The markings required to be made as above on a piece of controlled cloth, where the piece length is 20 metres and above, shall be made either at both ends of the cloth or on a separate piece of cloth to be securely fastened at either end. If the cloth is book-folded, the

- above markings shall be made on the face plait only.
- (ii) Where the folder consists of two-part pieces, besides the markings required to be made on the face-plait as above, the following markings shall be made at the end of the part piece of which the face-plait does not form a part:—
  - (a) Name of the manufacturer.
  - (b) Running serial number of the sort as given by the manufacturer, preceded by the letters "S. No."
  - (c) Month and year of packing.
  - (d) The words "TWO PART PIECE".
- (iii) The abbreviations as illustrated below may be used for stamping the month of packing.

FOR	ABBREVIATION
JANUARY	JANY
FEBRUARY	FEBY
AUGUST	AUGT
SEPTEMBER	SEPT
OCTOBER	OCTR
NOVEMBER	NOVR
DECEMBER	DECR

(iv) For the year of packing abbreviation as illustrated below may be used

For Abbreviation
1986 86

- 8. (1) On each piece of controlled cloth, other than "Controlled Dhoti" or "Controlled Saree" packed in singles or in pairs, in addition to the markings to be made in accordance with Clause 7 above, the following markings shall be made, namely;
  - (i) Immediately below the markings made in accordance with Clause 7 above, the words. "FINAL CONSUMER PRICE PER METRE" (rounded to nearest paise) AND the amount of final consumer prices per metre in figures, and the words "OCTROI EXTRA".
  - (ii) On every metre, at a height not exceeding 2.54 cms. from the selvedge, the words "FINAL CONSUMER PRICE PER METRE" and the amount of final consumer price per metre in figures, and the words "Octrol Extra".
  - (2) On "Controlled Dhoti" or "Controlled Saree" packed in single or in pairs, in addition to the markings to be made in accordance with clause 6 above. the following markings shall be made, namely:—
    - (a) Immediately below the marking made in accordance with clause 7 above, when packed in pairs, the words "FINAL CONSUMER PRICE PER PIECE" (rounded to nearest 5 paise) and the amount final consumer price per piece in figures, and the words "OCTROI EXTRA". On the other end of the second piece, not exceeding 2.54 cms. from the selvedge, the words "FINAL CONSUMER PRICE PER PIECE" and the amount of final consumer price in figures, and the words, "OCTROI EXTRA".
    - (b) When packed in Singles, immediately below the markings made in accordance with clause 7 above the words "FINAL CONSUMER

- PRICE PER PIECE" and the amount of final consumer price per piece in figures and the words "OCTROI EXTRA".
- (3) In case of Seconds the words "Seconds" and the amount in figures, of the consumer price of such "Seconds" as arrived, at in accordance with the Note below, shall be stamped in the manner specifled above.
- Note: (i) For the purpose of the above paragraphs the expression consumer price shall mean the retail price per piece of dhoti or saree or the retail price per metre in the case of cloth other than dhoti or saree as the case may be, plus excise duty payable thereon but shall not include octroi if any, payable.
  - (ii) The consumer price of "Seconds" that is required to be stamped shall be the retail price of "Seconds" as arrived at in the manner prescribed in Clause 3 plus the amount of excise duty payable thereon but shall not include octroi, if any, payable.

#### PART-V

#### Sale and Disposal of Controlled Cloth

- 9. No producer, including National Textile Corporation, who produces Controlled Cloth shall, unless otherwise permitted in writing by the Textile Commissioner, shall sell or deliver any such controlled cloth produced by him except to such person or persons and subject to such conditions as the Textile Commissioner may hereafter specify.
- 10. (i) Unless with the previous permission or appointment in writing by an appropriate authority, no person shall carry or transport any controlled cloth from one place to another, except for his bonafide personal use.
  - Explanation: The expression "appropriate authority" for the purpose of the above clause shall mean the Textile Commissioner or the Civil Supply Department of a State or A Union Territory, concerned with the distribution of controlled cloth.
  - (ii) Save in accordance with the previous permission of the Textile Commissioner or the State Govt. or Union Territory Govt., no person acting as the carrier of controlled cloth shall deliver such cloth to any person or destination other than specified in the written instructions of his consigner in this respect.

### PART-VI

## Channels for sale

- 11. Every producer who produces controlled Cloth, shall sell or deliver all stocks of controlled cloth as on date of this order and the stocks of such cloth which may accrue after the said date only to the five channels of distribution mentioned below, on the basis of directions that may be issued to him from time to time by the Textile Commissioner, as regard the quantities that is to be sold or delivered to each such channel of distribution, namely:—
  - (1) Mills' own retail shops or Mills' authorised, retail shops in the semi-urban/rural areas.
  - (2) Super Bazars in the Co-operative sector.
  - (3) National Consumer's Co-operative Federation and the chain of Co-operative institutions affiliated to them.

(1) Lair price shops run under the aegis of the State Government concerned; and

(5) Any other agency in the Co-operative sector specified by the State Government concerned and any agency as may be specified by the Textile Commissioner from time to time.

#### Explanation:

- I The expression "tural area" means where the population does not exceed 10,000 on the basis of 1981 census figures.
- II The expression Semi-urban area means towns with a population of 10,000 and above but below 50,000 on the basis of 1981 census figures.

#### PART---VII

#### Returns and Forms

12. (i) Fach producer of Controlled Cloth including those under NTC shall furnish true and accurate infor-

mation to the Fextile Commissioner, New C.G.O. Building, Churchgate, Bombay-20, and Regional Office of the Textile Commissioner, within whose jurisdiction the place of manufacture is situated about the controlled cloth manufactured and packed by him on or before 1-7-81 in the Form A annexed herein.

(ii) The above form in respect of cloth having the same serial number shall be submitted to the 'Iextile Commissioner as indicated above once in a every period when the prices are revised not later than 10th day of the month succeeding the month in which the prices are revised. When a variety having a new serial number is introduced by the manufacturer for the first time during the price period, particulars in respect of such cloth in form A shall be submitted on or before 10th day of the month succeeding the month of introduction of such cloth having a new serial number

GOVIND SWARUP
Additional Textile Commissioner

#### FORM 'A'

Form of particulars to be furnished to the Textile Commissioner in respect of each quality of mill manufacture. Price Fixation for the quarter' --

Name of Mill :---

- 1. (a) Mill serial No. as stamped on cloth :--
  - (b) Code: No. with suffix if any :--- V
- 2. Full description of cloth (in final finished state)

3. DIMESIONS

LOOM STATE

CALENDERED & OR FINISHED

- (a) Width in Centimetres
- (b) Length in Metres.
- (c) Weight in kilograms.
- 4. Reed per inch (2.34 cm.)
- 5. Picks per inch (2.54 cm.)
- 6. Average Count (English Count)
- 7. Reed Space in centimetres
- 8. Tape length in Metres.
- 9. No. of ends (i) Warp
  - (ii) Border
  - (iii) Selvedge

- (a) Grey
- (b) Bleached
- (c) Coloured

# 10. Actual weight of yarn:

fabrics)

Description	Count	<u> </u> 	Calculation  - Weight of	Remarks	
	In!French Count	In equivalent English	yarn (Actual)   without additional for wastage		
1	2	3	4	5	
(a) Warp:					
(b) Waft:					
(c) Border/Selvedge:					
(d) Special Yarn, if any used					
(e) Blend % (overall in the					

11. Width of border & following in cms. and inches (In case of Sarces and Dhoties)

In the case of blended shirting

13-76 GI /87

12. Incase of printed cloth state		-			
<ul><li>(i) No. of colours used:</li><li>(ii) The porcentage of area of fabrics of</li></ul>	covered	I by p	orintir	, ng	٠
13. Date of commencement of packing of c 14. Price calculation	:loth.				
Sorial No.	:				
Code No.	:				
Description:	:				
(a) Maximum ex-factory price per m	tr./per	niece	٠.		
(b) Retail price per metre per piece			,		
(e) Excise duty per metre/per piece.			•		
(d) Maximum consumer price.					
(e) Rounding off to nearest paise w	hon so	old n	oterv	riso o	r to
the nearest 5 paire (when sold p				-	•
Place:					
Date:					

Signature of Mill Manager/Secretary.

#### MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 23rd April 1987

No. A-19018(753)/84-Admn.(G).—Consequent on his appointment to Grade II of the Indian Economic Service in the Department of Agriculture & Co-operation, Shri P. N. Ramamoorthy relinquished charge of the post of Deputy Director (Economic-Investigation) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries). New Delhi on the afternoon of 17th March, 87.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 27th April 1987

No. A-17011 '318/86-A.6(.).—On the results of the Engineering Services Examination, 1984 conducted by the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Radhev Shyam Pandey in Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service Group 'A' with effect from the forenoon of 30th March, 1987 and until further orders.

2. Shri Pandey assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engineering) in the office of the Directorate General of Supplies and Disposals. New Delhi on 30-3-1987 (F.N.). He will be on probation for a period of two years from the date of his appointment.

No. A 17011/312/86/A-6—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri A. K. Aggarwal as Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engineering) in the Engineering Branch of the Indian Inspection Service, Group 'A' with effect from the forenoon of 2nd February. 1987 and until further orders.

2. Shri R. K. Argarwal assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection Inspecting Officer (Engineering) in this office at Headquarters on 2-2-1987 (F.N.).

3. Shri Aggarwal will remain on probation for a period of two years.

R. P. SHAHI Dy. Director (Admn.)

# ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

# GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 23rd April 1987

No. 2817B/A-32013(SAO)/82-19A.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Mahanta, Adm. Officer Geological Survey of India, as Senior Administrative Officer on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 3000-4500/- in the same Department in an officiating capacity with effect from the forenoon of 20-3-87, until further orders

No. 2835B/A-19011(1-GG)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri Ghanshyam Gonnade to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 19-3-87, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

Calcutta-700 016, the 27th April 1987

No. 2912B/A-190011[1-SR.DDG(P)]/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri D. K. Gupta, Commissioner. Income Tax (Level-I) as Senior Deputy Director General (Personnel) in the Geological Survey of India on pay according to normal rules in the scale of pay of Rs. 5900-200-6700 - on deputation with effect from afternoon 16-4-1987, until further orders.

N. K. MUKHERJEE Sr. Dy. Director General (Opn.)

# SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun-248001, the 30th April 1987

No. C-20/579-A.—Shri S. L. Verma, who was appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S.

Group 'B' post) is confirmed in his appointment with effect from 17th March, 1987.

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India

### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

## DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-85, the 15th April 1987

No. Ref.: DPS/2,1(29)/83-Adm./18186.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri S. R. Vaidya a permanent Storekeeper to officiate as an Asstt. Stores Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 1. 1987 until further orders in the same Directorate.

#### The 24th April 1987

No. Ref: DPS/2/1(26)/83-Adm./19686.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri C. Sivaraj, Purchase Asstt. to officiate as an Asstt. Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st April, 1987 until further orders in the same Directorate.

B. G. KULKARNI Administrative Officer

### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thane-401 504, the 16th April 1987

No. TAPS/1/57/86-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri N. Srinivasan, a permanent Senior Stemographer in NPB Pool and officiating Assistant Personnel Officer in Madras Atomic Power Station to officiate as Administrative Officer-II in the Tarapur Atomic Power Station with effect from 8-4-1987 (FN), until further orders.

S. RANGANATHAN Chief Administrative Officer

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (ADMINISTRATION-I SECTION)

New Delhi, the 29th April 1987

No. A-31014/2/81-Admn-I.—In this Directorate's notification No. A-31014/2/81-Admn-I, dated the 30-7-1985.

For-3-1-1979 Rend-12-1-1982

P. K. GHAL

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS

#### CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 29th April 1987

No. 1/384/69-EC IX.—Shri M. I. Sota, Assistant Architect of this Department retires from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30th April, 1987.

No. 1,73/69-EC IX.—Shri B. K. Dar, Assistant Architect of this Department retires from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30th April, 1987.

#### The 30th April 1987

No. 1/29/69-EC IX.—Shri G. S. Bhogal, Technical Officer of this Department retires from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 30-4-1987 (AN).

PRITHVI PAL SINGH Dy. Director of Administration

#### MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPTT, OF COMPANY AFFAIRS)

O. O. THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and In the matter of Ruby Rubber Works Limited

Cochin, the 24th April 1987

No. 993, Liq./3381/87.—By an order dated 30-7-86 in C.P. No. 85/81 of the High Court of Judicature at Ernakulam it has been ordered to wind up Rubb Rubber Works Limited.

V. A. VIJAYAN MENON Registrar of Companies Kerala

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(ACQUISITION RANGE), 106/282, KANCHAN BIIAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012.

Kanpur, the 16th April 1987

No. M.D. 23, 86-87.—Whereas, I, S. K. PAHWA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Khasra No. 275 or Khatan No. 48, Aurang Sahpur Diggi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut, under registration No. 19973, dated 22-8-86. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Nandur Kora s/o Shri Ishri r/o Amangshaput Diggi City, Meerut.
- (Tiansteroi)
  (2) M/s. Janakpuri Sahkan Avas Samiti Ltd. Meerut through Shri Kadam Singh Dhavan Bujpal Singh, Meerut.

(Transferee)

(3) —Do—.
(Person(s) in ocupation of the property)

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Khasra No. 275, Khatan No. 48, Aurangshapur, Diggi, Meerut.

S. K. PAHWA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (Acquisition Range), Kanpur.

Date: 16-4-87.

Seal:

#### FORM IINS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(ACQUISITION RANGE), 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP LANIN PARK KANPUR-208 012.

Kanpur, the 16th April 1987

No MD-30 86-87 --- Whereas, I,

S K PAHWA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property havaing a fair market value exceeding Rs 1.00 000 - and beating Khasia No 392, Quarst (Aligath), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh under registeration No 7860/218006 dated 21-886 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Rajendia Singh s/o Shri Sohan Singh R/o Quarst Ichsil, Cool, Distt. Aligarh.

( Fransferor)

(2) M/s Uttai Railway Karmchary Sahakari Awas Samiti I td Aligai h, 142-A Railway Colony through Shri Yogendia Chaudhary s/o Ram Swarup

(Tunsferce)

(3) —Do—

[Person(s) in occupation of the property]

(4) --- Do---(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this
  notice in the Official Gazette or a period of 30
  days rfom the service of notice on the respective
  persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Khusia No 392 Village Quaisi Tchsil Cool, Aligarh

S K PAHWA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (Acquisition Range) Kanpui

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date 16-4-87 Seal .

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(ACQUISITION RANGE), 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012.

Kanpur, the 16th April 1987

No. M.D.-32/86/87.—Whereas, I, S. K. PAHWA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 81 1, situated at Narabara.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office

of the registering officer at Meerut under registeration No. 20158, dated 30-8-86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the normal property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Jagdish Prasad s/o Shri Sohan Lal R/o 28, Ram Nagar, Meerut.

(2) Shri Vijaya Pal Singh s/o Shri Bhalul Singh V. & P.O. Mudlana, Saharanpur,

(Transferce)

(3) —Do—. (Person(s) in ocupation of the property)

(4) - Do -(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

No. 81/1 Narahara, Meerut.

S. K. PAHWA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (Acquisition Range). Kanpur.

Date: 16-4-87. Scal :

#### FORMS ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT GO INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(ACQUILITION RANGE). 106/232, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANDS PARE KANPUR-208 012,

Kanpur, the 16th April 1987

No. M-1117/86-87.—Whereas, I.

No. M-117/86-87.—Whereas, 1, S. K. PAHWA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 5862 587 2 situated at Surappur, (and more rally described in the Schalula annexed hereto).

has been transfer ed and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office

Daditi, under registration No. 5374 dated 13-8-86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the in market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namedly . -

- (2) Shri Narendra Singh Chehal s/o Mahendra Singh R o Mavala Magh Dashna, Ghāziabad,
- (2) M. S. C. F.C. Laboratories Ltd. through Shri S. K. Chopia, S. O. Di. R. N. Chopia, 31 Kalkaji, New Delhi

(Transferee)

(3) ---Do---. (Person(s) in ocupation of the property)

(4) —Do—

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisit on of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per sons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TEXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

No. 587/2 586, Surajpur, Ragna Dadari, Ghaziabad,

S. K. PAHWA Competent\_Authority Inspecting Assistant Courtain oner of Income-tax (Acquisition Range), Kanpur.

Date: 16-4-87,

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M, s. Essel Properties & Industries B-10, Lawrence Road, Indl Area, New Delhi-35,
- (Transferor) New Bilce Foundry, G. T. Road, Batali (Punjab),

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV

HOUSF, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI. AGGARWAL

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No I.A.C. (Acq)/R-VI/VI-37-EE/85-86/79.—Whereas. I, F. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No UG-10/Upper Ground Floor, situated at Essel House, 10-Asaf Ali Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act

has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi

in August, 1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disloced by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Hlat No UG-10 Upper Ground Floor/391-13 Sq. Ft. (Essel House, 10-Asaf Ali Road, New Delhi).

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

Date: 13-4-87.

Seal :

-----

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s. Essel Properties & Industries, B-10, Lawrence Road Indl. Area, New Delhi-35.

(Transferor) (2) M s. Indo Java & Co. 811-Ansal Bhawan, Kastinba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI HODSE, 4,14-A. ASAF ALL ROAD, NEW DELHI. AGGARW \I

New Delhi, the 13th pril 1987

Ref. No 1 1, T. K SAH, IAC (Acq) R-V1/37-FE/8 86/80 —Whereas.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) Theremafter referred to as the Said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Hat No. 209 & 210/2nd Floor/658.82 Sft. situated at Fesch Hous., 10-Asaf Ah Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed her (to) has been tundered and the government is registred under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at New Delhi in

August, 1986,

August, 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPI ANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 20 9, 210/2nd Floor/658.82 Sg. Ft. 'Essell House'; 10, Asaf Ali Road. New Delbi

> T, K, SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110002.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--14-76 GI/87

Date: 13-4-87.

Scal:

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. IAC. (Acq)/R-VI/37FF/80A.--Whereas, 1, T. K. SAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fuir market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No Flat No. 217/2nd Floor TSSTI HOUSE' situated at 10, Asaf Ali Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the IT. Act 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tay Rules 1962 in August 1986

August 1986 of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thetransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. "Essel Proporties & Industries" B-10, Lawrence Road Indl. Area, New Delhi.

(Transferor/s)

(2) Shri Ashish Gupta 810 Sh B. K. Gupta, C-50, Circuter Kuilash, Part-I, New Delhi.

(Tinnsferee/s)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION . -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter EXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 217/2nd Floor/103.96 sft. 'ESSEL HOUSE' 10-Vaf Ali Road, New Delhi

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 13-4-1987

Seal:

# FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. Alc. (Acq) R-VI/37I F/8-86/80B—Whereas I T k SAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.

Rs 100,000/ and bearing No Flat No 114/1st Floor, 'ESSFI HOUSF' situated at 10-Asaf

Alı Road New Delhi

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), and has been registered with the Competent Authority u/8 269 AB of the 11 Act 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in

August 1986

for an apparent consideration which is less than the jair mirket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration in that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under make chan (1) of Section 269D of the said Act to the following remains samely

 M s Essel Properties & Industries, B-10, Lawrence Road Indl Area, New Delhi-35

(Transferor/s)

(2) Mi Munish Gupta s /o Mr B K Gupta, C 50, Greater Karlash Part-I, Nev Delhi 48

(Transferee/s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

LXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Flat No 114/1st Floor/267 63 sft 'ESSEL HOUSE' 10, Asaf Ah Road, New Delhi."

T K SAH
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Vil
New Delhi-110002

Date 13 4-1987

Scal

#### PORM I.T.N.S .--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ret No 11C (Aug)/R V1/8-86/37EE/80C —Whereas I, R SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1 00,000 /- and bearing No Flat No 316/3rd Floor situated at 'ESSEL HOUSE', 10-Asal Ali Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the LT Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Lax Rules 1962 in

August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such traisfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Essel Properties & Industries, B 10, Lawrence Road Indl. Area, New Delhi-35

(Transferor)

(2) Km Sonia Sarna D/o Sh J L Sarna, B1/75, Safdarjung Enclave, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid person: within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interests. In the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

LAPLANATION. I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

'Hat No 316/3rd Floor/233.29 sft 'ESSEL HOUSE', 10-Asaf Alı Road, New Delhi"

T K SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
New Delhi-110002

Date . 13-4-1987 **Scal** :

### FORM ITNE ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Rel. No. IAC. (Acq)/R-V1/8-86/37EE/80D.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing that No. 216/2nd floor 'ESSEL HOUSE' situated at 10-Asaf Ali Road New Delby

Alı Road, New Delhi

and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the LT. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in

August 1986

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethat the capacent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Essel Properties & Industries. B-10, Lawrence Road Indl. Area, New Delhi-35.

(Transferor)

(2) Shir I. L. Sarna S o Sh. V. P. Sarna B1,75, Safdarjung Linclave, New Delhi-29. (Transferec(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this in the Official Gazette.

EXPANATION : - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

"Flat No. 216/2nd Floor/233.29 sft. 'ESSEL HOUSE', 10-Asaf Ali Road, New Delhi".

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 13-4-1987 Soal:

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Essel Properties & Industries, B-10, Lawtence Road Indl. Area, New Delhi-35.

(Transferor)

(2) M/s. New Bijleo Foundry, G. Γ. Road Butala (Punjab).

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HÖUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NFW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VI/8-86, 37EE, 80-E. --Whereas I,

11. K. SAH, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Flat No. L-10 l oft Floor/295 69 sft. situated at "ESSEL HOUSE: 10. Asaf Ali Road, New Delhi-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the 11. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986

August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than lift en per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of anater with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse fee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1967):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given be that Chapter

## THE SCHEDULE

"Flat No. L-10 Loft Floor/295.69 sft. 'ESSEL HOUSE', 10-Asaf Ali Road, New Delhi-2.

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Vf New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date : 13-4-1987

-<u>----</u>

#### FORM LT.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1/4X ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING. ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWIL HOUSE, 4714-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1987

Ref. No. 1AC/Acq. 111, 37EE, 8-86/195-K.--Whereas I,

SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ta Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the and Act), have reason to believe that the immovable property having a for market value exceeding No 160 000 (2012).

No. C 139, satuat a at No social Incustrial carea, Phase-I, N.  $\mathbf{D}_{\mathbf{clhi}}$ 

tand mo fully dose the d in the Sch dule annexed hereto), has been it asferred eige tered anter the Income-tax Act, section 269AB of the encome-tax Act, 1961 (43 of 1901 in the Office of the Registering Officer at 1AC Acq. Range-III, New Dolhi on August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesind property and I have reason to believe that the fair morelet value of the property as afores.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fatern per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assit, which have not been or which of 1922) or the said Act, or the Westlib-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby intu-te proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M. s. Raghbir Singh Santokh Singh & Co. through Shri Gurcharan Singh, Road No. 44, Punjabi Bagh, New Delhi. Sh Dar ban Singh, S-147 Narama Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M s. Monaa International C 139, Naturna Industrial Area, Physe-I, New Delhi.

(Tran leren)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettte.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

C-139, Naraina Industrial Area, Phase-I, New Delhi. Area 600 sq. yds.

> SUBHASH KUMAR Competent Authority Inspecting Assirtant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhu

Date: 15-4-1987

Scal:

entre de la co<del>mmunicación de la constanción de </del>

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1987

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-II/8-86/355.—Whereas I SUBHASH KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Prop. No. 3. Class C situated at Punjabi Bagh, New Delhi

Prop. No. 3. Class C situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred registered underRegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Mithlesh Gupta
 Mukesh Gupta
 Sanjay Gupta sons of Sh. R. K Gupta all r/o 7006, Block-14, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Sh. Ram Kumar Gupta, Dharam Pal Gupta, Ashok Kumar Gupta sorts of Baru Mal Gupta and
(4) Suchma Gupta,
r/o 30, Ashoka Park (Main) Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 3, Class-C, area 555.55 sq. yds. at Punjabi Bagh. East Avenue Road, Delhi.

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 15-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1987

Ref. No IAC/Acq III SR-II/8-86/360.-Whereas, I, SUBHASH KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. C-78, situated at Inderpuri area of Vill Nariana, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer

1908) in the Office of the Registering officer at New Delhi on August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not be a which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 15-76 GI/87

(1) Sh Brij Narain Datt, S/o Shii Hainam Dass 1/o C-78, Inderpurt New Delhi,,

(Transferor)

(2) Sh Bhatat Bhushan Taneja, So Sh P. L Taneja Smt., Necru Taneja W/c Sh, Bharat Bhushan r/o H-86 Kirti Nagar New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House single storeyed No C-78 mg, 500 sq., yds, situated at Inderpuri area of village Naraina, Delhi.,

SUBHASH KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Agaiwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 15-4-1987 Seal :

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4, 14-A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1987

Ref. No. IAC/Acq.111/SR-II/8-86/369.--Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

The said Act), having a foir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

No. 17/35, Punjabi Bagh situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer.

at New Delhi in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or asy moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Art, to the following

gernous, namely:-

(1) Sh. Madan Mohan Sachdeva S/o Sh. Bishan Dass Sachdeva r/o K 35. Model Town, Delhi,

(Transferor)

(2) Sh. Rajesh Lakhanpal & Smt. Smita Lakhanpal w/o Sh. Rajesh Lakhanpul K-4/8, Model Town, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 17, on Road No. 35, Punjabi Bagh, New Delhi measuring 569 46 sq. yds.

SUBHASH KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Agarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 15-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/8-86/381.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2265, Naiwala situated at Karol Bagh, New Delhi.

No. 2265, Naiwala situated at Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been nuly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Sh. Harbhajan Singh,
 s/o S. Joginder Singh
 r/o H. No. 2265, Naiwala Street No. 67,
 Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Blaze Construction Co.
Pvt. Ltd., Regd. Office 404,
Padma Tower, Rajindra Place,
New Delhi (Co. under incorporation) through its Promptor/Director.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said anniov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have thesame meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Half portion of property No. 2265, Naiwala Street No. 67, and Khasra No. 591, Karol Bagh, New Delhi mg. 231 sq. yds.

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Agaiwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, Nev Debt.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 15-4-1987

Seari .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/9-86/431.—Whereas, i,

SUBHASH KUMAR, being the Competent Authori y under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 2265, Naiwala situated at Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September 1986

for an upparent consideration which is less than the fair for an upparent consideration which is less than the last market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Gurcharan Devi W/o Sh. Jagjit Singh r/o 2265, Street No. 67, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Blaza Construction Co. Pvt. Ltd. Regd. Office 404, Padma Tower, Rajinder Place, New Delhi. through its Director C/o Under incorporation) Sh. D. N. Taneja S/o Sh. G. D. Taneja. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Half portion of property No. 2265, street No. 67, Naiwala Karol Bagh, New Delhi falling in Khasra No. 591, measuring about 231 sq. yds.

> SUBHASH KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Agarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 15-4-1987

Scal:

### FORM ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1987

Ref. No IAC/Acq/Range-IV/37EC/79 —Whereas, I. D. K. SRIVASTVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- and bearing
Faim No B-29, Pushparijaly Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act 1961 IAC Range-I New Delhi in Aug 1986

1961 IAC Ronge-I New Delhi in Aug 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Forms, manely:—

(1) Ansal Properties (P) 1 td 115, Ansal Bhawan 16, K G Marg, New Delhi

(Transferor)

(2) Sh Arjun C. Waney, Cho Mis. Mohani Waney C-34, West 1 nd (Near Shanti Niketan) New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Faim No. B-29, Puspanjali faim at village Bijwasan New Delhi.

D. K. SRIVASTVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Agarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 20/4/1987

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1987

Ref. No IAC/Acq/R-IV/37EE/80.—Wheras, I, D. K. SRIVASTVA, being the Competent Authority, under sec. 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. W-21, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act 1961 IAC Range-I New Delhi on Aug 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween he paries has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Usha Dalmia w/o Sh. A. H. Dalmia. No. 1, Tees January Marg New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Rama Rani Khanna w/o Sh. Kewal Krishan Khanna and (M) Munish Khanna,

(M) Munish Khanna, (M) s/o Sh. Kewal Krishan Khanna R/o 2-C/5, New Rohtak Road, New Delbi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/8 Part Portion in Plot of land bearing W-21, Greater Kailash-II, New Delhi.

D. K. SRIVASTVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Aggarwal House
4/14-A, Asuf Ali Road, New Delhi,

Date: 20/4/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1987

Ref. No. IAC/Acq/R-IV/37EE/81.—Whereas, I, D. K. SRIVAŞTVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. W-21, G. K. II, New Delhi situated at New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at I.T. Act 1908 in the Office of the Registering Officer at I.T. Act 1961 IAC Range-I New Delhi in Aug 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be oblive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction of evasion of tht liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings fo rthe acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt Bela Dalmia w/o Sh Y. H Dalmia No. 1, Teeş January Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vijay Kumar Khanna & Sons. (HUF) Through its Karta Sh. Vijay Kumar Khanna, 2C/5, New Rohtak Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part Portion in plot of land bearing W-21, in Greater Kailash-II, New Delhi.

D. K. SRIVASTVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Agarwa! House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi,

Date: 20/4/1987

Scal:

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 CF 1961)

#### (1) Smt. Mohini Waney, C-34, West End (Near Shanti Niketen) New Delhi.

(Transferor)

(2) M s Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, NEW DELHI

> > New Delhi, the 20th April 1987

Ref. No. IAC/Acq'R-IV, 37-HE/82.—Whereas, I, D. K. SRIVASTVA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Farm No. B-30, Pushpanjali Vill-Bijwasan, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the ereduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any p.come or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Farm No. B-30, Pushpanjali farm at Vill. Bijwasan, New Delhi.

> D. K. SRIVASTVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Aggarwal House. 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of tre said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 2690 of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 20-4-87 Seal:

## FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME 1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## (1) Shri Pran Nath Kayship, E-48, G. Floor Greater Kailsh-II, New Delhi.

(Transferor)

Shri Balkishen, E-56, Greater Kailash Enclave-II, New Delhi.

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV AGGARWAI HOUSH, 4/14-A- ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1987

Ref. No. IAC Acq/IV'37-G'72.--Whereas, I,

D. K. SRIVASTVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F-48, G Floor, Greater Kailash J.

New Delhi.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Office)

nt New Delhi in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sail Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 16-76 GI/87

THE SCHEDULE

E-48, G. Floor, Greater Kailash Part-II, Three Bed Rooms Drawing/Dining, Two baths Kitchen, Store, Mezanine room with bath room. Greater Kailash Part-II, Three Bed

> D. K. SRIVASTVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Aggarwal House 4/14-A. Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 20-4-87

rate and a second

### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV Aggarwal House 4,74-A. Asaf Ali Road, NEW DELHI

> > New Delhi, the 20th April 1987

Ref. No. IAC/Acq/R-IV 37G 71.--Whereas, 1, D. K. SRIVASTVA,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 77, Block M, Meas. 195, Sq. ft Rest. Colony

known as Greater Kailash-II,

New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi in August 1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the law market value of the property as aforesaid xceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Sudhir bala Sarina W/o Sh. Gopal Singh Sarina, R o E-496, Greater Railash-II, New Delhi. and presently residing at 3353, Ramzay Street, Longenti, quebec, Canada. Through Attorney Sh. Copal Sarine. (Transferor)

(2) M/s M J. Enterprises, 55-A. Uday Park, New Delhi through its partners Smt. Manut Kaur and Smt. Jashir Kaur.

(Transteree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop plot bearing No. 77, in Block M, Measuring 195 Sq. ft. situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi.

D K. SRIVASTVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 20-4-87

Scal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1987

Ref. No. 1.A.C. (Acg)/R-VII/37EE/8-86/113.--Where-

as, I. V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 1,00,000/- and bearing

Plat No. B-412, 4th Floor, 5 Bhikaji Cama Place,

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the J.T Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income fax Rules 1962

in August 1986

for an apparent consideration which is less than the tait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) Sh J. B. Martin S/o Late Shri G, M. Martin, A 1/230, Satdarjang Enclave, New Delhi.

(Transféror)

(2) Shii Om Piakash Dhingra, S o Late Shii Daulat Ram Dhingra, 20/26, East Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULR

Flat B-412, 4th floor in 5 Bhikaji Cama Place, New Delhi. 533 Sq. ft.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax ACQUISITION RANGE-VII Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road. New Delhi

Date: 10-4-87

(1) Sh. Chaman Lal Madhok (C. L. Madhok) 87/3, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Shashi Khana, 1A-232, Faridabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1987

IAC (Acq)/R-VII, 37EE, 8-86/142.—Whereas, Rel. No.

I, V K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Flat No. 409, 9 Bhikaji Cama Place,

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been registered witth the Competent Authority u/s 269AB of the I.I. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962

m August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than filtern percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said in trument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 409, 9 Bhikaji Cama Place, 4th floor New Delhi. 550 sq. ft.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax equisition Range-VII Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 10-4-87 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Sh. C. I. Madhok, B 7/3, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Dulari Khurana, 1A-232, Faridabad.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1987

IAC (Acq)/R-VII/37EE/8-86/141.—Whereas,

I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

projecty, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 408, 9 Bhikan, Cama Place,

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the IT. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962

in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of: transfer with object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

### THE SCHEDULE

Flat No. 408, Bhikaji Cama Place, 4th floor New Delhi. 550 sq. tt

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. MANGOTRA Competent Authority
Iuspecting Assistant Commissioner of Income-tax
ACQUISITION RANGE-VII
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-4-87

Scal:

### FORM ! ! N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAI: ALI ROAD NEW DILHI

New Delhi, the 10th April 1987

Rci. No. A C (Acq) R-VII 37LE/8-86/195-17.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Ircome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

S-171, Greater Kailash-II, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been registered with the Competent Authority a/s 269AB of the I.T. Act 1961 tead with rule 48 DD (4) of the Income Fax Rules 1962

in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consude stron for such transfer 3, agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any facome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Master Aman Nagrath, S/o Shri Ranjit Nagrath, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mohan Lal Deorah, 5 Lower Rowdon Street, Calcutta.

(lransferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

No. S-171, Greater Kailash-II, Ist Floor New Delhi. 298 sq. yds.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incoine-tax ACQUISITION RANGE-VII Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 10-4-87

Seal.

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4 14-A, ASAF ALI ROAD NEW DITHI

New Delhi the 10th April 1987

Ref. No. 1AC(Acq) /R-VII 37FF/8-86 222 - - Whereas, I. V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "aid Act"), have reason to believe that the immovable

as the find Act), have fellon to behave that the infinovative propert it ving a fair market vidue exceeding as 1 (1000 - and bearing No. \$ 62. Greate, Kadish-H situated at New Dallin (and more fully depth of in the Schedul; annexed hereto), has been the referred and registered and vide the Comparent. has been transferred and registered with the Competent Authority is 26% AB of the 17 Act, 1961 rend with rule 48 DD (1) of the freome Tax Rules 1962 in Auenst, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Not I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following per-∛ons, namely :—

(1) M. F. Wajidsons Exports Ltd., through their Dir. Sh. Abdul Qadir, D-B Kalindi Colony, New Delhi

(Tuniferor)

(2) I. Shir Bimal Kishore Jain 2. Mrs. Rita Inin.
3. Mrs. Kavit Jain.
4. Mrs. Drzy Jain,
all R. o. 1940. Kucha Dariba Kalan,
Chandni Chowk, Dethi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

S-62. Greater Kailash-II. New Delhi.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggatwal House 4 14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 10-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAI HOUSE 4/14-A, ASAF ALI KOAD NEW DFLHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC /Acq-1/37EE, 8-86/3213Λ.--Whereas, I, C. GUPTA,

S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Space No. 11 on 3rd floor in Block E. Hotel-Cum-Commercial Complex. Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s. 269 AB of the 1T. Act, 1961 read with rule 18 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August, 1986 August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the naties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose, of the Indian' Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27•of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, langpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Vibha Bhatia & Mrs. Simi Bhatia, R/o A-1/114, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- a() by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Space No. 11 on 3rd floor in Block-E, Hotel-Cum-Com-Hotel, Nehru Place. New Delhi. Area 735 Sq. ft. 647 Sq. ft.

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 16-4-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AĞĞARWAL HÖÜSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37FE/8-86 3213B.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fait market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No 805 International Trade Tower Nebru Place,

Hotel, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u.s. 269 AB of the LT. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-consideration for such transfer as agreed to between the persons, namely :--17-76 GI/87

(1) M/s. Coronation Spinning India, B-44, Greater Kailash-I, New Delhi-110048.

\_\_\_\_\_\_\_

(Transferor)

(2) M. s. J. S. Luthra, 111/92, Nehru Place, New Delhi-110019.

(T)ansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in he said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 805, International Trade Tower Nehru Place Hotel, Nchiu Place, New Delhi, Area 735 Sq. ft.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I \ggatwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 16-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Pragati Construction Co. (Devika Tower) 4th Floor Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi

(Transferor)

(2) Shii Mahesh Chandra Jain, 55 B Cantt Kanpur.

(Transferre)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4, 14-A, ASAE ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC, Acq-1/37EE/8-86/3225—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property hiving a fair market volume exceeding. Rs. 1,00,000 - and bearing No. 1301, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule below), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the LT Act 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 1304. Devika Tower, 6. Nehru Place, New Delhi. Area 560 sq. ft,

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A. Asaf Ah Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 16-4-1987

#### FORM ITNS----- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs Pingati Construction Co. (Devika Tower) 4th Floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shir Pradecp Jam, 55 B Cantt, Kanpur,

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. 1AC. Acq-1/37Et 8-86 3228—Whereas, 1, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1309, Devika Tower, 6, Nehrn Place, New Delhi

Jins been transferred and registered with the Competent Authority u.s. 269 AB of the I.F. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in

August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1309 Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi, Atea 500 Sq. 11.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 16-4-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\_ -----

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No 1AC S. C. GUPTA. 1AC Acq-1/37EE/8-86 3230.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 1306. Devika Yower, situated at 6, Nebru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M/s Pragati Construction Co. (Devika Tower) 4th Floor, Sheetla House, 73-74. Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Prashant Jain 55 B. Cantt. Kanpur.

(Transleree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

Flat No. 1306 Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi. Alea 325 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggat wal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in apursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Date: 16-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4 14-A, ASAF ALI ROAD NFW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC Acq-1, 37EE, 8-86, 3231,—Whereas, 1, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proper y having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 1308, Devika Tower.

situated at 6, Nehru Place. New Delbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with tule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August, 1987

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Pragati Construction Co. (Devika Tower) 4th Floor Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(2) Smt. Shakuntala Devi Jain 55 B Cantt. Kanpur. (Transferee)

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1308, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi. Area 440 Sq. ft.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggatwal House
4/14-A. Asaf Ah Road
New Delha

Date : 16-4-1987

FORM 1.T.N.S.---

(1) M/s Pragati Construction Co (Devika Tower) 4th Floor, Sheetla House, 73-74 Nehru Place, New Delhi.

(Pransferor)

\_\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sandeep Jain 55 B. Cautt. Kanpur

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI-I, NEW DELHI

New Dethi, the 16th April 1987

Ret No. JAC /Acq-1/37EE /8-86 3232 -- Whereas, I,

S. C. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fin market value

exceeding Rs 1,00,000 - and bearing Flat No 1310 Devika Tower,

situated at 6 Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Corn etail. Authority u/s 269AB of the I.T. Act 1961 read with Rule 48DD (4) of the I Tax Rules 1962 on August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 1310, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi. Area 500 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax A : 195° (27 or 1957);

S. C. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 16-4-1987

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) M/s Pragati Construction Co. (Devika Tower) 4th Floor, Sheetla House, 73-74 Nehru Place, New Delhi.

## (Transferor) (2) Smt. Durga Bri Jain

55 B. Cantt. Kanpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EF/8-86|3233.--Whereas, I, GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat the 1307, Devika Tower, situated at 6 Nehru Place. New Delhi cand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority #1/5 269 AB of the L C. Act 1961 read with Rule 48DL (4) of the L Tax Rules 1962 on August 1986 for an opparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ausing from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this rotic; in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter,

### THE SCHEDULE

Flat No. 1307, Devika Tower 6, Nehru Place, New Delhi. Area 560 Sq. ft.

> S. C. GUPTA, Competent Arthority Inspecting Asstt. Com issioner of Income-tax Acquisi on Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 16-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) M/s Pragti Construction Co. (Devika Tower), 4th Floor, Sheetla House, 73-74 Nehru Place. New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Lata Jain, 55 B. Cantt. Kanpur.

(Transferee (s)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. 1AC/Acq-1/37HH/8-86|3234,--Whereas, 1,

S. C. GUPTA
being the Competent Authority under Section 269AB of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Flat No. 1305, Devika Tower situated at 6 Nehru Place, New Delhi tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority at 6 260AB of the LT Act 1961 read with Rule Authority u/s 269AB of the I.T. Act 1961 read with Rule 48DD (4) of the I. Tax Rules 1962 on August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not liven truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

- /e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any measures or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1937).

THE SCHEDULE

Flat No. 1305, Devika Tower, 6, Nehru uPlace, New Delhi. Area 325 Sq. ft.

> S. C. GUPTA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269° of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269° of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 16 4-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NFW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. JAC/Acq-I/37I-F|8-86|3237.- Whereas, 1,

S. C. GUPTA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the investment of the said Act of movable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No 2-A, Ground Floor, situated at Kundan House, 16-Nebru Flace,

situated at Kundan House, 16-Nehru Flace,
New Delhi-110019
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered with the Competent
Authority u/s 269AB of the I.T. Act 1961 read with Rule
48DD (4) of the I. Tax Rules 1962 on August 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and the
consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transfer to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Tower Height Builders (P) Ltd. D-31, Model Town, New Delhi 110009

(Transferor)

(2) M/s laxmi Paul Dhir & Son (HUF) C-361, Defence Colony, New Delhi-110024 through Shri L. P. Dhir, Karta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period et 45 days from the date of rublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2-A, Ground Floor, Kundan House, 16 Nehru Place, New Delhi-110019. (Measuring 250 Sq. ft.).

> S. C. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in thate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -18-76 GI/87

Dated: 16-4-1987

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### (1) M/s Gulmohar Estates (P) Ltd. 415, Devika Towers, 6, Nehru Place, New Delhi-110019.

(Transferor)

(2) Mr. Amit Garg S/o Shri Ravinder Garg R/o 14, Kailash Apartments, New Delhi-110048.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No 14C A.; /37, 86 87 3240.—Whereas, I, S. C. GUPTA being the Computent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No 20 on 4th floor at 38, Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act 1961 read with Rule 48 DD(4) of the I. Tax Rules 1962 on August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay bex under the said Act. in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 20, on the 4th floor, at 38, Nehru Place, New Delhi-110019, Area 399 Sq. fts.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 16 4-1987

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref No JAC/Acq-1/37EE 8 86|3241 -- Whereas, J.

S C GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs 1,00 000/- and bearing Flat No. 419, on 4th floor at 38 Nehru Place, New Del'n

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I Γ Act 1901 read with Rul-48 DD(4) of the I Γax Rules 1962 on August 1986 for an apparent consideration which is less than the fail

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferry to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Gulmohar Istates (P) Itd 415, Devika Towers 6, Nehru Place, New Delhi 110019

(Transferor)

(2) Master Nitin Gaig S/o Shii Rayindei Gurg, R/o 14, kalash Apartment, New Delhi 110048

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a reflied of 30 days from the service of notice on the respective per ons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said im able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act shall have the same meaning as given in this Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No 419, on 4th floor at 38, Nehru Place, New Delhi-110019.

Area 584 Sq fts

S C GUPl \ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the forlowing persons, namely :-

Dated 16 4-1987 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC /Acq-1, 37EE/9-86|3273.—Whereas, I, S. C. GUPTA being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the (said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. G/8-A (Ground Floor) Kundan House, situated at 16, Nehru Place, New Delhi 110019 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act 1961 read with Rul. 48 DD(4) of the I. Tax Rules 1962 in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in-trument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Tower Height Builders Pvt. Ltd. D-31, Model Town, Delhi-110909.

(Transferor)

(2) Mr. Alok Dhir & Miss Swati Dhir. C-361, Defence Colony, New Delhi-24

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(401 Sq. ft.) Flat No. G/8-A (Ground Floor) Kundan House, 16, Nehru Place, New Delhi-110019.

5. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Dated: 16-4 1987

### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DEJ HI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-1/37HE/8-86/3313.--Whereas, 1, S. C. GUPTA.

S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Co-1 Shopping Centie Cum Community Facility, Kalkaii, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules 1962 in August 1986 in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s Bhatia Apartments (P) 1td., A-18, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Bimla Mehra, Cio Mis Amolak Rain Om Parkash, Bazar Sabunia (Gutu Bazai), Amijtsar (Pb),

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Bazette.

EXPLANATION 8—The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

G-1, Shopping Centre Cum Community Facility, Kalkaji, New Delhi. Area 562.50 Sq. ft. Flat No. 102 First Floor,

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 16-4-1987

### FORM TINS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Bhatia Apartments (P) Ltd, A 18, Kailash Colony, New Delhi

(Transferor)

(2) Mr Sohan I al Mehia, C/o M/s Amolak Ram, Om Patkash, Bazar Sabunia (Guiu Bazai), Amritsar (Pb)

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE

New Delhi the 16th April 1987

4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Ref No IAC/Acq I/37FE/8 86/3314 -- Whereas, I. S C GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs 1 00,000 /- and bearing No Ci 1 Shopping Centre cum Community Facility Kalkan, flat No 103, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and has been registored with the Competent Authority u/s 269AB of the I T Act 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules 1962 ın August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of this notice in the official Cazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

G-1, Shopping Centro Cum Community Facility Kalkaji, New Delhi First Floor Total area 375 Sq ft Flat No. 103.

S C GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Alı Road, New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date . 16-4-1987 beal.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4 / 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/371T/8-86/3315.—Whereas, J. S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvement of the content of the

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
G-1 Shopping Centre Cum Community Facility, Kalkaji, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act. 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962 on August 1986

on August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Bhatia Apartments (P) Ltd., A-18, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Bhagwan Dass Mehra, Gurg Bazar, Amritsar (Pb).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

G-1, Shopping Centre Cum Community Facility, Kalkaji, New Delhi. Area 375 Sq. ft. Flat No. 104, Ist Floor.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-4-1987

on August 1986

FORM LUSS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC, Acq-1/37&F/8-86/3316.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

G-1, Shopping Centre Cam Community Facility, Kalkaji, New Delhi situated at New Delhi, Flat No. 105 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the J. T. Act 1961 read with Rulo 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afo esaid exceeds the apparent consideration therefor by more main fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s Phatia Apartments (P) Ltd., A-18, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mt. Bipul Mehra, C/o M/s Amolak Ram Om Parkash, Bazar Sabunia (Guru Bazar), Amritsar (Pb).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

G-1. Shopping Centre Cam Community Facility, Kalkaji, New Delhi. 1st Floor Flat No. 105. Total Area 187.50 Sq. ft.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate projectings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/8-86/3317.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-I, Shopping Centre Cum Community Facility, Kalkaji, New Delhi situated at New Delhi Flat No. 106 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 rend with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962 on August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s Bhatia Apartments (P) Ltd., A-18, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Rajiv Mehra, C/o Amolak Ram Om Parkash, Bazar Sabunia, Guru Bazar, Amritsar (Pb).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

G-1, Shopping Centre Cum Community Facility Kalkaji, New Delhi. 1st Floor Flat No. 106, total area 187.50 Sq. ft.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
19—76 GI/87

Date: 16-4-1987

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/8-86/3318.—Whereas, J. S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101, MPD House I, Plot No. 6, Madangir LSC, Near Pushpa Bhawan, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and have been registered with the Com-

has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act. 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962 in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (1) M/s MPD Builders Private Limited, 110 Meghdoot, 94 Nehru Place, New Delhi-110 019.

(Transferor)

(2) M/s Aparna Mail (Minor), U/g Santosh Devi Mall, 40 Strand Road, 4th floor, Room No. 2, Calcutta-700 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 101, MPD House I, Plot No. 6,, Madangir LSC, Near Pushpa Bhawan, New Delhi, measuring 257 Sq. ft.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 16-4-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No IAC/Acq-I/37EE/8-86/3319.--Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 102 MPD House I, Plot No. 6 Madangir LSC, Near Pushpa Bhawan, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962 in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
13—66GI/87

(1) M/s MPD Builders Private Limited, 110 Meghdoot, 94 Nebru Place, New Delhi-110 019.

(Transferor)

(2) Anand Shankar Mall, U/g Sagarmal Mall, 40 Strand Road, 4th Floor Room No. 2, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 102, MPD House I, Plot No. 6 Madangir LSC, Near Pushpa Bhawan, New Delhi, measuring 368 Sq. ft.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 16-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) MPD Builders Private Limited 110 Meghdoot, 94 Nehru Place New Delhi-110 019.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Devi Mall 40, Strand Road, No. 2, 4th Floor, Calcutta-700 001.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-86/3320.— Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103 MPD House I, 6 Madangir LSC, Near Pushpa

Bhawan, New Delhi, measuring 410 sq. ft. situated at New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Compepetent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962 on August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 103 MPD House I, 6 Madangir I.SC. Near Pushpa Bhawan, New Delhi, measuring 410 Sq. ft.

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 16-4-1987

#### FORM ITNS—

-OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-86/3321.—
Whereas, I, S. C. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 105, MPD House I, Madagir LSC Neat Pushpa
Bhawan; New Delhi situated at New Delhi measuring 410 Sq.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and has been registered with the Compepetent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 rend with
Rule 48DD (4) ofthe Income-tax Rules, 1962
on August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) MPD Builders Private Ltd. 110 Meghdoot, 94, Nehru Place, New Delhi-110 019.

(Transferor)

(2) Mr. Sagarmal Mall 40, Strand Road, 4th floor, Room No. 2, Calcuta-700 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 105, MPD House I, Madangir LSC, Near Pushap Bhawan, New Delhi, measuring 440 sq. ft.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 16-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'I COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-86/3322.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Insome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 101, Build situated at New Delhi Building No. 4, Pushpa ihar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-Tax Rules 1962

on August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to gay tax sinder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assots which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Rajesh Jain. 54, Bhogal Road, Jangpura New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kiran Kapoor C-12, Greater Kailesh-L New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undessigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

Flat No. 101, Building No. 4, Pushp Vihar, New Delhi. Area 324 Sq. ft.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 16-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-86/3323.-Whereas, 1. S. C. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing Flat No. 102, Building No. 4 situated at Pushp Vihar, New viscottal at New Politic

situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Brijesh Jain 54, Bhogal Road, Jangpura, New Delhi,

(Transferor)

H. K. Kapoor (HUF) C-12, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, whin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 102, Building No. 4, Pushp Vihar, New Delhi. Area 324 Sq. ft.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 16-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Rajesh Jain 54, Bhogal Road, Jangpura, New Delhi.

(Transfero)

(1) H. K. Kapoor (HUF) C-12, Greater Kallash-I, New Delhi.

(Transferce

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 16th April 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-86/3324.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market 'alue exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 104, Building No. 4 Pushp Vihar, New Delhi

Flat No. 104, Building No. 4 Pushp Vihar, New Delhi situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 on August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXLANATION:—The terms and expressions used herein, a are defined in Chapter XXA of the sai Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 104, Building No. 4, Pushp Vihar, New Dathi. Area 316 Sq. ft.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delbi

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-4-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Rcf. No IAC/Acq.I/37EE/8-86/3325.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 105, Building No. 4 Push Vihar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competence.

Flat No. 105, Building No. 4 Push Vihar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 on August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afor said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in request of any meome arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1977 (27 of 1957):

(1) Mrs. Sushila Daryani C-103, New Rajinder Nagar, New Delhi.

H. K. Kapoor (HUF)
 C-12, Greater Kailash-I,
 New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be sande in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever pariod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 105, Building No. 4, Push Vihar, New Delhl, Area 263 Sq. ft.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

20—76 GI/87

Date: 16-4-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Balraj Kumar Sud R/o S-59, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shakti Kapur R/o 63/5, N.E.A., Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/8-86[3326 — Whereas, , S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/5th share of property No W-14, measuring 500 Sq. Yds situation at Greater Kallash-I New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and has been registered with the Compositent Authority u/s 269 ÅB of the I.T. Act, 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 on August, 1986 for an account.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the anoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2/5th share of property No. W-14, measuring 500 Sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi,

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 16-4-1987 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Balraj Kumar Sud r/o S-59, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Shivangi Kapur r/o 63|5 N.E.A. Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/8-86|3327.—Whereas, I, C. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100.000/- and bearing

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 2/5th share of property No. W-14, situated at measuring 500 Sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfeired with the Competent Authority U/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income-tax Rules, 1962

on August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than offeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2,/5th share of property No. W-14, measuring 500 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Balraj Kumar Sud R|o S-59, Greater Kailash-II, New Delhi.

(2) Master Siddarth Kapur through father and natural guardian Shakti Kapur rlo 63|5, N,E,A, Old Rajinder Nagar, New Delhi,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A
ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE|8-86|3328.—Whereas, I, S. C. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 1|5th share of property No. W-14, situated at measuring 500 sq. yds Greater Kailash-I, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed herefor has been transferred and registered with the Competent Authority U/s 269AB of the J.T. Act, 1961 read with Rules, 48DD(4) of the Income-tax Rules, 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1|5th share of property No. W-14, measuring 500 Sq. yds. Greater Kallash-I, New Delhi.

S. C. GUPI A
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-4-1987

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

No. AR. II/37EE/37591/1986-87.—Whereas, 1, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. 113rd sheer of property No. No. 118 mg 300 Sq. yds

No. 13rd shaer of property No. N-118 mg 300 Sq. yds situated at Grea er Kailtsh-I, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority U/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with Rules, 48DD(4) of the Income-tax Rules, 1962 in August 1986 New Delhi in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Tarlochan Singh Anand, A-3, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

 (2) M|S Mahajan Foundation through its Trustee Lalit Mahajan, 1411 Chiranjuv Tower,
 43 Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1|3rd share at N-118, Greater Kailash-I, New Delhi Mg. 30 0sq. yds.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 16-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/8-86/3330.-Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1/3rd share in property No. 118 mg. 300 Sq. yds. situated at Greater Kailash-I New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act 1961 read with the Rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 on August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

S. Tarlochan Singh Anand A-3, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Jatin Mahajan, Master Nitin Mahajan through their father and natural guardian Lalit Mahajan 218, Gulmohar Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in property No. N-118, measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 16-4-1987

(1) Shii S. Turlochan Singh Anand R/o A-3, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Anıla Mahajan R/o 218, Culmohar Enclave, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/8-86/3331.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No 1/3rd share of peroperty No. N-118, measuring 300 sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Comme

has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act 1961 lead with the Rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 on August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd share of property\_No. N-118, measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 16-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. 1AC/Acq-I/37EE/8-86/3332.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Half built up portion of the property No. A-3 Niti Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

hus been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act 1961 read with the Rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 on August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Pal & Paul Builders Ltd. 70 Regal Building, Connaught Circus New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Sh. Satya Pal Bansal & Sh. B. R. Chopra R/o B-15 Greater Kailash-I, R/o Chopra Firm New Delhi. Mchrauli, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half built up portion of the property A-3, Niti Bagh alongwith the half area of plot of land under neath, i.e. 426.66 Sq. yds. in the basis of incomplete construction done up to 18-6-86.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 16-4-1987

#### FORM ITNS .....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

# GÖVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/8-86/3333.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Entire Second Floor of proposed construction Plot No. 16/17 LSC Madangir,

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act 1961 read with the Rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 on August 1986

right 1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-21-76 GI-87

(1) M/s. Capricon Industries Ltd. B-4/205, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Gammond India Ltd, Gammon House veer Savarkar Marg, Bombay-400025.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Aut, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Entire Second Floor of proposed for Construction at Plot No. 16/17 LSC, Madangir New Delhi. Area 4000 sq.

> S. C. GUPTA
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 16-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) D. C. Jain, Supdt. Engineer, All India Radio, Indore.

(Transferor)

(2) P. K. Jain, C-7/2, Vasant Vihar, New Delhi-110057.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/4-87/3334.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act') have reason to believe that the

to as the said Act) have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-7/2, Vusant Vihar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act 1961 read with the Rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 on Angust 1986 August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

C-7/2, Vasant Vihar, New Delhi. Area 5000 Sq. fts.

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuasce of Section 269C of the said Act, I he eby initiate proceedings for the acquisition of the arrestud property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 16-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.AC. (Acq)/R-VI/SR-I/8-86/781,—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-8/16, Model Town, Area of Vill. Malikpur Chhaoni

Delhi State, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Pritam Singh S/o Sh. Sajjan Singh and Sh. Daljit Singh S/o S. Pritam Singh R/o 1880, Bhagirath Palace,

(Transferor)

(2) Shri Sukhbir Saran Aggarwal S/o Sh. Hari Ram, Smt. Pushpa Devi Aggarwal
W/o Sh. Sukhbir Saran Aggarwal,
Sh. Ashok Kumar
S/o Sh. Sukhbir Saran Aggarwal, Master Ajay Kumar Aggarwal and Master Anup Kumar Aggarwal Sons of Sh. Sukhbir Saran Aggarwal under the guardianship of his father Sh. Sukhbir Saran Aggarwal R/o 2023, Katra Lachhu Singh, Fountaiu, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"2-1/2 storeyed house No. C-8/16, measuring 487.5 Sq. yds. situated at Model Town, area of Vill. Malikpur Chhanoi Delhi State, Delhi".

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 13-4-1987

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT,1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VI, AĞGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.AC. (Acq)/R-VI/SR-1/8-86/784.--Whereas, J,

Ref. No. 1.AC. (Acq)/R-V1/5R-1/6-60//64. T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-2/65, Rajouri Garden, Area of Vill. Basai Darapur Delhi State situated at Delhi

State, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fer the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Attar Singh S/o Sh. Pardhan Singh,
Sh. Sewa Singh
S/o Sh. Pardhan Singh and
Sh. Kesar Singh
S/o Pardhan Singh through its Attorney Sh. Paras Ram S/o Kanshi Ram all R/o A-2/65, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Parmod Kumar, Rakesh Kumar and Sh. Kamal Kumar sons of Sh. Paras Ram All R/o J-6/77, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"House No. A-2/65, measuring 295.4 sq. yds, situated at Rajouri Garden, area of Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi".

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VE New Delhi-110002

Date: 13-4-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.AC (Acq)/R-V1/SR-I/8-86/789.—Whereas, 1, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 43 the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 9, Block 5-C, Mpl. Ward No. XVI. on Rohtak Rd., situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealent of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

16--5--87 P. Dayal 76 GI/87 8X8X20 FRESH (I) Shri Tara Chand S/o Sh. Barkat Ram Gambhir Sh. Kasturi Lal
Sh. Kasturi Lal
Sho Tara Chand Gambhir
Sh. Bodh Raj
Sho Tara Chand Gambhir
R/o H. No. 1210, Gali No. 11, Sada, Bazar,
Delhi.

(Transferor) (2) M/s. R. N. Gupta and sons HUF through Karta Sh. Ram Niwas; M/s, Gupta Raja Ram & Sons HUF through Karta Raja Ram; and

(Transferee)

(3) M/s. Jain Bhagwan & Sons HUF Through Karta Jai Bhagwan, R/o D-28, Manohar Park, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afteresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"Property Kothl Pucca Built 21 storeyed built on Plot No. 9, Block 5-C, Mpl. Ward No. XVI, on Rohtak Road, New Delhi, area 367.56 Sq. yds. in Khasra No. 1057/153, Khewat No. 7, Khatauni No. 1046/1, Bagh Rao Ji, Delhi".

T. K, SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 13-4-87

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VI/SR-I/8-86/807.-NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi bearing Municipal No. 4222 situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1986

at New Delhi in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ravinder Shankar Mathur, Mr. Anil Shankar. Mr. Rakesh Shankar Mathur, Mr. And Shankar, Mr. Rakesh Shankar Mathur, All R/o E-313, Greater Kailash-I, New Delhi and Mr. Vinal Shankar Mathur, R/o k-34C, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor) (2) M/s. Rishi Engineering & Construction Pvt. Ltd., K-41, Hauz Khas Enclave, New Delhi-110016. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

"Land measuring 348.9 sq. yds. with two-storeyed building thereon known as No. 1. Ansari Road, Darya Ganj, Delhi bearing Municipal No. 4222."

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said set, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-4-1987

# FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VI/SR-I/8-86/809.— Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3-D/III, in Block-C/1 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Om Parkash Bhasin,
Tilak Raj Bhasin and
Jagdish Lal Bhasin Ss/o
Late Shri Ram Dass Bhasin all R/o
3-D/III, in Block C/1, Model Town, Delhi.
(Transferor)

(2) S/Shri Pawan Kumar,
Rakesh Kumar,
Raman Kumar and
Mukesh Kumar Ss/o
Shri Kashmiri Lal ,All R/o
2/3, Singh Sabha Road, Shakti Nagar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"House No. 3-D/III, in Block C-1, meas. 586 sq. yds. situated in Model Town, Delhi."

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-4-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUST, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-V1/SR-I/8-86/811.—Whereas, I. T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. J-128. Rajouri Garden, situated at New Delhi

exceeding Rs, 1,00,000% and bearing
No. J-128. Rajouri Garden, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer
at New Delhi in August, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair

axirket value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as unced to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Jatinder Paul Singh So

Shri Pritpaul Singh and Shrimah Prem Lata W/d Shri Jatinder Paul Singh S/o J-128, Rajouri Garden, New Delhi.

(Tiunsferor)

(1) Shri Ramesh Kumar Malhotra & Shri Rajinder Pal Malhotra Ss/o Shri Krishan Lal Malhotra, R/o 15/44. Subhash Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Proerty bearing No. J-128, mg. 311.1 sq. yds. situated at Rajouri Garden, area of Vill. Bassai Darapur Delhi State,

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Date: 13-4-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. GOMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VI/SR-I/8-86/818.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-'ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding 'Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, Netaji Subhash Marg, Daryaganj situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reproperty namely:—

22—76 Gl. 87

(1) Anthony Valentine Trinidade S/o Shri Vincent Manual Trinidade, R/o C-32, Picet Vihar, Delhi-92.

(Transferor)

(2) M/s, Jama Properties Pvt. Ltd.
(d company duly incorporated under the Indian Companies Act), with its Regd. Office at 'M' Block, Adiuath Shree House,
Opp. Super Bazar, New Delhi through its Director Shri Rakesh Jain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Property bearing No. 2, Netaji Subhash Marg, Darya Ganj, New Delhi, built on leasehold plot No. 2, falling in Khasia No. 128/43, 46, 47, measuring 279.7 sq. yds".

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Date: 13-4-1987

(1) Shri S. P. Khosla S/o Shri Krishan Khosla, R/o J-173, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sudershan Kumar S/o Shri Mulkh Raj Gulati, R/o J-4/8, Rajouti Garden, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Rcf. No. 1.A.C.  $(\Lambda cq)$  R-V1/SR-I/8-86/822.—Whereas, 1, T. K. SAH,

Whereas, I. T. k. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. J-173, Rajouri Garden, Area of Vill. situated at Bassal Darapur, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August, 1986

4258

at New Delhi in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

"House (Ground Floor) No. J-173, mg. 301 sq. yds. (50% share) situated at Rajouri Garden, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi."

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-4-1987

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-V1/SR-1/8-86/829.-

Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 31/5, East Patel Nagar, New Delhi situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Prem Vir & Shri Dharam Vir, R/o 681, Sector 21-A, Faridabad (Haryana).

(Transferor) (2) Shrimati Parveen Mehta and 2. Shri A. K. Mehta, R/o D-129 & 131, West Patel Nagar, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Property No. 31/5, East Patel Nagar, New Delhi."

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Date: 13-4-1987

Sea1

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.A.C .(Acq)/R-VI/SR-I/8-86/832.—Whereas, I, T. K. SAH,

whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 31, Block-B, Ashok Vihar, House No. 31, Block-B, Ashok Vihar (Wazirpur Phase-I) situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Oflice of the registering Officer at New Delhi in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly sated in the said instrument of transfer with the objec of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Hans Raj Swan S/o Shri Garib Das, R/o HAP Police Complex Madhuban Karnal (Haryana). (Transferor)

(2) Shri Krishan Kumar S o Shri Muni Lal, R/o KC/19-A, MIG Flat, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

"Single storeyed house No. 31, Block-B, Ashok Vihar (Wazirpur Phase-1), Residential Scheme, Delhi, measuring 497.22 sq. yds."

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Date: 13-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. IAC.Acq//R-VI/SR-I/8-86/833.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Mpl. No. 1545/C-8 built on Plot No. 5, Block 40

West Patel Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or thich ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property to the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons. namely :— 23—76 GI/87

- (1) 1. Shri Bharat Bhushan R/o S-429, Greater Kailash-I, New Delhi
  - Shri Vidhya Bhushan R/O B-22, Maharuni Bagh, New Delhi
  - 3. Shri K. B. Soni R/o S-429, Greater Kailash-I, New Delhi. all sons of Shri Gopal Dass,

(Transferor)

(2) Smt. Lajwanti Devi Trust through its Trustees S/Shii Sushil Bhushan Ved Bhushan, Anand Bhushan and Vijay Bhushan All Ss/o Shri Pitambar Lal R/o 24, Pusa Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Two and half storeyed property bering Mpl. No. 1545/ C-8, built on Plot No. 5, Block 40 measuring 1000 sq. yds. situated at West Patel Nagar, New Delhi.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition RangeVI New Delhi-110002

Date: 13-4-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE DNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAH ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. IAC.Acq R-VI, SR.I/8-86/934 -- Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Plot No. 7 Block No. 30 (30/7), Mpl. No. 1084, situated at Last Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the foir

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evosion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Daljit Singh, S/o Late Shri Jagat Singh, R/o 307, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Deepak Gambhir Soo Shri Padam Chand Gambhir R/o 22, Pusa Road

Now Delhi and
2. Shri Yogesh Gambhir Singh
S/o Shri Padam Chand Gambhir
R/o 22, Pusa Road New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two & Half storeyed property on Plot No. 7, Block No. 30 (30/7), Mpl. No. 1084, East Patel Nagar, New Delhi measuring 200 sq. yds.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition RangeVI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-4-1987

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. IAC.(Acq)/R-VI/SR-1/8-86/835.—Whereas, T. K. SAH,

F. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. J-179, Rajouri Garden, New Delhi situated at New Delhi dend more fully described in the Schedula annuaved house.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Office. at New Delhi on August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Rajiv Kumar Sılas S/o Shri B. A. Silas, and Smt. Ruth Kusum Silas, W/o Shii Rajiv Kumar Silas, both R/o J/179, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Maj. Prem Kumar Malhotra, S/o Late Sh. Peshori Lal Malbotra, R/o L-12, Rajouri Garden, New Delhi.

(Fran.feree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. J/179, Rajouri Garden, New Delhi Entire First Floor and Entire Second Floor.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition RangeVI
New Delhi-110002

Date: 13-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGEV-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/VI/SR-III/8-86/384.--Whereas.

I, T. K. SAH,

1, 1. K. SAIT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 52/21, W. E. A. Karol Bagh, New Delhi situated at New Delhi

No. 52/21, W. F. A. Karoi Bagu, New Delin situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (i1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

S. Ashvinder Singh, S/o. S. Sujan Singh, R/o. Fancy Bazzar, Gauhati.

(Transferor)

(2) S Pritpal Singh, S/o. S. Sarup Singh, 5300, Hardhan Singh Road, Karol Bagh, New Delhi, Partner of M. s. Bharat Leather & Shoe Material Store.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"1/2 Share in property bearing No. 52/21, W. E. A. Karol Bagh. New Delhi measuring about 253 sq. yds. Municipal No. 8096-97"

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 13-4-1987

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No I.A.C. (Acq) R/VI/SR-III/8-86/385.-Whereas, t, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 52/21, W. F. A. Karol Bagh, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registeration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons, namely :---

(1) S. Ashvinder Singh, S/o. S. Sujan Singh, R/o. Fancy Bazar, Gauhati,

(Transferor)

(2) S. Narinder Pal Singh, S/o. S. Saroop Singh, R/o. 5300, Hardhian Singh Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aut. shall have the same meaning as given to that Chapter.

# THE SCHEDULE

"1/2 Share in property bearing No. 52/21, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, measuring 253 sq. yds. Mpl. No. 8096-

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date : 13-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq) VI/S. R.-III/8-86/386.—Whereas I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Basement MCD Building, D. B. Gupta Road, Pahar

Ganj, New Delhi.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transfered and registered under Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to solieve that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dharam Bir & Sons through its, Karta Sh. Dharam Bir, S/o. Sh. Hari Chand (Late) R/o. 431, Mathura Road, Jangpura Ext., New Delhi.

(Transferor)

(2) Motia Diwan, 2. Prithvi Raj Diwan, Both, R/o. SP-III, Tilak Nagar, Jaipur,
3. Smt. Sudesh B. Malik,
R/o. C-33, Paschim Apartments, Dadar, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXΛ of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Basement MCB Building, Desh Bandhu Gupta Road, Pahar Ganj, New Delhi-110055, mg. 3500 sq. it.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following percons, namely :-

Date: 13-4-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(ACQUISITION RANGE), 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012.

Kanpur, the 14th April 1987

No. K-10/86-87.—Whereas, I, V. K. SINGHAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Nil situated at -

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Kanpur under registration No. 18007, dated 28-8-86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kamla Nayar w/o Shri A. N. Nayar 117K/17, Sarvodaya Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shii R K. Tandon s/o Shri V. K. Tandon & Smt. Madhu Tandon w o Shii R. K. Tandon R/o Civil Lines, Kanput. (Transferec)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ure defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

117. K/17 Sarvodaya Nagar, Kanpur.

V. K. SINGHAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (Acquisition Range), Kanpur,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-4-87.